THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 297 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.5, 2082 शुक्रवार, 23 जनवरी-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

आवेदन की अंतिम तिथि
24 जनवरी, 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹23.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹44.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.nitalcmjanawas.in

9785 30 7000
9772 51 1112

विकासकर्ता -
नितल
इंफ्राप्रॉजेक्ट्स
एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

सुविचार

देश और समाज की सभी समस्याओं का हल है पवित्रता

पांच हजार करोड़ के निवेश से 100 मेगावाट एआई-रेडी डेटा सेंटर की स्थापना होगी

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को भारत के अग्रणी एआई डेटा सेंटर हब के रूप में स्थापित करने के तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन के अनुरूप, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने डब्लूईएफ 2026 के दौरान एक और महत्वपूर्ण डेटा सेंटर निवेश सुनिश्चित किया। नीदरलैंड्स स्थित यूपीसी रिन्यूएबल्स ग्रुप और वोल्ट डेटा सेंटर्स के संयुक्त उपक्रम ने भारत फ्यूचर सिटी में 100 मेगावाट का एआई- रेडी डेटा सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।

इसके साथ ही, कार्बन-फ्री ऊर्जा सुनिश्चित करने के लिए 100 मेगावाट का राउंड-द-क्लॉक नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट भी स्थापित किया जाएगा। 5,000 करोड़ का यह प्रस्तावित निवेश पांच वर्षों में किया जाएगा, जिससे निर्माण चरण के दौरान 3,000 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार और संचालन के दौरान 800 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। यह सुविधा तेलंगाना के ग्रीन ओपन एक्सेस फ्रेमवर्क के तहत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से जोड़ी जाएगी, जिससे एक टिकाऊ और ऊर्जा-केंद्रित संचालन मॉडल सुनिश्चित होगा। प्रतिनिधिमंडल ने वोल्ट के सीईओ हान डे ग्रूट, यूपीसी रिन्यूएबल्स एपीएसी के सह-संस्थापक स्टीवन ज्वान, यूपीसी रिन्यूएबल्स इंडिया के सीईओ आलोक निगम और सहायक उपाध्यक्ष विकास शर्मा के साथ सकारात्मक चर्चा की।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस निवेश को सुरक्षित करने के लिए आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण और नेट-ज़ीरो विकास के रोडमैप के साथ हासिल किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि राज्य हाई-डेंसिटी जीपीयू, बड़े पैमाने पर ट्रेनिंग कंप्यूट और लिक्विड कूलिंग जैसे घटकों के लिए प्रोत्साहन देकर वैश्विक एआई डेटा सेंटर हब बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी भी इस बैठक में शामिल प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

ढाबे पर मिले मृत बंदर, जांच में जुटे वन अधिकारी

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद राज्य के अलग-अलग हिस्सों से बंदरों को मारे जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक घटना कामारेड्डी जिले के बिकनूर मंडल के अंकमपल्ली गांव में हुई है। यह घटना सड़क किनारे स्थित एक ढाबे पर सामने आई, जहां कम से कम पांच बंदरों की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य गंभीर रूप से घायल पाए गए। यह घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है, लेकिन पशु चिकित्सकों की जांच के बाद बुधवार को इसका खुलासा हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार, अज्ञात लोगों ने किसी दूसरे स्थान पर 10 से 12 बंदरों को बेहोश करने वाली दवा का इंजेक्शन लगाया और बाद में उन्हें अंकमपल्ली के ढाबे पर फेंक दिया।

गोलकोंडा किले का कटोरा हाउज कचरा डंपिंग यार्ड में बदल गया, जीर्णोद्धार की पहल

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रशासनिक उदासीनता और नागरिक उपेक्षा के कारण, हैदराबाद के ऐतिहासिक गोलकोंडा किले में स्थित सदियों पुराना कटोरा हाउज वर्षों से कचरा डंपिंग यार्ड में बदल गया है। जल निकाय में बहता गंदा पानी और स्थानीय लोगों द्वारा इसे कूड़ा फेंकने के स्थान के रूप में उपयोग करने से इसकी मूल सुंदरता धूमिल हो गई है।

कटोरा हाउज केंद्रीय पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है। हैदराबाद स्थित गैर सरकारी संगठन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ ह्यूमन एंडेवर (एसएएचई) ने कटोरा हाउज के जीर्णोद्धार के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसके लिए उन्होंने हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) से साझेदारी की पहल की है। एसएएचई की प्रमुख जल संरक्षण कार्यकर्ता कल्पना रमेश ने बताया कि जल निकाय को पुनर्जीवित करने के लिए बिजली और सीवरेज लाइन को स्थानांतरित करना, कचरा और ठोस अपशिष्ट उठाकर सफाई करना आवश्यक होगा। इसके बाद यहां कुछ सौंदर्यीकरण कार्य किए जा सकते हैं। इस बीच, हाइड्रा के आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने पुरातत्व विभाग के अधिकारियों और एनजीओ प्रतिनिधियों के साथ कटोरा हाउज का दौरा किया और जल निकाय के संरक्षण के उपायों पर चर्चा की। इसमें कचरा रोकने के लिए लोहे की बाड़ लगाने की योजना भी शामिल है।

फोन टैपिंग मामले में एसआईटी ने केटीआर को नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फोन टैपिंग मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) को नोटिस जारी किया है।

उन्हें शुक्रवार को सुबह 11 बजे जुबली हिल्स स्थित एसीपी कार्यालय में पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा गया है। यह नोटिस दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 160 के तहत केटीआर के नंदीनगर स्थित आवास पर तामील किया गया। एसआईटी वर्ष 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनावों के दौरान विपक्षी नेताओं के फोन टैप किए जाने के आरोपों की जांच कर रही है, और इस मामले में केटीआर से पूछताछ किए जाने की संभावना है। फोन टैपिंग प्रकरण ने देशभर में व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। इस मामले में कथित रूप से शामिल कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, और अब जांच का दायरा राजनीतिक नेताओं तक बढ़ा दिया गया है। हाल ही में एसआईटी ने पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को नोटिस जारी कर उनसे पूछताछ की थी। अधिकारियों ने उनसे कई घंटों तक पूछताछ कर महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की थी। केटीआर को नोटिस जारी किए जाने के बाद यह मामला राज्य की राजनीति में एक बड़ा चर्चा का विषय बन गया है।

पूर्व मंत्री हरीश राव ने दी प्रतिक्रिया

केटीआर को जारी किए गए नोटिस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर जनता का ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'कल उन्होंने मुझे नोटिस जारी किया और आज केटीआर को। उनमें कोयला घोटाले पर सवालों का जवाब देने का साहस नहीं है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी चाहे कितने भी नोटिस जारी कर दें, हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक छह गारंटियां और 420 वादे पूरे नहीं किए जाते। रेवंत रेड्डी को हम छोड़ने वाले नहीं हैं।

महिला अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार 16.452 किलोग्राम गांजा जब्त

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद रेलवे पुलिस, ईगल टीम टीजीएएनबी और आरपीएफ ने संयुक्त अभियान में अंतरराज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया और मुंबई ले जाते समय 16.452 किलोग्राम गांजा जब्त किया।

कीमत लगभग 8.22 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 21 जनवरी 2026 को शाम 5:20 बजे, बी. प्रवीण कुमार, आईआरपी हैदराबाद और ई. श्रीनिवास, एसआईआरपी हैदराबाद ने बेगंपेट रेलवे स्टेशन पर सामान्य जांच के दौरान 37 वर्षीय ममता डिगल को संदिग्ध हालात में दो ट्रॉली सूटकेस के साथ पकड़ा। ममता महाराष्ट्र के नवी मुंबई की निवासी हैं और ओडिशा के फूलबानी जिले की मूल निवासी हैं। पूछताछ में आरोपी ममता ने खुलासा किया कि वह घरेलू काम के दौरान मुंबई के अशोक नामक व्यक्ति से मिली। अशोक ने उन्हें 10,000 रुपये प्रति सूटकेस के हिसाब से भुवनेश्वर से मुंबई गांजा ले जाने का ऑफर दिया। ममता ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। 14 जनवरी को ममता भुवनेश्वर गई और 19 जनवरी तक वहां रही। भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर उसे एक अज्ञात व्यक्ति ने दो ट्रॉली सूटकेस सौंपे। यात्रा के दौरान बेगंपेट रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने संदिग्धता के आधार पर सूटकेस की जांच की और ब्राउन टेप में लिपटे गांजा के पैकेट पाए। तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों सूटकेस में रखे 9 पैकेट गांजा कुल 16.452 किलोग्राम, कीमत 8,22,600 रुपये और एक मोबाइल फोन जब्त किया। मुंबई का अशोक फिलहाल फरार है।

मेडारम जातरा के लिए 165 करोड़ रुपये से सड़क निर्माण

1418 हेक्टेयर क्षेत्र में पार्किंग सुविधाएं

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हर दो साल में होने वाला मेडारम सम्मक्का-सारलम्मा आदिवासी जातरा शुरू होने में अब केवल पांच दिन बचे हैं। इसके चलते हर दिन लाखों श्रद्धालु पहले से ही पूजा अर्चना के लिए मेडराम की ओर बढ़ रहे हैं। अनुमान लगाया गया है कि सिर्फ जातरा के दिन 28 से 31 जनवरी के बीच लगभग एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु भाग लेंगे। इसीलिए, मेडारम आने वाली मुख्य सड़कों, राष्ट्रीय राजमार्गों, भवन और सड़क विभाग की देखरेख में आने वाली सड़कों के साथ-साथ पंचायती राज विभाग द्वारा रखरखाव की जाने वाली सभी सड़कों को राज्य सरकार ने पूरी तरह से विकसित किया है। विभिन्न विभागों के तहत मेडराम तक पहुंचने वाली 39 मुख्य सड़कों को बेहतर बनाया गया है। इसके अलावा, 10 नई सड़कें और 3 नए कल्वर्ट भी बनाए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों की 8 सड़कों के मजबूतीकरण, मरम्मत और नए पुल निर्माण का काम 360 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया। इसमें मुख्य रूप से कटाक्षपुर और मल्लमपल्ली के पास नए पुल बनाए गए। भवन और सड़क विभाग द्वारा लगभग 102 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण, मजबूतीकरण और अन्य सिविल कार्यों को रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। इस विभाग के तहत पसर्रा से भूपालपल्ली तक 33 किलोमीटर, ताडवाय से नार्लापुर तक 20 किलोमीटर, और चिनबोइनपल्ली से ऊरत्टम तक 23 किलोमीटर सड़कें फिर से ढलाई (री-कारपेटिंग) की गईं। इसके अलावा, चिलकल घाट, सम्मक्का मार्ग से गड्डेल तक, सम्मक्का मंदिर, पुलिस कैंप आदि स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई। पुलिस कैंप पर हेलिपैड का निर्माण और मरम्मत भी की गई। पंचायती राज इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 52.21 करोड़ रुपये की लागत से 84 परियोजनाओं का कार्य किया गया। इसके अलावा, ट्राइबल वेलफेयर इंजीनियरिंग विभाग ने 8.08 करोड़ रुपये की लागत से 3 नई इमारतें बनाई, 29 मौजूदा इमारतों की मरम्मत की, और 5 नई सड़कें बनाई। मेडारम जातरा में आरटीसी बसों के अलावा भारी संख्या में निजी वाहन भी आते हैं। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले वाहनों की पार्किंग के लिए सरकार ने व्यापक प्रबंध किए हैं। मुख्य रूप से 43 क्षेत्रों में 1418 हेक्टेयर क्षेत्र में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इन पार्किंग क्षेत्रों में श्रद्धालुओं और ड्राइवरों के लिए पीने का पानी, शौचालय और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

तेलंगाना गद्दर फिल्म पुरस्कार में प्रमाणित फिल्मों से प्रविष्टियां आमंत्रित

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने तेलंगाना गद्दार फिल्म पुरस्कार (टीजीएफए)- 2025 के आयोजन के लिए आदेश जारी किए हैं। ये पुरस्कार 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2025 (दोनों तिथियां सम्मिलित) के बीच प्रमाणित फिल्मों के लिए प्रदान किए जाएंगे। सरकारी आदेश के अनुसार, तेलंगाना फिल्म विकास निगम लिमिटेड द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है। विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत तेलुगु भाषा की फिल्मों के लिए देश-विदेश से फिल्म निर्माताओं और सरकारी एजेंसियों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। पुरस्कारों की श्रेणियों में फीचर फिल्में, राष्ट्रीय एकता पर आधारित फीचर फिल्में, पर्यावरण/विरासत/ इतिहास पर आधारित फिल्में, डेब्यू फीचर फिल्में, पारिवारिक/स्वस्थ मनोरंजन पर आधारित फिल्में, सामाजिक संदेश वाली फीचर फिल्में, एनीमेशन फिल्में, विशेष प्रभाव (स्पेशल इफेक्ट्स) फिल्में, बाल फिल्में, कलाकारों एवं तकनीशियनों के लिए व्यक्तिगत पुरस्कार, वृत्तचित्र फिल्में, लघु फिल्में, तेलुगु सिनेमा पर पुस्तकें एवं समीक्षात्मक लेख, तथा उर्दू भाषा की फीचर फिल्में शामिल है। पुरस्कारों से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। निर्धारित आवेदन पत्र, नियम एवं शर्तों के साथ, 21 जनवरी 2026 से तेलंगाना फिल्म विकास निगम से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रविष्टि फॉर्म की बिक्री की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 (दोपहर 3 बजे तक) है, जबकि पूर्ण रूप से भरे गए आवेदनों को जमा करने की अंतिम तिथि 3 फरवरी 2026 (दोपहर 3 बजे तक) निर्धारित की गई है।

आईटीसी ने वेलबीइंग आउट ऑफ वेस्ट पुरस्कार 2025-26 का आयोजन किया

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छ भारत मिशन को बढ़ावा देने और छात्रों, स्कूलों, कॉलेजों तथा कॉरपोरेट्स के योगदान को मान्यता देने के लिए आईटीसी लिमिटेड ने वेलबीइंग आउट ऑफ वेस्ट (आईटीसी डब्ल्यूओडब्ल्यू) पुरस्कार 2025-26 का आयोजन किया। इस चैम्पियनशिप में 1.15 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया और सामूहिक रूप से लगभग 1,200 मीट्रिक टन शुष्क अपशिष्ट पुनर्चक्रण के लिए दिया। हैदराबाद, नालगोंडा, सूर्यापेट, सिद्दिपेट, सिरिसिला और भद्राचलम के लगभग 614 स्कूलों से लगभग 4 लाख छात्रों ने इस पहल में सक्रिय योगदान दिया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Sameena Begam, W/o, No. 14667416X, Hav, Shaik Hussain Basha, R/o, Dist: Medchal-Malkajgiri, Telangana, changed my name from Sameena Begam to Sameena Bagum, vide Affidavit No BN 820833 dt. 21.01.2026, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, Naga Prasanna, W/o, No. 14649233Y, Hav, Ramanjaneyulu Manyam, R/o, PO: Nagaram, Dist: Bapatla, Andhra Pradesh, changed my name from Naga Prasanna to Manyam Nagaprasanna, vide Affidavit No. BN 820837 dt 22.01.2026, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, No. 14648184P, Hav, Jeevan, R/o, Dist: Indore, Madhya Pradesh, changed my Son's name from Ayush to Aayush Jhinjhoriya, vide Affidavit No. 284430 dt.22.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एनआईटी वारंगल में आवारा कुत्तों से क्रूरता, चार पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि वारंगल स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल के मुख्य वार्डन और कुत्ते पकड़ने वाली टीम के तीन सदस्यों के खिलाफ परिसर से आवारा कुत्तों को अमानवीय तरीके से हटाने के प्रयास के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला पशु कल्याण कार्यकर्ता ए. गौतम की शिकायत पर सामने आया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 17 जनवरी को कुत्ते पकड़ने वालों ने धातु के तारों का इस्तेमाल किया, कुत्तों को जबरदस्ती घसीटा और मुख्य वार्डन के निर्देश पर उन्हें परिसर से बाहर ले जाने के लिए वाहन में लाद दिया।

गौतम के अनुसार, इस दौरान कुत्तों को गंभीर शारीरिक पीड़ा पहुंचाई गई। वे आवारा पशु फाउंडेशन ऑफ इंडिया से जुड़े क्रूरता निवारण प्रबंधक हैं। पशु कल्याण कार्यकर्ताओं के समय पर हस्तक्षेप से कथित अवैध स्थानांतरण को रोक दिया गया। हालांकि, शिकायतकर्ता का कहना है कि तब तक जानवरों को अनावश्यक पीड़ा दी जा चुकी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर 19 जनवरी को काजीपेट पुलिस स्टेशन में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

मेडारम जातरा श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आयोजित होने वाली मेडारम जातरा में शामिल होने की योजना बना रहे श्रद्धालुओं के लिए एक खुशखबरी है। राज्य पर्यटन विभाग ने मेडारम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू की हैं। गुरुवार को पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का ने मुलुगु जिला मुख्यालय के पास स्थित एक डिग्री कॉलेज में हेलीकॉप्टर सेवा का उद्घाटन कर इसके उपयोग को प्रोत्साहित किया।

सेवा के शुभारंभ के दौरान सीतक्का ने बताया कि राज्य पर्यटन विभाग ने यह हेलीकॉप्टर सेवा इसलिए शुरू की है ताकि श्रद्धालु कम समय में देवी-देवताओं के दर्शन कर सकें और उनका कीमती समय बर्बाद न हो। मंत्री ने मेडारम में सम्मक्का और सारलम्मा के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से इस हेलीकॉप्टर सेवा का लाभ उठाने का आग्रह किया। यह सेवा 31 जनवरी तक उपलब्ध रहेगी।

एससीसीएल टेंडरों की सीबीआई जांच के लिए केंद्र सरकार तैयार

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने गुरुवार को कहा कि यदि राज्य सरकार प्रस्ताव भेजती है, तो केंद्र सरकार सिंगरेणी और नायडी कोयला टेंडरों की प्रक्रिया में हुई कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच के लिए तैयार है। वे यहां पार्टी कार्यालय में आयोजित भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। राव ने पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार से लेकर वर्तमान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार तक, टेंडर प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं की समग्र और निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये के एससीसीएल टेंडरों में हुई गड़बड़ियों को जानने का जनता को पूरा अधिकार है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे टेंडर आवंटन में सत्तारूढ़ दल के नेताओं के रिश्तेदारों और करीबी लोगों को लाभ पहुंचाए जाने के मामलों को जनता के सामने उजागर करें। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से समझाने को कहा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनकी टीम की निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से की गई विदेश यात्राओं पर सवाल उठाते हुए, राव ने अब तक की गई दो दावोस यात्राओं में घोषित निवेशों पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हम विदेशी दौरों का विरोध नहीं करते, लेकिन जनता को यह जानने का अधिकार है कि पिछली दावोस यात्राओं में घोषित निवेश कहां लगाए गए और उनसे कितने लोगों को रोजगार मिला। बैठक राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव की अध्यक्षता में हुई, जिसमें प्रदेश समितियों और उनके सहयोगी संगठनों के कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी नगरपालिका चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी के कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 297 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.5, 2082 शुक्रवार, 23 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केरल दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी : नई ट्रेन सेवाओं को दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को केरल का दौरा करेंगे। वे यहां नवाचार और उद्यमिता केंद्र की नींव रखेंगे। इसके साथ ही राज्य में चार नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड भी लॉन्च करेंगे, जो स्ट्रीट वेंडर्स के लिए वित्तीय समावेशन के अगले चरण का प्रतीक है। इसके साथ ही राज्य की राजधानी में एक आधुनिक डाकघर का उद्घाटन करेंगे। रेल संपर्क को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, मोदी चार नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं।

> अविमुक्तेश्वरानंद को चेतावनी

माघ मेले से बैन कर देंगे

योगी बोले-कई कालनेमि सनातन को कमजोर करने की साजिश रच रहे, सतर्क रहना होगा

प्रयागराज, 22 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में अविमुक्तेश्वरानंद और माघ मेला प्रशासन के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। 48 घंटे के अंदर प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को दूसरा नोटिस भेजा है। इसमें मौनी अमावस्या के दिन बैरियर तोड़ने और जबरन भीड़ में बग्घी घुसाने को लेकर सवाल किए हैं। पूछा है कि क्यों न आपको हमेशा के लिए माघ मेले से बैन कर दिया जाए? अगर 24 घंटे के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो संस्था को दी गई जमीन और सुविधाएं वापस ले लेंगे।

अविमुक्तेश्वरानंद के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगिराज ने कहा- प्रशासन ने बुधवार शाम 7 बजे शिविर के पीछे नोटिस चस्पा किया, जिस पर 18 जनवरी की डेट थी। अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार सुबह 8 बजे 3 पेज में दूसरे नोटिस का जवाब मेला ऑफिस भिजवाया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- प्रशासन नोटिस-नोटिस खेल रहा है। अभी मेरा मौनी अमावस्या का स्नान नहीं हुआ है, तो मैं बसंत का स्नान कैसे करूंगा? पहले मौनी अमावस्या का स्नान करूंगा, तभी दूसरा स्नान करूंगा।

योगी बोले-किसी को परंपरा बाधित करने का हक नहीं :

इसी बीच, सीएम योगी ने अविमुक्तेश्वरानंद का बिना नाम लिए कहा- किसी को परंपरा बाधित करने का हक नहीं। ऐसे तमाम कालनेमि हैं, जो धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। हमें ऐसे लोगों से सतर्क रहना होगा। संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता। योगी ने जिस कालनेमि का जिक्र किया, वह रामायण में रावण का मामा और मारीच का बेटा था। रावण ने उसको लक्ष्मण के मूर्छित होने पर हनुमान को रोकने के लिए भेजा था। बाद में हनुमान ने कालनेमि का वध कर दिया था। >14

जम्मू-कश्मीर के डोडा में हादसा

सेना का बुलेटप्रूफ वाहन 200 फीट गहरी खाई गिरा

> दस जवानों की जान गई, सात घायल

डोडा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए सड़क हादसे में सेना के दस जवानों की जान चली गई जबकि सात अन्य घायल हो गए। हादसा भद्रवाह-चंबा मार्ग पर खन्नी टॉप के पास हुआ।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि सेना का बुलेटप्रूफ वाहन निकट के पोस्ट की तरफ जा रहा था। इसमें 17 जवान सवार थे। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वह 200 फीट गहरी खाई में जा गिरा।

जानकारी पर सेना और पुलिस ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू शुरू किया। मौके से दस जवानों के शव बरामद

कर लिए गए हैं। सात जवानों को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया। इसमें से तीन की हालत गंभीर है। उन्हें विशेष उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर उधमपुर स्थित सैन्य अस्पताल भेजा गया है। अन्य घायलों का इलाज नजदीकी सैन्य चिकित्सा केंद्रों में चल रहा है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

झारखंड के सारंडा में मुठभेड़ : एक करोड़ के इनामी अनल समेत कई नक्सली ढेर

> करीब 10 साथियों के मारे जाने की भी खबर

रांची, 22 जनवरी (एजेंसियां)। नक्सल विरोधी अभियान के तहत गुरुवार को चाईबासा जिले के सारंडा जंगल क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सली संगठन के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ छोटानागरा थाना क्षेत्र के घने और दुर्गम जंगलों में तब हुई, जब नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में 1 करोड़ रुपये के इनामी नक्सली अनल सहित 9 से 10 अन्य साथी नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को सारंडा के जंगलों में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद कोबरा बटालियन, झारखंड जगुआर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

तलाशी अभियान के दौरान जैसे ही सुरक्षाबल नक्सलियों के नजदीक पहुंचे, नक्सलियों ने खुद को घिरा हुआ देख अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से काफी देर तक भारी गोलीबारी होती रही, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि सुरक्षाबलों के दबाव बढ़ने पर कुछ नक्सली घने जंगलों का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और सघन तलाशी अभियान जारी है। सुरक्षा एजेंसियां इलाके पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और अतिरिक्त बलों की तैनाती भी की गई है ताकि किसी भी तरह की नक्सली गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

भारत करेगा 52 जासूसी सैटेलाइट लॉन्च, यूं डिफेंस होगा अजेय

आसमान से दुश्मन की हर हरकत पर पहरा!

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत की आर्म्ड फोर्सेज के एक्शन से पाकिस्तान की कमर ही टूट गई। उस ऑपरेशन में पाकिस्तान को तुर्की और चीन से भी हथियारों का सपोर्ट मिला था।

हालांकि, भारत ने इन हथियारों को बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इस सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान इसकदर डर गया कि खुद से सीजफायर की गुहार लगाई। भारत ने इसे स्वीकार तो कर लिया साथ ही पाकिस्तान को कड़ा संदेश भी

दे दिया कि अगर कोई नापाक कदम उठाया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। भारत ने जहां पड़ोसी मुल्क वार्निंग दी, वहीं डिफेंस सेक्टर को और मजबूत बनाने में जुट गया। खास तौर पर आसमान से दुश्मनों की हर हरकत पर निगरानी को और मजबूत करने की प्लानिंग है। इसके लिए भारत 2029 तक 52 एडवांस्ड सर्विलांस सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना तैयार की है। प्रोजेक्ट करीब 26,000 करोड़ रुपये का है और भारत का अब तक का सबसे बड़ा मिलिट्री स्पेस प्रोजेक्ट है। इसमें पहला सैटेलाइट अप्रैल 2026 तक लॉन्च होने की उम्मीद है। ये प्रोजेक्ट 'स्पेस-बेस्ड सर्विलांस फे-III' प्रोग्राम का हिस्सा है। इन सैटेलाइट्स में खास इंफ्रारेड सेंसर लगे होंगे, जिससे रात में भी साफ तस्वीरें ली जा सकेंगी। ये इंफ्रारेड सेंसर रात में, बादलों के बीच और खराब मौसम की स्थिति में भी देखने की सुविधा देंगे। यह मिक्स्ड सेंसर सूट भारत की अपनी जमीनी सीमाओं और तटरेखा पर चौबीसों घंटे इंटेलिजेंस इकट्ठा करने की क्षमता को बदल देगा, जिसमें सैटेलाइट सभी मौसम में, दिन-रात कवरेज देने में सक्षम होंगे।

इसरो पहले 21 सैटेलाइट बनाएगा

इस प्रोजेक्ट में इसरो 21 सैटेलाइट बनाएगा, वहीं बाकी 31 सैटेलाइट प्राइवेट कंपनियां बनाएंगी। यह पहली बार है जब किसी भारतीय मिलिट्री स्पेस प्रोग्राम में प्राइवेट सेक्टर का इतना बड़ा योगदान होगा।

जब ये सैटेलाइट काम करना शुरू कर देंगे, तो डिफेंस स्पेस एजेंसी इनकी ऑपरेशनल कमांड संभालेगी। ये सैटेलाइट अलग-अलग ऑर्बिट्स में घूमेंगे, जैसे लो-अर्थ से जियोस्टेशनरी पोजीशन तक, जिससे महत्वपूर्ण इलाकों की पूरी कवरेज मिलेगी।

कर्नाटक में भी राज्यपाल बनाम सरकार

भाषण बिना पढ़े सदन से चले गए गवर्नर, विधानसभा में हंगामा

बेंगलूरू, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में राज्यपाल बनाम राज्य सरकार विवाद हो गया है। दरअसल राज्यपाल गुरुवार को विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करने पहुंचे तो लेकिन उन्होंने पूरा भाषण नहीं पढ़ा और सिर्फ दो लाइनें पढ़कर सदन से चले गए।

इसके बाद विधायकों ने हंगामा कर दिया और नारेबाजी की। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि राज्यपाल ने भाषण न पढ़कर संविधान का उल्लंघन किया है। इससे पहले बुधवार को राज्यपाल ने विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इनकार कर दिया था। जिससे कर्नाटक में भी सरकार और राज्यपाल के बीच तनातनी की स्थिति बन गई थी, जो कि अभी कई गैर-भाजपा शासित राज्यों में दिखाई दे रही है।

सिर्फ दो लाइनें पढ़कर सदन से चले गए राज्यपाल :

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, कर्नाटक विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। मेरी सरकार राज्य के

आर्थिक, सामाजिक और बुनियादी विकास की गति को दोगुनी करने के लिए समर्पित है। जय हिंद, जय कर्नाटक। राज्यपाल ने इतना कहकर ही अपना संबोधन समाप्त कर दिया और सदन से निकल गए। इस पर कांग्रेस विधायकों ने कड़ी नाराजगी जाहिर की और उन्होंने 'शर्म करो, शर्म करो' जैसी नारेबाजी की। वहीं भाजपा के विधायकों ने राज्यपाल का समर्थन किया और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए।

सीएम ने जताई कड़ी नाराजगी

कैबिनेट द्वारा ड्राफ्ट भाषण को नहीं पढ़ने के लिए सीएम सिद्धारमैया ने राज्यपाल की तीखी आलोचना की। सीएम ने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने अपने सांविधानिक जिम्मेदारी और कर्तव्यों को पालन नहीं किया। सीएम ने राज्यपाल पर अपना भाषण पढ़ने का आरोप लगाया। साथ ही संविधान के उल्लंघन का आरोप लगाया। सीएम ने राज्यपाल पर केंद्र सरकार की कठपुतली की तरह काम करने का भी आरोप लगाया। सीएम ने ये भी कहा कि उनकी सरकार आगे की कार्रवाई पर विचार कर रही है और ये भी देखा जा रहा है कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया जाए या नहीं।

क्या है विवाद?

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सरकार द्वारा तैयार किए गए 11 पैराग्राफ के भाषण को इसलिए पढ़ने से इनकार कर दिया था क्योंकि इसमें कथित तौर पर केंद्र सरकार की कई नीतियों की कड़ी आलोचना की गई थी। साथ ही मनरेगा योजना की जगह दूसरी योजना शुरू करने को लेकर भी केंद्र की आलोचना की गई थी। इस पर राज्यपाल ने आपत्ति जताते हुए संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इनकार कर दिया था।

हालांकि बुधवार शाम कानून मंत्री एचके पाटिल की अगुवाई में एक दल ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। इस दल में एडवोकेट जनरल के शशि किरन शेट्टी और सीएम के कानूनी सलाहकार ए एस पोन्ना भी शामिल रहे। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए पाटिल ने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 176(1) में स्पष्ट तौर पर उल्लेखित है कि राज्यपाल को राज्य सरकार द्वारा तैयार भाषण को विधानसभा के संयुक्त सत्र में पढ़ना अनिवार्य है।

एनआईए कोर्ट से सैयद एम इदरीस को 10 साल की सजा

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने पाकिस्तान से जुड़े लश्कर-ए-तैयबा भर्ती और कट्टरपंथीकरण मामले में एक आरोपी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला पश्चिम बंगाल में मुस्लिम युवाओं की भर्ती कर उन्हें प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जोड़ने और भारत सरकार के खिलाफ जिहाद के लिए उकसाने से जुड़ा है। एनआईए की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, कोलकाता स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने बुधवार को कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के रहने वाले सैयद एम इदरीस को विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराया। अदालत ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की अलग-अलग धाराओं के तहत दोषसिद्धि करते हुए अधिकतम 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा एक साथ चलने के आदेश दिए हैं।

अखंड ज्योति की शताब्दी पर बोले अमित शाह

'आज हिंदुत्व का नारा गूंज रहा'

हरिद्वार, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हरिद्वार दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह यहां बैरागी कैंप में चल रहे शान्तिकुंज के शताब्दी समारोह का दीपप्रज्जवित कर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लोग पहले हिंदूत्व की बात करने से डरते थे और आज हिंदुत्व का नारा गूंज रहा है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय परंपरा में विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। कहा कि पंडित राम शर्मा ने हर जाति हर समाज और लिंग भेद के बगैर गायत्री मंत्र के माध्यम से हर आत्मा को कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने का रास्ता दिखाया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पतंजलि इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल के उद्घाटन समारोह में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज करोड़ों लोगों को गायत्री मंत्र के साथ, गायत्री उपासना के साथ, गायत्री साधना के साथ पंडित राम शर्मा ने जोड़ा उन करोड़ों लोगों की जिम्मेदारी है कि चिनमय भाई

के नेतृव में सौ साल में नई ऊर्जा और जोश के साथ हम आगे बढ़ें।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, पंडित राम शर्मा आचार्य और माता भगवती देवी ने अपने जीवनकाल में कई युगों का काम किया। उनके आंदोलन के तहत 15 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स आध्यात्मिकता के रास्ते पर चल रहे हैं और आज अखंड ज्योति की शताब्दी मनाई जा रही है। 1925-26 राष्ट्रीय पुनर्जागरण का वर्ष था और उसी वर्ष, संघ परिवार की स्थापना हुई थी। गृह मंत्री अमित शाह ने संकट मोचन हनुमान मंदिर निरंजनी अखाड़े में दर्शन किए। हनुमान भक्त केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज अचानक पंचायती श्री निरंजनी अखाड़ा पहुंचे और वहां पर उन्होंने संकटमोचन हनुमान मंदिर में हनुमान जी के दर्शन किए। प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर पहुंचने पर उनका पंचायती श्री निरंजन अखाड़ा के सचिव श्री महंत रामरतन गिरी महाराज ने स्वागत किया। उन्हें मकर वाहिनी मां गंगा की प्रतिमा भेंट की।

भारतीय दूतावास में तोड़फोड़ : दोषियों से सख्ती से निपटें

भारत का क्रोएशिया को दो टूक संदेश

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब स्थित भारतीय दूतावास में घुसपैठ और तोड़फोड़ की घटना को बहुत ही गंभीरता से लिया है और वहां की सरकार से कहा है कि इन घटनाओं में शामिल भारत-विरोधी तत्वों से सख्ती से निपटा जाए। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इन घटनाओं की निंदा करते हुए क्रोएशिया के अधिकारियों से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि वियना कंवेंशन के तहत यह उनकी जिम्मेदारी है।

दूतावास में तोड़फोड़ की निंदा :

क्रोएशिया में भारतीय दूतावास में हुई घटना को लेकर विदेश मंत्रालय ने जो बयान जारी किया है, उसे विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है। 22 जनवरी, 2025 को विदेश मंत्रालय की ओर से इस घटना को लेकर जारी बयान में कहा गया है, क्रोएशिया के जाग्रेब स्थित हमारे दूतावास में भारत-विरोधी तत्वों द्वारा घुसपैठ और तोड़फोड़ की घटना की हम निंदा करते हैं। बयान में आगे कहा गया है कि, वियना कंवेंशन के तहत राजनयिक परिसर पवित्र होते हैं और उनकी हर हाल में सुरक्षा होनी चाहिए। इसी आधार पर हमने क्रोएशियाई अधिकारियों के सामने इस मामले को गंभीरता से उठाया है, नई दिल्ली और जाग्रेब दोनों जगह उनसे कहा है कि वे अपराधियों को उनके निंदनीय और गैर-कानूनी कार्य के लिए जवाबदेह ठहराएं।

भारत-विरोधी तत्वों की जानकारी मांगी :

भारत सरकार ने क्रोएशिया से यह भी कहा है कि (दोषियों) उनके पीछे जो भी लोग हैं, उनके चरित्र और इरादों के बारे में भी जानकारी दें और कानून का पालन कराने वाले अधिकारियों को हर जगह इन बातों पर ध्यान रखना चाहिए। बता दें कि पिछले ही साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रोएशिया की यात्रा पर गए थे। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली क्रोएशिया यात्रा थी। इस दौरान पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के समर्थन के लिए क्रोएशिया को धन्यवाद दिया था।

मैतेई शख्स की गोली मारकर हत्या

इंफाल, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में मैतेई गुट के एक शख्स की आदिवासी महिला से अफेयर के चलते गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मयांगलांबम ऋषिकांत (38) के रूप में हुई है। वह काकचिंग खुनौ का रहने वाला था।

पुलिस के अनुसार, 21 जनवरी की रात अज्ञात बदमाशों ने तुइबुओंग इलाके से ऋषिकांत का अपहरण कर लिया और बाद में चुराचांदपुर के टी नटजांग गांव में उसकी हत्या कर दी।

आरोपियों ने पूरी घटना की रिकॉर्डिंग भी की। इसका वीडियो अब सामने आया है। पहले आरोपी ऋषिकांत से स्थानीय भाषा में कुछ बात करते हैं। इस दौरान ऋषिकांत हाथ जोड़कर उनसे माफी भी मांगता है।

फिर भी बगल में खड़ा शख्स ऋषिकांत के कान के पास गोली मार देता है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। हालांकि अधिकारियों ने अफेयर के दावों की पुष्टि नहीं की है।

केंद्रीय बजट 1 फरवरी को होगा पेश

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) समेत महाराष्ट्र के दूसरे नगर निगमों में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने शानदार कामयाबी हासिल की है। इस जीत पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन मजबूती के साथ काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया से बात करते हुए कहा, महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना की जीत प्रधानमंत्री मोदी और राज्य में देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुई है। अब अजित पवार के भी शामिल होने से इस गठबंधन को लोगों ने खूब पसंद किया है। बता दें कि महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 नगर निगमों के चुनाव परिणामों में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने जीत हासिल की है।

भोजशाला में पूजा और नमाज एक साथ होगी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-प्रशासन दोनों के लिए अलग-अलग जगह तय करे, धार छावनी में तब्दील

नई दिल्ली/भोपाल, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को धार भोजशाला मामले में बड़ा आदेश दिया है। 23 जनवरी (बसंत पंचमी, शुक्रवार) को हिंदू पक्ष को सूर्योदय से सूर्यास्त तक मां सरस्वती (वाग्देवी) की पूजा की पूरी छूट दी गई है, जबकि मुस्लिम पक्ष को दोपहर 1 से 3 बजे तक जुमे की नमाज अदा करने की अनुमति दी है।

कोर्ट ने प्रशासन को दोनों के लिए अलग-अलग जगहें निर्धारित करने, विशेष पास व्यवस्था करने और शांति-सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने यह व्यवस्था हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की याचिका पर सुनवाई करते हुए दी। मामले की सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने की। आदेश के मुताबिक हिंदू समुदाय को प्रत्येक मंगलवार को सूर्योदय से सूर्यास्त तक निःशुल्क प्रवेश की अनुमति है। उस दिन आगंतुक एक-दो फूल और कुछ चावल के दाने ले जा सकते हैं। उपर्युक्त रियायतों के अतिरिक्त, परिसर अन्य सभी दिनों में पर्यटकों के लिए खुला रहेगा। प्रवेश शुल्क प्रति व्यक्ति 1 रुपए होगा। 15 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। बता दें, सुरक्षा व्यवस्था के लिए धार में आठ हजार पुलिस बल और अफसर तैनात किए गए हैं।

मौत की सजा के लिए फांसी या जहर का इंजेक्शन? सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा के लिए फांसी की जगह कम तकलीफदेह तरीके अपनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई पूरी कर ली है और फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह याचिका वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा ने दायर की है। उन्होंने फांसी को मौत देने का क्रूर, अमानवीय और पुराना तरीका बताया है, जिसमें दोषी को लंबे समय तक दर्द सहना पड़ता है। उन्होंने सुझाव दिया कि फांसी की बजाय जहर का इंजेक्शन (लीथल इंजेक्शन) दिया जाए, जो तेजी से और कम पीड़ा के साथ मौत का कारण बनता है। याचिका में कहा गया है कि कम से कम दोषी को विकल्प दिया जाए कि वह फांसी चाहता है या इंजेक्शन। >14

पटना में बच्चे के जन्म पर मांगा 1 लाख रुपये नेग, मना करने पर किन्नर के साथ आए युवकों ने मार दी गोली

पटना सिटी, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बाईपास थाना क्षेत्र के शिक्षक कॉलोनी में बच्चे के जन्म पर नेग के लिए एक लाख रुपये मांगने को लेकर हुए विवाद में मंगलामुखी के पक्ष से एक बाइक पर सवार दो बदमाशों ने नीरज कुमार की पत्नी काजल कुमारी को गोली मार दिया। स्वजन ग्यारह हजार रुपये दे रहे थे। गोली बांह में लगने से वह जख्मी हो गयी। स्वजन ने उसे इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सक के अनुसार महिला खतरे से बाहर है। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है। अस्पताल में घायल काजल ने बताया कि कुछ मंगलामुखियों के साथ बड़ी दीदी का इस बात को लेकर विवाद हुआ था कि वह गाने-बजाने का काम क्यों करती है? घर पर कोई नहीं था। उस समय दो बाइक सवार युवक घर पर बड़ी दीदी को टारगेट कर गोली मारने के लिए आये।

'बीमारू राज्य से भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना यूपी'

राज्य दिवस से पहले सीएम योगी ने जनता को दिया बड़ा संदेश

लखनऊ, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश आने वाले 24 जनवरी को अपना राज्य दिवस मनाने वाला है। इस अवसर पर सीएम योगी ने लोगों को अग्रिम बधाई दी है और राज्य की जनता के नाम एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में सीएम योगी ने कहा है कि कभी बीमारू राज्य माना जाने वाला उत्तर प्रदेश आज भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बन गया है। सीएम योगी ने कहा है कि दृढ़ संकल्प के साथ हमने कानून एवं सुशासन का राज स्थापित किया है। सीएम योगी ने अपने संदेश में कहा- मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, असीम संभावनाओं वाला हमारा प्रदेश संघर्ष और नीतिगत उदासीनता की बेड़ियों को तोड़ते हुए बीमार राज्य से भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बन गया है। दृढ़ संकल्प के साथ हमने कानून एवं सुशासन का राज स्थापित किया है। सत्ता के संरक्षण में पनप रहे माफिया के भय के साम्राज्य का अंत करते हुए विकास को गति दी है।

महिलाओं की श्रमबल भागीदारी में ऐतिहासिक वृद्धि- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा- महिलाओं की श्रमबल भागीदारी में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। बेटियों के जन्म से विवाह तक सरकार आर्थिक सहायता सुनिश्चित कर रही है। निराश्रित महिलाओं, वृद्धों एवं दिव्यांगजन के लिए पेंशन की व्यवस्था है। मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और हेल्थ-टेक के माध्यम से सेवाएं अधिक सुलभ हुई है। जल-थल-नभ की अद्भुत कनेक्टिविटी ने व्यापार, पर्यटन और निवेश को नई गति दी है। अयोध्या-काशी-मथुरा से संभल तक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की स्वर्णिम गाथा लिखी जा रही है। आज हमारे त्योहारों में स्वदेशी की चमक स्पष्ट दिखाई देती है।

6 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकले- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा- हमने जीरो पॉवर्टी लक्ष्य के साथ 6 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। डबल इंजन सरकार ने प्रदेश को 'बॉटलनेक से ब्रेकथ्रू', 'रेवेन्यू डेफिसिट से रेवेन्यू सरप्लस' एवं 'उपद्रव से उत्सव' की ओर अग्रसर किया है। 24 जनवरी को हम उत्तर प्रदेश दिवस मना रहे हैं। मह विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को दोहराने का समय है। हम सबके संमुक्त प्रयासों से संकल्प से सिद्धि की यह यात्रा ऐसे ही गतिशील बनी रहेगी। सभी प्रदेशवासियों को उत्तर प्रदेश दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं।

खाद्य सुरक्षा की रीढ़ बनकर उभरा यूपी- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा- कृषि क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ बनकर उभरा है। 'बीज से बाजार तक' की व्यवस्था और रिकॉर्ड डीबीटी भुगतान से अन्नदाताओं की आय में वृद्धि हुई है। उद्योगों का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। पलायन की पीड़ा और बेरोजगारी का दंश समाप्ति की ओर है। लेबर रिफॉर्म, डी-रेगुलेशन, एमएसएमई, कौशल विकास, स्टार्टअप और ओडीओपी ने प्रदेश को लोकल से ग्लोबल की दिशा में अग्रसर करते हुए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित किए हैं।

बर्थडे गर्ल के सामने न्यूड हुए डीएसपी-दरोगा: गोरखपुर में 12 पुलिस वालों को फंसाया

गोरखपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। गोरखपुर में अपने बर्थडे पर युवक को गोली मारने वाली लड़की ब्लैकमेलर निकली। सूत्रों के मुताबिक, उसके मोबाइल से पुलिस को अश्लील वीडियो मिले हैं। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया- शौक पूरे करने के लिए मैं लोगों को फंसाती थी, फिर न्यूड होकर वीडियो कॉल करती। उसे रिकॉर्ड कर लेती थी। इसके बाद उनसे पैसे वसूलती थी। पुलिस के मुताबिक, ब्लैकमेलर अंशिका ने 5 साल में 150 लोगों से वीडियो कॉल पर संपर्क किया। इनमें अयोध्या के एक डीएसपी और गीडा थाना प्रभारी समेत 12 से ज्यादा पुलिसवाले भी हैं। फिलहाल, पुलिस ने ब्लैकमेलर अंशिका को जेल भेज दिया है। वह 20 जनवरी को दोस्तों के साथ मॉडल शॉप के पास बर्थडे मना रही थी, तभी उसका एक प्राइवेट हॉस्पिटल के मैनेजर से विवाद हो गया।

भाजपा शंकराचार्यों, संतों का अपमान कर रही

सनातन परंपराओं को तोड़ रही: अखिलेश यादव

लखनऊ, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार जानबूझकर शंकराचार्यों और संतों का अपमान कर रही है और सनातन परंपराओं को तोड़ रही है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने में कहा कि शंकराचार्य और संत, समाज के गर्व हैं और अनगिनत श्रद्धालु आशीर्वाद लेने उनके पास जाते हैं जो सनातन धर्म की परंपराओं का हिस्सा है। सपा प्रमुख का आरोप लगाया, "भाजपा इन परंपराओं को तोड़ रही है।

संतों और शंकराचार्यों का जानबूझकर अपमान किया जा रहा है। भाजपा सरकार ने अपने अधिकारियों के जरिए शंकराचार्यों के साथ दुर्व्यवहार किया है।" यादव ने कहा कि यदि एक अधिकारी शंकराचार्यो से पहचान का प्रमाण मांगता है तो सनातन धर्म का इससे अधिक अपमान नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने सनातन धर्म, शंकराचार्यों, संतों, माघ मेला और इस देश का अपमान किया है।

ये भी बोले अखिलेश यादव

अखिलेश यादव प्रयागराज में रविवार को मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके समर्थकों को संगम स्नान करने से कथित तौर पर रोके जाने को लेकर सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया, "भाजपा सरकार संविधान, कानून के नियमों, भाईचारा और परंपराओं को तोड़ रही है। इस सरकार में किसी के साथ भी सम्मानपूर्वक व्यवहार नहीं किया जा रहा है।" यादव ने कहा, "सच्चाई और ईमानदारी के रास्ते चलने वाले संत वास्तविक संत हैं। कुछ लोग सरकार की इच्छाओं के मुताबिक कार्य कर रहे हैं, वे संत नहीं हैं। जो भाजपा के अनुसार काम नहीं करता, उसका उत्पीड़न किया जाता है, नोटिस जारी किए जाते हैं और उन्हें परेशान करने के लिए सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां लगाई जाती हैं।"

मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस बनी 'आग का गोला'! यात्रियों ने खिड़की से कूदकर बचाई जान

मथुरा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के मथुरा में आज (गुरुवार को) यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस में भीषण आग लग गई। यात्रियों ने खिड़की-दरवाजों से कूदकर अपनी जान बचाई। इस दौरान बस धू-धूकर जलती दिखी। यमुना एक्सप्रेस-वे पर माइलस्टोन 110 के पास बस में आग लगी, इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। आग की घटना से यात्रियों में दहशत दिखी। गनीमत रही कि सभी यात्री समय पर बस से बाहर सुरक्षित निकल आए। इस घटना में किसी की जान नहीं गई। बता दें कि यह घटना राया थाना क्षेत्र में हुई। मथुरा में खड़ी बस में आग लगी है। आग उस समय लगी जब यात्री बस से उतर रहे थे। बस के फिटनेस सहित सभी कागज हैं। लेकिन गाड़ियों में तकनीकी खामी की वजह से कई बार शॉर्ट शर्किट हो जाते हैं।

बेटियों के लिए अब पप्पू यादव ने संभाला मोर्चा, जारी किया हेल्पलाइन नंबर; कहा- डरें नहीं, मैं साथ हूं

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी पटना के एक गर्ल्स हॉस्टल में नीट छात्रा के साथ हुई दरिंदगी और फिर उसकी संदिग्ध मौत के मामले ने पूरे बिहार को झकझोर कर रख दिया है। छात्रा जहानाबाद की रहने वाली थी, जिसके चलते पुलिस की जांच का दायरा पटना से जहानाबाद तक फैल गया है। इस बीच, पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने राज्य के गर्ल्स हॉस्टलों में रहने वाली छात्राओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। पप्पू यादव ने बिहार के विभिन्न हॉस्टलों में रह रही छात्राओं के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से अपील की है कि लड़कियां किसी भी विपरीत परिस्थिति में घबराएं नहीं और तुरंत इन नंबरों पर संपर्क करें। उन्होंने दो नंबर जारी किया है। पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि, पटना व बिहार के सभी गर्ल्स हॉस्टल में रहने वाली बेटियों के लिए एक विनम्र और अत्यंत महत्वपूर्ण सूचना। यदि आपको किसी भी प्रकार की परेशानी, असहजता, भय या शोषण का सामना करना पड़ रहा हो, या आपको शैक्षणिक एवं आर्थिक सहायता की आवश्यकता हो, तो बिना किसी संकोच के तुरंत हमारे हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

आपकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। शंभू गर्ल्स हॉस्टल मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन तो किया गया है, लेकिन अब तक मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से पुलिस प्रशासन पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। पप्पू यादव ने सरकार और प्रशासन को घेरते हुए कहा कि कई हॉस्टल बिना किसी नियम-कानून के चल रहे हैं, जहां बेटियां सुरक्षित नहीं हैं।

उन्होंने तीखे लहजे में सवाल किया कि आखिर अब तक संबंधित थाना प्रभारी को सस्पेंड क्यों नहीं किया गया? बिना गहन जांच के नतीजे पर पहुँचने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई न होना एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करता है।

यूपी की राजनीति में एंट्री का वार्मअप? तेज प्रताप यादव का गंभीर चिंतन, पार्टी के विस्तार का भी दिया संकेत

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वजह बनी है उनकी वह मांग, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर सीबीआई जांच कराने की मांग की है। मामला एक बिहारी छात्रा की वाराणसी में हुईं संदिग्ध मौत को लेकर था। राजनीति की नई पारी के बाद तेज प्रताप अपनी नई-नई पार्टी को विस्तार देने में लगे हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों तक जनशक्ति जनता दल पहुंचे, ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वैसे उनकी आदत फिलहाल अखबार की सुर्खिया बटोरने की रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा में रहना इनका कोई आज का शौक नहीं है। जनशक्ति जनता दल के 'युवराज' तेज प्रताप यादव ने सीबीआई जांच की मांग कर अपनी पार्टी और अपने व्यक्तित्व का विस्तार कर गए।

साथ-साथ उन्होंने यह संदेश भी दिया कि बिहार की जनता के प्रति वे जागरूक तो है ही, एक गंभीर सोच भी रखते हैं। ऐसा कर उन्होंने अपने 'खिलंदड़' इमेज को तोड़ने का काम किया है। हालांकि उनकी इस मांग में राजनीति निहितार्थ भी छिपा है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

अविमुक्तेश्वरानंद विवाद के बीच 19 साल बाद एक मंच पर आएंगे चारों शंकराचार्य? दिल्ली में होगा बड़ा आंदोलन

प्रयागराज, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के विवाद के बीच बहुत बड़ी खबर सामने आई है। चारों पीठ के शंकराचार्य 19 साल बाद एक मंच पर आ सकते हैं, 10 मार्च 2026 को दिल्ली में गो रक्षा को लेकर बड़ा आयोजन है। गो माता राष्ट्र माता अभियान के मंच पर चारों शंकराचार्य आ सकते हैं। अविमुक्तेश्वरानंद को 2 पीठ का समर्थन पहले से प्राप्त है, तीसरी पीठ का समर्थन मिलने से असली नकली का विवाद हल्का पड़ जायेगा।

पूरी पीठ के शंकराचार्य निश्चलानंद, अविमुक्तेश्वरानंद के नाम पर खुली सहमति अब तक नहीं जाता रहे थे लेकिन दो दिन पहले माघ मेला क्षेत्र में अविमुक्तेश्वरानंद को अपना लाडला कहा था। गो रक्षा आंदोलन को लेकर पूरी पीठ के शंकराचार्य पहले से ही आंदोलनरत हैं। गाय की रक्षा के व्रत के लिए पूरी पीठ के शंकराचार्य निश्चलानंद ने सिंहासन और छत्र का त्याग कर रखा है। गो रक्षा विषय पर चारों शंकराचार्य का एक मंच पर आने का मतलब होगा अविमुक्तेश्वरानंद पर सभी शांकराचार्यों की सहमति। सभी शांकराचार्यों को आमंत्रण भेजनें की तैयारी है।

पहला चतुष्पीठ सम्मेलन 1779 में श्रृंगेरी में हुआ था आयोजित

इससे पहले 19 मई 2007 को बंगलोर में रामसेतु को लेकर सम्मेलन हुआ था जिसमें चार पीठ के शंकराचार्य एक मंच पर थे। पहला चतुष्पीठ सम्मेलन 1779 में श्रृंगेरी में आयोजित किया गया, जिसमें पहले बार चारों शंकराचार्य एक मंच पर आए। धार्मिक इतिहास में तीसरी बार एक मंच पर चारों पीठ की शंकराचार्य दिखेंगे।

धार्मिक इतिहास में तीसरी बार एक मंच पर दिखेंगे चारों शंकराचार्य

अगर दिल्ली का यह आयोजन अच्छी तरह से सफल होता है तो यह धार्मिक इतिहास में तीसरी बार होगा जब चारों पीठों के शंकराचार्य एक मंच पर नजर आएंगे, जो सनातन परंपरा के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा। गो रक्षा आंदोलन को लेकर पहले भी कई तरह कि आंदोलन हुए हैं और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद भी कई बार इस पर खुलकर बोल चुके हैं।

गोवंश वध करने वालों से पुलिस की मुठभेड़, तीन गिरफ्तार

बहराइच, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बहराइच के जरवल रोड के ग्राम मुड़ियाडीह जंगल में बृहस्पतिवार तड़के गोवंश वध की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लग गई, जबकि दो अन्य को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। एक आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पुलिस ने मौके से गोवंश के अवशेष, तमंचा, कारतूस, बांका और रस्सी बरामद की है। पुलिस टीम को देखते ही तीन संदिग्ध कटे जानवर का मांस, बांका और रस्सी लेकर भागने लगे। पीछा करने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में एक आरोपी के पैर में गोली लग गई, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान जाफर पुत्र मुश्ताक निवासी मुड़ियाडीह थाना जरवल रोड के रूप में हुई।

20 लाख में हुआ था 'सौदा', बिहार में दारोगा परीक्षा में सेटिंग का भंडाफोड़, महिला सिपाही सहित आधा दर्जन गिरफ्तार

सहरसा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। प्रतियोगी परीक्षाओं में सेटिंग-गेटिंग बिहार के लिए कोई नहीं बात नहीं है। आयोजित दारोगा परीक्षा में सेटिंग की तैयारी थी। हालांकि, सहरसा पुलिस ने परीक्षा से पहले ही इस रैकेट के आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूरी मामले की पोल खोल दी। इसमें एक महिला भी है। महिला के पास से कई चेक और परीक्षा से संबंधित कागजात भी जब्त किया गया है। पुलिस फिलहाल पूछताछ कर रही है। जानकारी अनुसार गुरूवार को पुलिस को सूचना मिली कि बाहर से कुछ बदमाश जिले में आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए जमा हो रहे हैं। इसको लेकर पुलिस सर्तक थी और गश्त चल रही थी। इसी दौरान सहरसा-बनगांव पथ में पुलिस ने एक स्कॉर्पियो को शक के आधार पर रोका। इस पर सवार चार युवकों से पुलिस ने पूछताछ करनी शुरू दी। पूछताछ के दौरान सभी युवक अलग-अलग बात बताने लगे। संदेह होने पर पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो बताया गया कि दारोगा परीक्षा के लिए पूर्णिया जा रहे हैं। पूर्णिया जाने की बात जानने पर पुलिस का संदेह और बढ़ गया और उन चारों को गाड़ी चालक के साथ हिरासत में ले लिया गया। थाना पर पूछताछ में युवकों ने बताया कि उन्हें दारोगा परीक्षा पास कराने के लिए प्रश्न-उत्तर आज मिलना था। इसके लिए ही वो सभी जा रहे थे। पकड़े गये युवकों ने बताया कि परीक्षा पास कराने के लिए बीस लाख रुपये में सौदा हुआ था। सभी अभ्यर्थी को बनगांव थाना क्षेत्र के रहुआ मणि के पास लाया गया था। जहां से किसी स्थान पर लेकर जाकर इन्हें अन्य परीक्षार्थियों के साथ प्रश्न उत्तर दिया जाना था। हालांकि युवकों को किस स्थान पर जाना था यह उन्हें नहीं पता था। पूछताछ में पुलिस को इस रैकेट के सरगना बनमा इटहरी थाना क्षेत्र के सरबेला महारस के रमानंद ठाकुर उर्फ दौलत कुमार की जानकारी मिली। दौलत कुमार की तलाश में पुलिस जुट गयी। जांच के दौरान पता चला कि इसकी पत्नी भी आज होने वाली परीक्षा में शामिल हुई है। पुलिस ने उसकी पत्नी को परीक्षा केंद्र के बाहर दबोच लिया। महिला की जांच के दौरान उसके बैग से कुछ चेक और परीक्षार्थियों के परीक्षा से संबंधित कागजात बरामद हुए।

खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताकर बेच डाले 57 लाख के शेयर, तीन साल से कर रहे थे ट्रेडिंग

लखनऊ, 22 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ के ठाकुरगंज के अहमदगंज प्रेम विहार निवासी मो. इमरान खान को साइबर जालसाज ने 57 लाख रुपये का चूना लगा दिया। उन्होंने 20 जनवरी को ठाकुरगंज थाने में केस दर्ज कराया है। ठाकुरगंज के अहमदगंज प्रेम विहार निवासी मो. इमरान खान के अनुसार वह बीते तीन वर्ष से ग्रो एप के माध्यम से शेयर ट्रेडिंग कर रहे हैं। 14 जनवरी को उनके पास अनजान नंबर से कॉल आई। फोनकर्ता ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि नितिन बताया। उसने कहा कि उनके खाते में कुछ तकनीकी समस्या है और जल्द सेटिंग नहीं की गई तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ेगा। इसके बाद इमरान ने ग्रो एप का खाता चेक किया तो पता चला उनके खाते में मौजूद सारे शेयर निकालकर बेच दिए गए हैं। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ओमवीर सिंह का कहना है कि साइबर क्राइम सेल की मदद से जालसाज का पता लगाया जा रहा है।

लॉरेंस के खासमखास गुर्गे का एनकाउंटर, बिहार में बिश्नोई गैंग को करता है लीड

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

बिहार की राजधानी पटना से बड़ी खबर सामने आई है। गुरुवार को अहले सुबह पुलिस और अपराधियों के बीच एनकाउंटर हो गया। ये एनकाउंटर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे और पुलिस के बीच में हुआ। इस घटना में लॉरेंस के गुर्गे को गोली लगने की खबर मिल रही है। एनकाउंटर की खबरें सामने आने के साथ ही आला प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। जानकारी के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े अपराधी परमानंद की राजधानी में होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अपनी घेराबंदी की। राजधानी के मसौढ़ी के पास पुलिस ने परमानंद को अपने ट्रैप में ले लिया।

उस वक्त परमानंद एक बाइक पर सवार होकर किसी से मिलने जा रहा था। पुलिस की ट्रैप में अपने आप को फंसता हुआ देखकर परमानंद ने गोलियां चलाईं। जिसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने भी गोली चलाई। गोली परमानंद के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया।

बिहार में लॉरेंस गैंग का है प्रमुख

बताया जा रहा है कि परमानंद मूल रूप से पड़ोस के झारखंड राज्य का निवासी है। उसके ऊपर राजधानी समेत कई अन्य दूसरे जिलों में भी 18 से 20 संगीन मामले दर्ज हैं। परमानंद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बिहार का प्रमुख माना जाता है। इधर पैर में गोली लगने के बाद परमानंद को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। एनकाउंटर की सूचना मिलने के बाद आला प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं।

मामले में क्या बोले एसपी परिचय कुमार?

वहीं, इस घटना के बारे में बताते हुए पटना पूर्वी के एसपी परिचय कुमार ने बताया कि पटना पुलिस और एसटीएफ के सहयोग से बेउर थानांतर्गत पकड़े गए अपराधियों में से एक कुख्यात अपराधी बाइक से जहानाबाद की ओर फरार होने का प्रयास कर रहा था। इस संबंध में बेउर थाना द्वारा तत्काल मसौढ़ी थाना को सूचना दी गई। प्राप्त सूचना पर मसौढ़ी थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संभावित मार्गों पर वाहन जांच प्रारंभ की गई। वाहन जांच के क्रम में एक बाइक सवार संदिग्ध व्यक्ति को रोकने का प्रयास किया गया, किंतु पुलिस के निर्देशों की अवहेलना करते हुए वह भागने का प्रयास करने लगा तथा संतुलन बिगड़ने से गिर पड़ा। इसके उपरांत अभियुक्त द्वारा पुलिस बल पर फायरिंग प्रारंभ कर दी गई। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के पैर में गोली लगी।

घायल अभियुक्त को तत्काल उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल से साक्ष्य संकलन के लिए एफएसएल को बुलाया गया है। यह अपराधी राहुल सिंह गैंग से संबंधित है, जिसका संबंध लॉरेंस बिश्नोई गैंग से बताया जा रहा है। उक्त मामले में विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

प्रेम प्रसंग से नाराजगी, जोड़े को फावड़े से काट डाला; जमीन में गाड़ दीं लाशें

मुरादाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। घटना पाकबड़ा थाना क्षेत्र के उमरी सब्जीपुर गांव का है। यहां प्रेम प्रसंग से नाराज युवती के परिजनों ने प्रेमी युगल की फावड़े से काटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम दिए जाने के बाद आरोपियों ने दोनों के शवों को गांव से दो किलोमीटर दूर गागन नदी के किनारे गड्ढा खोदकर दबा दिया। दूसरी तरफ, युवक के लापता होने के बाद परिवार ने पुलिस में केस दर्ज कराया था। पुलिस युवक की तलाश कर रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने युवती के भाई को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ शुरू की। इसके बाद रोंगटे खड़े करने वाला खुलासा सामने आया है। घटना दो संप्रदायों से जुड़ा हुआ है। इसको लेकर गांव में भारी तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसको लेकर पीएसी और भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। उधर इस मामले में युवती के तीन भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव में एसपी क्राइम सुभाषचंद्र गंगवार और सीओ हाइवे राजेश कुमार सहित कई सर्कल अफसर भारी सुरक्षा बलों के साथ मौके पर डटे रहे। मुरादाबाद एसएसपी सतपाल अंतिल ने घटना को लेकर जानकारी दी है।

बसंत पंचमी पर पंचक का साया!

क्या इस दिन कर पाएंगे मांगलिक कार्य?

इस साल बसंत पंचमी पर पूरे दिन पंचक का साया रहेगा। ऐसे में कई लोग इस कन्फ्यूजन में हैं कि क्या इस दिन शुभ कार्य किये जा सकेंगे। यहां हम आपकी इसी कन्फ्यूजन को दूर करेंगे।

हिंदू पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाता है और इस साल ये पर्व 23 जनवरी को मनाया जाएगा। बसंत पंचमी को 'अबूझ मुहूर्त' भी कहा जाता है यानी इस दिन किसी भी तरह के शुभ कार्य बिना पंचांग देखे किये जा सकते हैं। लेकिन इस साल बसंत पंचमी को लेकर एक बड़ी उलझन सामने आ रही है। दरअसल बसंत पंचमी पर पंचक का साया रहेगा। ऐसे में हर कोई इस बात को लेकर कन्फ्यूजन में हैं कि क्या इस बार बसंत पंचमी पर गृह प्रवेश, मुंडन या विवाह जैसे शुभ कार्य हो पाएंगे? चलिए जानते हैं ज्योतिष शास्त्र इस बारे में क्या कहता है।

बसंत पंचमी पर पंचक का साया

23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के दिन पंचक का साया रहेगा। शास्त्रों अनुसार पंचक के दौरान शुभ कार्य नहीं किये जाते हैं लेकिन बसंत पंचमी पर पंचक का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। दरअसल बसंत पंचमी अबूझ मुहूर्त होता है यानी इस दिन किसी भी तरह के शुभ कार्य बिना पंचांग देखे किये जा सकते हैं। ऐसे में पंचक होने के बावजूद भी बसंत पंचमी पर शुभ कार्यों को करने पर कोई रोक नहीं रहेगी क्योंकि बसंत पंचमी की पूजा-पाठ पर पंचक का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। ऐसे में गृह प्रवेश, मुंडन, बच्चों का विद्यारंभ संस्कार या अक्षर अभ्यासम जैसे शुभ कार्य पूरी श्रद्धा के साथ किये जा सकते हैं।

क्या होता है पंचक?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब चंद्रमा धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद और रेवती नक्षत्र में गोचर करता है तो उस समय को पंचक कहा जाता है। ये समय अशुभ माना जाता है इसलिए इस दौरान किसी भी तरह के मांगिलक कार्य नहीं किये जाते हैं। इस दौरान विशेष रूप से शादी, सगाई, मुंडन, गृह प्रवेश, दक्षिण दिशा की यात्रा और घर की छत डलवाने जैसे कार्यों पर रोक लग जाती है।

पूजा के बाद क्या करें और क्या न करें?

सरस्वती पूजा के बाद कुछ समय अध्ययन, लेखन या संगीत अभ्यास करना अत्यंत शुभ माना गया है. मान्यता है कि इस दिन पढ़ाई की गई विद्या लंबे समय तक स्मरण रहती है. छोटे बच्चों के लिए अक्षर अभ्यास या विद्यारंभ करना भी लाभकारी माना गया है. पूजा के बाद पुस्तकों का अपमान न करें और उन्हें जमीन पर न रखें. इस दिन बाल कटवाना या अनावश्यक विवाद से बचने की सलाह दी जाती है. पीले रंग का दान करना और जरूरतमंदों की सहायता करना पुण्यकारी माना गया है. बसंत पंचमी पर किया गया संकल्प जीवन में सकारात्मक दिशा प्रदान करता है और मां सरस्वती की कृपा प्राप्त करने में सहायक होता है.

सरस्वती विद्या की देवी: विद्यार्थी बसंत पंचमी पर क्या करें जिससे बुद्धि हो तेज?

देशभर में बसंत पंचमी का पावन पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता। यह तिथि मां सरस्वती के प्राकट्य से जुड़ी मानी जाती है, जिन्हें विद्या, बुद्धि, वाणी और विवेक की अधिष्ठात्री देवी कहा गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती की आराधना से ज्ञान का विकास होता है, विचारों में स्पष्टता आती है और मन एकाग्र होता है।

माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि इस वर्ष 23 जनवरी 2026 को सुबह 02:28 बजे से प्रारंभ होकर 24 जनवरी को रात्रि 01:46 बजे तक रहेगी। विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए यह पर्व अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है, क्योंकि इस दिन किया गया पूजा, मंत्र जाप और अध्ययन स्मरण शक्ति को प्रबल करने में सहायक होता है। इसलिए बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी को ही श्रद्धा पूर्वक मनाया जाएगा।

मां सरस्वती और बसंत पंचमी का आध्यात्मिक महत्व सनातन परंपरा में मां सरस्वती को ज्ञान का शुद्ध स्वरूप माना गया है। वे अज्ञान के अंधकार को दूर कर विवेक और चेतना का प्रकाश प्रदान करती हैं। बसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह प्रकृति, मन और बुद्धि के जागरण का प्रतीक भी है। इसी दिन से बसंत ऋतु का आरंभ माना जाता है, जो नवीन ऊर्जा, सृजन और सकारात्मकता का संकेत देती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस तिथि पर सरस्वती की आराधना करने से व्यक्ति की सोच स्पष्ट होती है और सीखने की क्षमता बढ़ती है।

विद्यार्थी बसंत पंचमी पर क्या करें

विद्यार्थियों के लिए बसंत पंचमी का दिन अत्यंत फलदायी माना गया है। इस दिन कुछ विशेष कार्य करने से अध्ययन में एकाग्रता और स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है।

प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें और पूजा स्थल को पवित्र करें।

मां सरस्वती के चित्र या मूर्ति के सामने दीप जलाएं।

अपनी पुस्तकें, कॉपी और लेखन सामग्री पूजा के पास रखें।

पढ़ाई की शुरुआत इसी दिन से करना शुभ माना जाता है, विशेषकर छोटे बच्चों के लिए अक्षर अभ्यास।

मान्यता है कि बसंत पंचमी के दिन विद्या से जुड़ा कोई भी शुभ आरंभ करने से उसका सकारात्मक प्रभाव लंबे समय तक रहता है।

बुद्धि तेज करने के लिए विशेष पूजा और मंत्र

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा विधि सरल लेकिन प्रभावशाली मानी गई है। पीले पुष्प, अक्षत, हल्दी और मीठे भोग अर्पित करना शुभ होता है। पूजा के समय मन को शांत रखकर सरस्वती मंत्र का जाप करने से विशेष लाभ बताया गया है।

या देवी सर्वभूतेषु विद्या रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

इस मंत्र का 108 बार जाप करने से बुद्धि प्रखर होती है, वाणी में स्पष्टता आती है और पढ़ाई में रुचि बढ़ती है। विद्यार्थियों के साथ साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए भी यह मंत्र अत्यंत लाभकारी माना गया है।

आहार, आचरण और अनुशासन का महत्व

बसंत पंचमी के दिन धार्मिक आस्था के साथ साथ व्यवहारिक अनुशासन का पालन करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। इस दिन सात्विक भोजन ग्रहण करने की परंपरा है, जिसमें फल, दूध, हल्का और शुद्ध आहार शामिल किया जाता है। अधिक तला भुना, मसालेदार और भारी भोजन से बचने से मन हल्का और एकाग्र रहता है।

पीले रंग के वस्त्र धारण करना सकारात्मक ऊर्जा और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। साथ ही क्रोध, आलस्य और नकारात्मक विचारों से दूरी बनाए रखना आवश्यक बताया गया है। गुरुजनों का आदर, माता पिता का आशीर्वाद और नियमित अध्ययन की आदत मां सरस्वती की कृपा प्राप्त करने का सरल और प्रभावशाली मार्ग मानी जाती है।

बसंत पंचमी पर पीला रंग पहनना क्यों जरूरी

हर साल माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाने वाला बसंत पंचमी का पर्व भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखता है। शास्त्रों में इसे वर्ष की सबसे शुभ तिथियों में गिना गया है। मान्यता है कि इस दिन ज्ञान की देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं

और विद्या, बुद्धि व विवेक का विकास होता है। यही कारण है कि बसंत पंचमी को विद्यार्थियों, शिक्षकों और ज्ञान से जुड़े लोगों के लिए खास माना जाता है। बसंत पंचमी को विद्यारंभ संस्कार, उपनयन संस्कार और विवाह जैसे मांगलिक कार्यों के लिए भी श्रेष्ठ तिथि माना गया है। परंपरा के अनुसार, इस दिन छोटे बच्चों को पहली बार अक्षर ज्ञान कराया जाता है। पहाड़ों में यह पर्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि प्रकृति और ऋतु परिवर्तन से जुड़ा उत्सव भी माना जाता है।

नई पत्तियां, फूलों पर भौंरे

उत्तराखंड के नैनीताल स्थित डीएसबी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ। ललित तिवारी बताते हैं कि बसंत पंचमी को ऋतुराज बसंत का प्रतीकात्मक आगमन माना जाता है। इस दिन के बाद मौसम में धीरे-धीरे बदलाव शुरू हो जाता है। कड़ाके की ठंड कम होने लगती है और वातावरण में गर्माहट के साथ नई ऊर्जा का संचार महसूस किया जा सकता है। डॉ। तिवारी के अनुसार बसंत पंचमी के बाद पेड़ों में नई पत्तियां आने लगती हैं, फूलों पर भौंरों की गूंज सुनाई देने लगती है और खेतों में सरसों के पीले फूल खिल उठते हैं। यह सब प्रकृति में नवजीवन के संकेत माने जाते हैं। पहाड़ी इलाकों में यह बदलाव खास तौर पर साफ नजर आता है, जहां सर्दियों के बाद बसंत का इंतजार लंबे समय से किया जाता है।

क्यों खास है पीला

बसंत पंचमी का सबसे प्रमुख रंग पीला माना जाता है। इस दिन विशेष रूप से पीले वस्त्र पहनने और मां सरस्वती को पीले वस्त्र अर्पित करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पीला रंग मां शारदा को अत्यंत प्रिय है और यह ज्ञान, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। प्रोफेसर तिवारी बताते हैं कि इसी कारण बसंत पंचमी के दिन पूजा-अर्चना में पीले वस्त्र, पीले फूल और पीले रंग के पकवानों का प्रयोग किया जाता है। उपनयन संस्कार के दौरान भी बटुक को पीले वस्त्र धारण कराए जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि पीले वस्त्र पहनने से मां सरस्वती की विशेष कृपा बनी रहती है और बौद्धिक विकास होता है।

सेहत के लिए भी लाभकारी

धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ वैज्ञानिक दृष्टि से भी पीले रंग का महत्त्व बताया गया है। प्रोफेसर तिवारी बताते हैं कि पीला रंग मस्तिष्क को शांति प्रदान करता है और नर्वस सिस्टम को बेहतर ढंग से सक्रिय करता है। यह रंग मन को प्रसन्न रखने में मदद करता है। पीला रंग शरीर में सेरोटोनिन हार्मोन को बढ़ाने में सहायक माना जाता है, जिसे खुशी का हार्मोन कहा जाता है। इससे तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं में कमी आती है। यही कारण है कि बसंत पंचमी के दिन पीले वस्त्र पहनने को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी शुभ माना जाता है।

पहाड़ों पर कैसी

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में बसंत पंचमी का त्योहार पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जाता है। घरों में विशेष पकवान बनाए जाते हैं और मां शारदा को भोग लगाया जाता है। बच्चों को पीले रूमाल या वस्त्र आशीर्वाद स्वरूप दिए जाते हैं। इसी दिन से पूस के रविवार से शुरू होने वाली खड़ी होली, श्रृंगार रस की होली में परिवर्तित होने लगती है।

गांव-गांव में होली के गीत गूंजने लगते हैं। गेंदे, चमेली और सरसों के पीले फूल खिलकर पूरे वातावरण को रंगीन बना देते हैं।

हमें गलत सोच पैदा करने वाली बातों से दूर रहकर श्रेष्ठ बनने का प्रयास करना चाहिए

जीवन आगे बढ़ने और ऊंचा उठने की यात्रा है। हमें हमेशा श्रेष्ठ बनने का प्रयास करना चाहिए और उन बातों से ऊपर उठना चाहिए, जो नीचे गिराती हैं या गलत सोच पैदा करती हैं। हमारे भीतर लालच और कई तरह के आकर्षण होते हैं, जो हमें भौतिक चीजों की ओर खींचते हैं। इन चीजों में स्थायी सुख नहीं होता और न ही इनसे शांति मिलती है। इसलिए हमें ऐसे आकर्षणों से दूर रहते हुए विचार, कर्म और जीवन को ऊंचा बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

अर्जुन के कौन से बेटे ने उन्हें युद्ध में हराया? सुला दिया था मौत की नींद

महाभारत के युद्ध में बड़े-बड़े महारथियों के पसीने छुड़ाने वाले और भगवान कृष्ण के प्रिय शिष्य अर्जुन को हराना किसी के बस की बात नहीं थी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इतिहास में एक ऐसा योद्धा भी था, जिसने न केवल अर्जुन को युद्ध में परास्त किया, बल्कि उन्हें मौत की नींद भी सुला दिया था? चौंकाने वाली बात यह है कि वह योद्धा कोई और नहीं, बल्कि अर्जुन का अपना ही पुत्र बभ्रुवाहन था।

महाभारत का नाम आते ही अर्जुन का तेजस्वी और अजेय योद्धा रूप आंखों के सामने आ जाता है।देवताओं से प्राप्त दिव्य अस्त्र, श्रीकृष्ण का सान्निध्य और असंख्य युद्ध विजय,अर्जुन को महान धनुर्धर बनाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अर्जुन को युद्ध में पराजित करने वाला कोई शत्रु नहीं, बल्कि उनका अपना ही पुत्र था? यही नहीं, उस युद्ध में अर्जुन को मृत्यु तक का सामना करना पड़ा। यह कथा है अर्जुन, उनकी पत्नी चित्रांगदा और उनके पुत्र बभ्रुवाहन की, जो महाभारत की सबसे भावुक और चौंकाने वाली कहानियों में से एक मानी जाती है।

कौन थे बभ्रुवाहन?

पांडवों के वनवास के दौरान अर्जुन मणिपुर पहुंचे थे।वहां उनकी मुलाकात वहां की राजकुमारी चित्रांगदा से हुई।अर्जुन और चित्रांगदा का विवाह हुआ और उनसे एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसका नाम रखा गया बभ्रुवाहन।चूँकि मणिपुर के नियम के अनुसार पुत्र अपनी माता के राज्य का उत्तराधिकारी बना, इसलिए बभ्रुवाहन वहीं पले-बढ़े और बाद में मणिपुर के राजा बने।

युद्ध की नौबत क्यों आई?

कुरुक्षेत्र के युद्ध के बाद पांडवों ने अश्वमेध यज्ञ का आयोजन किया।इस यज्ञ का घोड़ा जिस-जिस राज्य से गुजरता, वहां के राजा को या तो पांडवों की अधीनता स्वीकार करनी होती थी या युद्ध करना पड़ता था।जब यह घोड़ा मणिपुर पहुंचा, तो राजा बभ्रुवाहन ने अपने पिता का स्वागत करने का निर्णय लिया। लेकिन अर्जुन उस समय क्षत्रिय धर्म का पालन कर रहे थे।उन्होंने बभ्रुवाहन को टोकते हुए कहा कि स्वागत से काम नहीं चलेगा, नियम के अनुसार तुम्हें युद्ध करना होगा।तभी वहां अर्जुन की दूसरी पत्नी नागकन्या उलूपी भी प्रकट हुईं और उन्होंने बभ्रुवाहन को युद्ध के लिए उकसाया।

पिता और पुत्र के बीच भीषण संग्राम

बभ्रुवाहन और अर्जुन के बीच भयंकर युद्ध छिड़ गया।दोनों तरफ से घातक बाणों की वर्षा होने लगी। बभ्रुवाहन ने ऐसी वीरता दिखाई कि अर्जुन भी दंग रह गए और आखिर में, बभ्रुवाहन ने एक ऐसा दिव्य बाण चलाया कि दुनिया को जीतने वाले अर्जुन अपने ही बेटे के हाथों रणभूमि में गिर पड़े।

फिर कैसे जीवित हुए अर्जुन?

अर्जुन की मृत्यु की खबर सुनकर माता चित्रांगदा विलाप करने लगीं और बभ्रुवाहन को भी गहरा दुख हुआ। तब उलूपी ने अपनी 'संजीवन मणि' (नागमणि) का स्मरण किया। इस दिव्य मणि के प्रभाव से अर्जुन के शरीर में फिर से प्राण फूंक दिए गए और वे जीवित हो उठे।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह सब एक श्राप के कारण हुआ था। भीष्म पितामह को छल से मारने के कारण वसुओं ने अर्जुन को श्राप दिया था कि उनकी मृत्यु भी उनके अपने पुत्र के हाथों होगी। इसी श्राप की मुक्ति के लिए यह पूरी घटना घटी थी।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 23 जनवरी- 2026

बांग्लादेश की फजीहत

आईसीसी ने बांग्लादेश को एक दिन का आखिरी मौका दिया था। इसके बाद भी अडियल रुख अपनाते हुए उसने भारत में खेलने से इंकार कर दिया। जाहिर है इससे उसे भारी नुकसान उठाना पड सकता है। राजनीतिक-सामाजिक तनाव और अस्थिरता के दौर से गुजर रहे बांगलादेश की जनता के लिए क्रिकेट ही वह खेल है जो उनके चेहरे पर थोड़ी मुस्कान ला सकता था। खेल में राजनीति, जिद और अदूरदर्शिता का नतीजा है कि बांग्लादेश आज सुनहरा मौका गंवा दिया। आज उसका विवेक काम नहीं कर सका। इसलिए उसने अगले महीने से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में अपनी हिस्सेदारी लगभग गंवा दी है। अब उसकी जगह स्काटलैंड को मौका दिया जाएगा। आईसीसी ने साफ कर दिया था कि बांग्लादेश के शिड्यूल्ड मैच भारत में ही खेले जाएंगे। देखा जाए तो बात इतनी नहीं बिगड़ती, अगर शुरू से ही वह खेल को खेल की तरह लेता। पिछले दो हफ्तों में आईसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कई बार बातचीत की, लेकिन गतिरोध टूटने का नाम ही नहीं ले रहा था। बांग्लादेश सरकार और क्रिकेट बोर्ड, दोनों ही भारत में न खेलने की बात पर अड़े रहे। जब बात बनती नजर आई तो बांग्लादेश ने अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा का मसला उठा कर फिर अवरोध उत्पन्न कर दिया, जबकि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की रिपोर्ट ऐसी किसी आशंका को खारिज करती रही। असल में यह फैसला खेल की जमीन पर नहीं, जियो-पॉलिटिक्स की बुनियाद पर लिया गया है, जो सरासर क्रिकेट की भावना के खिलाफ है। इससे वहां के हुक्मरान भी वाकिफ है कि इसका सबसे बड़ा नुकसान खुद बांग्लादेश को ही भुगतना पडेगा, जिसका अंदेशा वहां के सीनियर खिलाड़ी तमीम इकबाल भी जता चुके हैं। बांग्लादेश के इस फैसले का असर आने वाले आईसीसी इवेंट्स, द्विपक्षीय सीरीज और दूसरे बोर्ड के साथ रिश्तों पर पड़ सकता है। एक ओर तो बीसीबी लंबे समय से आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहा है तो दूसरी ओर विश्व कप में न खेलने की सूरत में उसे आईसीसी से मिलने वाली फीस और रेवेन्यू का भी नुकसान झेलना पडेगा। इसे अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना न कहेंगे तो और क्या कहा जा सकता है। बता दें कि बांग्लादेश की टीम ने 1986 में अपना पहला वनडे इंटरनेशनल खेला था। लेकिन, चार दशक के बाद भी वह खुद को बड़ी टीमों के बीच स्थापित नहीं कर पाया है। आज भी उसका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। इसकी एक वजह यह भी है कि उसे बड़े मौकों की कमी भी खलती रही है। बांग्लादेश जैसी टीमों के लिए विश्व कप वह मंच था, जहां उसके खिलाड़ी परफॉर्म कर पूरी दुनिया की नजरों में आ सकते थे। लेकिन वहां के खिलाडियों से वहां का बोर्ड और सरकार उनका मौका छीन रही है। बांग्लादेशी खिलाड़ियों के बयान दर्शाते हैं कि वे विश्व कप में खेलने के इच्छुक हैं, लेकिन वहां की राजनीति की कीमत इन खिलाडियों को चुकानी पड़ रही है। इसका खामियाजा सिर्फ खिलाडी ही नहीं बल्कि वहां के प्रशंसक भी भुगतने को मजबूर होंगे।

एक अधजले फुटनोट की वसीयत

डॉ. सुरेश कुमार

देखिए साहब, इस नश्वर संसार में दो ही चीज़ें 'आउट ऑफ सिलेबस' होती हैं—एक चुनाव जीतने के बाद नेता के वादे और दूसरी पुस्तक मेले में विमोचित हुई वे किताबें जिनका वजन लेखक के विवेक से कहीं अधिक होता है। जब मैं पहली बार 'विश्व पुस्तक मेले' के उस वातानुकूलित पांडाल में, किसी सजी-धजी लावारिस लाश की तरह स्टाल पर प्रदर्शित की गई थी, तो मुझे मुगालता था कि साक्षात सरस्वती का अवतरण हो गया है। उस मेले की चकाचौंध ऐसी थी, मानो किसी बूढ़े और नपुंसक दूल्हे की शादी में बाराती जबरन भांग पीकर नाच रहे हों। लेखक महोदय मुझे अपनी छाती से ऐसे चिपकाए घूम रहे थे, जैसे कोई नया-नया बना बाप अपने पहले बच्चे को मुहल्ले भर में दिखाता फिरता है, जबकि बच्चा शकल से बिल्कुल पड़ोसी पर गया हो। वे हर गुज़रते आदमी को ऐसे देखते थे, जैसे वह कोई पाठक नहीं, बल्कि उनकी 'अमरता' की रसीद काटने वाला मुंशी हो। उनके होठों पर लगी वह कृत्रिम और प्लास्टिक जैसी मुस्कान, और आँखों में 'बुकर प्राइज़' का वह मोतियाबिंद जैसा सपना, दरअसल एक साहित्यिक 'भ्रष्टाचार' था। मेले में मुझे थामने वाले हाथ ऐसे थे, जैसे किसी सरकारी अस्पताल में मुफ़्त की दवाई लेने के लिए कतार में खड़े हताश मरीज़ों के हाथ हों। लेखक जी मुझे ऐसे सहलाते थे जैसे कोई भ्रष्ट थानेदार अपनी नयी-नवेली रिश्वत की गड्डी को सहलाता है। उनके हर स्पर्श में एक अजीब सी 'रॉयल्टी' वाली हवस थी, जबकि मैं जानती थी कि मेरी किस्मत में केवल धूल और उपेक्षा का 'अकाल' लिखा है। विमोचन के समय जो तालियाँ बजीं, वे दरअसल मेरे ताबूत में ठोंकी गई पहली कुछ कीलें थीं, जिनका शोर हॉल की दीवारों में ऐसे गूँज रहा था जैसे किसी खण्डहर में उल्लू बोल रहे हों। लेखक महोदय फोटो खिंचवाते समय अपनी गर्दन ऐसी टेढ़ी कर रहे थे, मानो सारी दुनिया का ज्ञान उनकी ग्रीवा में ही सिमट आया हो, जबकि सच्चाई यह थी कि उनकी बुद्धि और मेरी प्रासंगिकता, दोनों ही मेले के गेट पर बिकने वाली चाट की पत्तलों के बराबर थी। मेले के उस 'हवाबाज़ी' वाले माहौल में लेखक जी ने मुझे जिस किसी को भी 'सप्रेम भेंट' के नाम पर जबरन थमाया, उसने मुझे ऐसे देखा जैसे कोई शुद्ध शाकाहारी आदमी किसी ज़बरदस्ती परोसी गई सड़ी हुई मछली को देखता है। लेखक के परम मित्र, जो खुद को साहित्य का 'भीष्म पितामह' समझते थे और जिनकी अपनी योग्यता केवल इतनी थी कि वे हर विमोचन में मुफ़्त की चाय पीते थे, उन्होंने मेरे पन्ने ऐसे पलटे जैसे कोई इनकम टैक्स ऑफिसर किसी भ्रष्ट व्यापारी का दो नंबर वाला बहीखाता चेक करता है। उनकी उंगलियों का वह स्पर्श प्रेम नहीं, बल्कि उस 'अहंकार' की टोह लेना था जिसे साहित्य का लबादा पहनाया गया था। थूक लगाकर पन्ने पलटने की उनकी वह घृणित कला ऐसी थी, मानो किसी बैंक का क्लर्क पुराने, बदबूदार और फटे हुए नोटों की गड्डी गिन रहा हो। लेखक जी की धर्मपत्नी, जो पीछे खड़ी होकर सेल्फी ले रही थीं और मन ही मन प्रकाशक के बिल का हिसाब लगा रही थीं, उनकी नज़र में मैं केवल वह 'अतिरिक्त वज़न' थी जिसे घर ले जाते समय कुली को दस रुपये ज़्यादा देने पड़ेंगे। मेले में मेरा 'विमोचन' नहीं, बल्कि मेरा 'विसर्जन' उत्सव था, जहाँ फूलों की मालाएँ दरअसल मेरी 'बौद्धिक आत्महत्या' पर चढ़ाने के लिए मँगवाई गई थीं। मंच पर बैठे महानुभावों ने मुझे 'युगप्रवर्तक' और 'क्रांतिकारी' जैसे विशेषणों से ऐसे नवाज़ा, जैसे किसी मरियल घोड़े को 'चेतक' कह दिया जाए। मुझे क्या पता था कि ये भारी-भरकम शब्द दरअसल पत्थर के वे टुकड़े हैं, जो मुझे डुबोने के लिए मेरे गले में बाँधे जा रहे थे। जब मेले का आखिरी दिन आया और टेंट उखड़ने लगे, तो मुझे एक बड़े से काले प्लास्टिक के थैले में ऐसे ठूँस दिया गया जैसे किसी लावारिस लाश को पोस्टमार्टम के बाद 'बॉडी बैग' में डाला जाता है।

वह थैला लेखक के घर के उस स्टोर रूम की ओर प्रस्थान कर गया, जहाँ पुरानी रद्दी और टूटी हुई उम्मीदें एक साथ सड़ने का सामूहिक उपक्रम करती हैं।

क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख ?

कमलेश पाण्डेय

प्राचीनकाल में मनुस्मृति से लेकर आधुनिक काल के संविधान तक हिंदू समुदाय में जिस जातिवाद को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में बढ़ावा दिया गया, वह अब दुनिया के तीसरे बड़े धर्म सनातन (हिन्दू) के लिए अभिशाप साबित हो रहा है। जिस तरह से सियासी गोलबंदी के लिए जातिवाद को हवा दी जा रही है, वह किसी लोकतांत्रिक कलंक से कम नहीं है। अब तो प्रशासनिक और न्यायिक निर्णय भी इसे हवा देते प्रतीत हो रहे हैं।

मसलन, इससे निरंतर कमजोर हो रहे हिन्दू समाज की एकजुटता के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की चिंता स्वाभाविक है। यह उन जैसे सैकड़ों मशहूर लोगों के लिए भी सार्वजनिक चिंता का विषय रहा है लेकिन हमारी संसद और सरकार के लिए यह कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि जातिवादी खिलौने से मतदाताओं को फुसलाने की संवैधानिक तरकीब उसने विकसित कर ली है और आधिकारिक निर्णयों में भी इसका भौंडा प्रदर्शन दिखाई दे जाता है। बता दें कि विगत 18 जनवरी 2026 को छत्रपति संभाजीनगर में संघ सरचालक मोहन भागवत ने कहा कि जातिगत भेदभाव समाप्त करने के लिए जाति को मन से मिटाना होगा जो ईमानदारी से करने पर 10-12 वर्षों में संभव है। एक तरह से उनका यह बयान जातिवाद की गहरी जड़ों को देखते हुए आशावादी तो लगता है लेकिन इसकी व्यवहारिकता पर सवाल उठते हैं क्योंकि जाति भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचना में गहराई से बसी हुई है। अब तो संविधान से लेकर जनगणना तक इसने घुसपैठ कर ली है। इसलिए जब तक सत्ता प्रतिष्ठान को सद्बुद्धि नहीं आएगी, तबतक जाति मुक्त भारत या हिन्दू समाज की परिकल्पना बेमानी प्रतीत होती है। इसलिए यक्ष प्रश्न पुनः समुपस्थित है कि क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत? क्या जाति आधारित आरक्षण सम्बन्धी सोच को बदल पाएंगे मोहन भागवत क्योंकि जबतक ऐसा नहीं होगा, उनकी तमाम कोशिशें नाकाफी प्रतीत होंगी! फ़िलवक्त मोहन भागवत ने बताया कि जाति मूल रूप से पेशे से जुड़ी थी लेकिन बाद में भेदभाव का कारण बनी। उन्होंने जोर दिया कि कानून या घोषणाओं से नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने से यह जटिल समस्या हल होगी। देखा जाए तो यह युगांतरकारी विचार पहले भी व्यक्त किया गया है जैसे 2023 में जाति को 'पंडितों की देन' उन्होंने ही बताया था लेकिन नेताओं और नौकरशाहों की संवैधानिक हठधर्मिता शायद उन्होंने विस्मृत कर डाली ताकि आरक्षणवादी कोहराम न मचाएं। कहना न होगा कि जातिवाद मुक्त भारत और हिन्दू समाज की राह में कई व्यवहारिक चुनौतियाँ भी हैं क्योंकि जातिवाद ग्रामीण रोजगार, विवाह और राजनीति में प्रबल है जहां आरक्षण और वोट बैंक इसे बनाए रखते हैं।

भले ही प्रतिक्रियाओं में इसे 'चुनावी जुमला' कहा गया, क्योंकि ऐसे बयान कार्रवाई में नहीं बदलते। यही वजह है कि सामाजिक सुधारों के बावजूद अंतरजातीय विवाह कम हैं और भेदभाव जारी है।यह ठीक है कि इस दिशा में जारी ईमानदार प्रयास से जागरूकता बढ़ सकती है लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति और कानूनी सख्ती के बिना 10-12 वर्षों का लक्ष्य अवास्तविक लगता है। फिर भी यदि यह पुनीत सपना साकार होता है तो इससे नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण में सहायता मिल सकती है।वहीं नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण से ही यह पवित्र सपना साकार होगा। देखा जाए तो आरएसएस ने जातिवाद समाप्ति के लिए लंबे समय से सामाजिक समरसता व सामाजिक सद्भाव को प्रमुख लक्ष्य बनाया है जिसमें जागरूकता अभियान, गांव-स्तरीय प्रयास और शाखाओं के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रेरित करना शामिल है हालांकि, आलोचक इसे सतही मानते हैं क्योंकि संगठन की आंतरिक संरचना और ऐतिहासिक रुख में जातिगत प्रभाव दिखता रहा है। बावजूद इसके, आरएसएस ने 2023 से सामाजिक समरसता परियोजना₹ शुरू की जिसमें 13,000+ गांवों में कुओं, श्मशानों और मंदिरों में दलित प्रवेश पर रोक हटाने का सर्वे और जागरूकता अभियान चलाया। वहीं संघ शाखाओं (95,000+) के जरिए कार्यकर्ता गांवों, स्कूलों और मंदिरों में जाकर छुआछूत विरोधी संदेश फैलाते हैं, साथ में सामूहिक भोज के द्वारा भोजन करते हैं और सामूहिक विवाह को बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि बिहार, हरियाणा, उड़ीसा, महाराष्ट्र जैसे चुनावों में हिंदू वोटों को जाति से ऊपर उठाने में संघ की उपर्युक्त पहल सहायक साबित हुई जिससे भाजपा को प्रत्यक्ष लाभ हुआ। साथ ही शाखाओं में जाति-निरपेक्षता का वातावरण स्थापित हुआ। यही नहीं, संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठकों में भी इसे प्राथमिकता दी गई जैसे 2024 के आम चुनावों तक इस विषयक अभियान चलाने का फैसला संपन्न हुआ। वहीं, संगठन के भीतर जारी आंतरिक प्रयास के तहत संघ की शाखाओं में जाति को नजरअंदाज कर सभी हिंदू एक परिवार का सिद्धांत अपनाया जाता है, जिसकी शुरुआत संस्थापक हेडगेवार ने की थी। वहीं, संवैधानिक आरक्षण पर भी समर्थन जताया गया है ताकि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों आदि का भरोसा आरएसएस में मजबूत हो हालांकि हालिया बयानों में इसे जातिवाद बढ़ाने वाला भी कहा गया। साथ ही साल 2024 में जाति जनगणना का संघ ने समर्थन किया ताकि योजनाएं बेहतर हों, बशर्ते राजनीतिक दुरुपयोग न हो। कहना न होगा कि आरएसएस के इन सदाशयी प्रयासों के बावजूद, उस पर ब्राह्मण वर्चस्व और आरक्षण विरोध के पुराने आरोप लगते रहे हैं।आरएसएस के जातिवाद विरोधी प्रयासों पर कई गंभीर आलोचनाएं भी आई हैं जो मुख्य रूप से इनके प्रचारात्मक, असंगठित और हिंदू एकता को प्राथमिकता देने वाले स्वरूप पर केंद्रित हैं जिसके चलते आलोचक इन्हें सतही बताते हैं क्योंकि संगठन ने जाति व्यवस्था को जड़ से चुनौती नहीं दी। अक्सर सवाल उठाया जाता है कि विगत 100 वर्षों में कोई प्रमुख दलित या आदिवासी संघ सरसंघचालक नहीं बना जिससे आंतरिक ब्राह्मण वर्चस्व के आरोप बने हुए हैं। आरक्षण पर अस्पष्ट रुख और जाति जनगणना को राजनीतिक दुरुपयोग रोकने की शर्त रखना आलोचना का कारण बना।

भारत की जीवनरेखा पर खेला जा रहा वैश्विक दांव

आरके जैन

इतिहास बताता है कि युद्ध हमेशा बंदूकों से नहीं लड़े जाते; कई बार नदियाँ, सड़कें और परियोजनाएँ ही हथियार बन जाती हैं। आज भारत के उत्तर-पूर्वी प्रवेशद्वार पर ऐसा ही एक खतरनाक खेल रचा जा रहा है। उत्तर बांग्लादेश की शांत दिखने वाली सीमाओं के पीछे एक गहरी रणनीतिक चाल आकार ले रही है, जिसका केंद्र तीस्ता नदी है और निशाना भारत का सिलीगुड़ी कॉरिडोर—देश की तथाकथित "चिकन नेक"। जनवरी 2026 में चीनी राजदूत याओ वेन का बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ तीस्ता परियोजना स्थल का दौरा महज औपचारिक निरीक्षण नहीं था, बल्कि भारत की सामरिक नब्ज को टटोलने का साहसिक प्रयास था। भारत की जीवनरेखा से कुछ ही किलोमीटर दूर हुआ यह दौरा इसे सामान्य नहीं, बल्कि असाधारण रूप से चिंताजनक बनाता है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर केवल 22 किलोमीटर चौड़ा वह संकरा गलियारा है जो भारत की मुख्य भूमि को उसके आठ पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से घिरे इस क्षेत्र में यदि कभी अवरोध पैदा हुआ, तो पूरा पूर्वोत्तर देश से कट सकता है। चीन इस भौगोलिक कमजोरी को वर्षों से समझता रहा है और अब उसे भुनाने की दिशा में ठोस कदम उठाता दिख रहा है। तीस्ता मास्टर प्लान के नाम पर ड्रेजिंग, तटबंध, जलाशय और भूमि पुनर्प्राप्ति जैसे कार्य प्रस्तावित हैं, जिनमें चीनी कंपनियों की प्रमुख भूमिका बताई जा रही है। बांग्लादेश इसे विकास का अवसर बता रहा है, लेकिन सामरिक विशेषज्ञों के लिए यह वह कसती रस्सी है जो धीरे-धीरे भारत की गर्दन के चारों ओर डाली जा रही है।

मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार का रुख इस आशंका को और गहरा करता है। जल संसाधन सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन का चीनी राजदूत के साथ मौके पर जाना और चीन की "तत्काल रुचि" को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करना संकेत देता है कि ढाका अब दिल्ली की संवेदनाओं से अधिक बीजिंग की ओर झुक रहा है। लालमोनिरहाट एयरबेस को पुनः सक्रिय करने की चर्चाएँ और वहां संभावित चीनी मौजूदगी की आशंका पूरे घटनाक्रम को और भी संदिग्ध बना देती है। ये सभी कड़ियाँ मिलकर ऐसा परिदृश्य रचती हैं, जिसमें विकास की आड़ में सैन्य और खुफिया संभावनाओं के बीज बोए जा रहे हैं।

भारत-बांग्लादेश संबंधों की पृष्ठभूमि पहले से ही तनाव से भरी रही है। तीस्ता जल बंटवारे पर 2011 का अंतरिम समझौता आज तक अधर में अटका है। पश्चिम बंगाल की आपत्तियाँ और केंद्र-राज्य समन्वय की कमी ने इस मसले को सुलझने नहीं दिया। अब इसी भ्रम और खालीपन का लाभ चीन उठाता दिख रहा है। दिसंबर 2025 में ढाका में हुए भारत-विरोधी प्रदर्शन और भारतीय दूतावास पर हमले की कोशिशों ने स्पष्ट कर दिया था कि बांग्लादेशी राजनीति में भारत के प्रति माहौल बदल चुका है। यूनुस का पूर्वोत्तर को "लैंडलॉक्ड" बताकर तंज कसना और चीन की आर्थिक ताकत का उल्लेख करना, इस बदले रुख की खुली अभिव्यक्ति थी।

तीस्ता परियोजना के लिए चीन से मांगा गया 853 मिलियन डॉलर का ऋण केवल एक आर्थिक लेन-देन नहीं, बल्कि रणनीतिक निर्भरता की शुरुआत है। इतिहास गवाह है कि जहां-जहां चीन ने कर्ज के जरिये प्रवेश किया, वहां उसने धीरे-धीरे राजनीतिक और सैन्य प्रभाव भी कायम किया। श्रीलंका का हम्बनटोटा बंदरगाह इसका सशक्त उदाहरण है। यदि तीस्ता पर चीन की पकड़ मजबूत होती है, तो जल नियंत्रण भविष्य में दबाव का औजार बन सकता है। सूखे में पानी रोकना या मानसून में बाढ़ की स्थिति बनाना, पूर्वोत्तर राज्यों में अस्थिरता फैलाने के लिए काफी होगा।

भारतीय खुफिया एजेंसियां इस खतरे को हल्के में नहीं ले रही हैं। रॉ और अन्य सुरक्षा संस्थान तीस्ता क्षेत्र में चीनी गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। आशंका यह भी है कि इंजीनियरिंग और तकनीकी टीमों के साथ-साथ खुफिया नेटवर्क भी जमीन पर सक्रिय किए जा सकते हैं। यदि सिलीगुड़ी कॉरिडोर के आसपास किसी भी तरह की सैन्य या निगरानी संरचना खड़ी होती है, तो यह भारत की सुरक्षा के लिए सीधी चुनौती होगी। यह केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अखंडता से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन जाता है। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की पृष्ठभूमि में तीस्ता परियोजना को देखें तो पूरी तस्वीर और भी साफ हो जाती है। दक्षिण एशिया में भारत को घेरने की रणनीति के तहत पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका और अब बांग्लादेश में चीनी मौजूदगी लगातार बढ़ाई जा रही है। आर्थिक सहायता, अस्पताल, सड़कें और बांध—ये सभी केवल साधन हैं, असली लक्ष्य है प्रभाव और नियंत्रण। बांग्लादेश के लिए यह सौदा अल्पकाल में लाभकारी लग सकता है, लेकिन दीर्घकाल में यह उसकी संप्रभुता के लिए जोखिम भरा सिद्ध हो सकता है।

अब भारत के सामने समय की सबसे कठिन परीक्षा है। कूटनीतिक शिष्टाचार से आगे बढ़कर स्पष्ट और ठोस रणनीति अपनाना आवश्यक हो गया है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को अभेद्य बनाना, सीमाओं पर निगरानी और आधारभूत ढांचे को सशक्त करना, तथा पूर्वोत्तर को हर मौसम में निर्बाध रूप से जोड़ने वाली वैकल्पिक व्यवस्थाएँ विकसित करना अनिवार्य है। साथ ही, तीस्ता जल समझौते पर राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हुए समाधान निकालना होगा, ताकि चीन को हस्तक्षेप का अवसर ही न मिले।

यदि समय रहते इस खतरे को नहीं समझा गया, तो "चिकन नेक" केवल एक उपमा नहीं, बल्कि भारत की वास्तविक कमजोरी बन सकती है। यह सिर्फ एक नदी या एक परियोजना का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश की एकता, संप्रभुता और भविष्य की दिशा से जुड़ा निर्णायक क्षण है। आज भारत को सतर्क, संगठित और निर्णायक होना होगा, क्योंकि इतिहास उसी को याद रखता है जो आने वाले खतरे को समय रहते पहचानकर उसका सामना करता है।

सम्मान, सुरक्षा और समानता का सवाल

बाबूलाल नागा

भारत में विकास और समानता की चर्चा तब तक अधूरी मानी जाती है जब तक उसमें बालिकाओं की स्थिति का ईमानदार मूल्यांकन न हो। 23 जनवरी को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय बालिका दिवस इसी मूल्यांकन और आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है। यह दिन केवल औपचारिक आयोजन या शुभकामनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, सरकार और परिवार—तीनों की जिम्मेदारियों को रेखांकित करता है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति उसकी बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और अवसरों से आंकी जाती है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुरुआत वर्ष 2008 में भारत सरकार द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और लैंगिक भेदभाव जैसी सामाजिक समस्याओं पर गंभीर संवाद स्थापित करना रहा है। आजादी के सात दशक बाद भी देश के कई हिस्सों में बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और निर्णय लेने के अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि योजनाओं और नीतियों के बावजूद सामाजिक सोच में अपेक्षित बदलाव क्यों नहीं आ पाया। भारतीय समाज में बालिकाओं को लेकर ऐतिहासिक रूप से दोहरी मानसिकता रही है। एक ओर देवी स्वरूप में पूजन तो दूसरी ओर जन्म से ही भेदभाव। बाल विवाह, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या और शिक्षा से वंचित रखना जैसी कुप्रथाएं लंबे समय तक बालिकाओं के भविष्य पर भारी पड़ीं। हालांकि समय के साथ कानून बने, जागरूकता बढ़ी और कई सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिले, लेकिन ग्रामीण और वंचित तबकों में आज भी यह समस्याएं पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी हैं। शिक्षा को बालिका सशक्तिकरण की सबसे मजबूत आधारशिला माना जाता है। शिक्षित बालिका न केवल आत्मनिर्भर बनती है, बल्कि परिवार और समाज को भी आगे ले जाती है। इसी सोच के तहत केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी योजनाएं शुरू की गईं। इन योजनाओं से नामांकन दर में सुधार तो हुआ है, लेकिन स्कूल छोड़ने की समस्या, डिजिटल संसाधनों की कमी और सुरक्षित वातावरण का अभाव आज भी चिंता का विषय बना हुआ है।

स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में भी बालिकाओं की स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। कुपोषण, एनीमिया और किशोरावस्था से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं आज भी बड़ी चुनौती हैं। पर्याप्त पोषण, नियमित स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दिए बिना सशक्तिकरण की कल्पना अधूरी है। राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें यह याद दिलाता है कि योजनाओं की सफलता तभी मानी जाएगी जब उनका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़ी बालिका तक पहुंचे। बालिकाओं की सुरक्षा आज के समय का सबसे संवेदनशील विषय बन चुका है। घरेलू हिंसा, यौन शोषण, साइबर अपराध और सार्वजनिक स्थलों पर असुरक्षा जैसी घटनाएं समाज के लिए गंभीर चेतावनी हैं। कानूनों के साथ-साथ सामाजिक सोच में बदलाव और संवेदनशीलता की आवश्यकता है। सुरक्षित वातावरण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि परिवार, विद्यालय और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके बावजूद, यह भी सच है कि आज की बालिकाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। विज्ञान, खेल, कला, प्रशासन और उद्यमिता में उनकी बढ़ती भागीदारी यह साबित करती है कि अवसर मिलने पर वे किसी से पीछे नहीं हैं। अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर खेल मैदान तक, बालिकाएं देश का नाम रोशन कर रही हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। बालिकाओं के हित में बनाए गए कानून और नीतियां तभी प्रभावी हो सकती हैं, जब समाज उनका ईमानदारी से पालन करे। बाल विवाह निषेध अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम और शिक्षा का अधिकार जैसे कानून मजबूत आधार प्रदान करते हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन और सामाजिक स्वीकार्यता समान रूप से जरूरी है। मीडिया की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण हो जाती है, जो सकारात्मक उदाहरणों को सामने लाकर सामाजिक सोच को दिशा दे सकता है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री में बढ़ता विवाद

अशोक भाटिया

हाल ही में, तमिलनाडु विधानसभा में राज्यपाल द्वारा विधानसभा सत्र की शुरुआत में राज्य सरकार द्वारा उन्हें पढ़ने के लिए सौंपे गए अभिभाषण के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया गया। राज्यपाल द्वारा अभिभाषण के छोड़े गए हिस्से बीआर अंबेडकर, द्रविड़ नेताओं, शासन के द्रविड़ मॉडल और तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की स्थिति से संबंधित थे। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें केवल तमिल में मूल मुद्रित भाषण को रिकॉर्ड में रखने की मांग की गई। राज्यपाल ने इस पर अभूतपूर्व प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रगान बजने से पहले ही सदन से बहिर्गमन कर दिया।

गौरतलब है कि इससे पहले पश्चिम बंगाल (1965), राजस्थान (1967), पंजाब (1969), त्रिपुरा (2017) और केरल (2018) तथा राजस्थान के राज्यपालों ने भी राज्य सरकार द्वारा भेजे गए अभिभाषण को पढ़ने से इनकार कर चुके हैं।

दरअसल संविधान के अनुच्छेद 175 के तहत राज्यपाल द्वारा वर्ष की विधान सभाओं के पहले सत्र को संबोधित करने की प्रथा है इसे एक पता कहा जाता है। यह नई सरकार के गठन के बाद या नई विधान सभा के गठन के बाद पहले सत्र में पहला सत्र भी है। सामान्य प्रथा यह है कि भाषण, हालांकि राज्यपाल द्वारा दिए जाते हैं, आमतौर पर कैबिनेट द्वारा लिखे और अनुमोदित किए जाते हैं , केवल राज्यपाल द्वारा पढ़े जाते हैं, जैसा कि संसद को संबोधित करने वाले राष्ट्रपति के मामले में होता है। राष्ट्रपति, जो संसद को भी संबोधित करते हैं, को भी केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया जाता है, और चूंकि यह कैबिनेट का भाषण होता है, इसलिए राष्ट्रपति या राज्यपाल पिछले वर्ष में सरकार की उपलब्धियों और आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताते हैं। लेकिन वायसराय ने ग्रेट ब्रिटेन की रानी का प्रतिनिधित्व किया। इसलिए उनके भाषण में मेरी सरकार का जिक्र हुआ। इस ब्रिटिश परंपरा को तोड़ने के लिए महामहिम रवि और राजेंद्र को बधाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो भी परंपराएं छोड़ी हैं, उन्हें स्वयं 'गंगारदेपनमास्तु' का महामंत्र दिया है। जब सभी स्वयंसेवकों ने उस काम के लिए खुद को समर्पित कर दिया है तो राज्यपाल कैसे पीछे रह सकते हैं। वे दोनों सार्वजनिक प्रशंसा के पात्र हैं क्योंकि उन्होंने सभी महामहिमों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह सराहनीय था कि रवि ने मुख्यमंत्री स्टालिन के भाषण को पढ़ने से इनकार कर दिया, और यहां तक कि राजनीतिक तिरस्कार की स्थिति में विधायिका से बाहर भी चले गए, जो आमतौर पर विधायिका के अनियंत्रित विधायकों के लिए आरक्षित होता है।तमिलनाडु के महामहिम ने इस अवसर पर विपक्ष के साथ हाथ मिलाया और मुख्यमंत्री स्टालिन के लिखित भाषण को अस्वीकार कर दिया और जो स्वीकार्य नहीं था उसे पढ़ने से बेहतर बाहर निकल जाना बेहतर समझा और भारी मन से बैठक से बाहर चले गए। लेकिन वह अपने अहंकार को स्वीकार नहीं करता था और पढ़ने तक ही सीमित था और एक पुलिस अधिकारी था, और आज्ञाकारिता की आदत उसके खून में रची-बसी हुई थी, और उसने यह तय करके ऐसा किया होगा कि जब वह सेवा में सेवानिवृत्त होगा तो किसकी आज्ञा माननी है।

इस विश्वास के हिस्से के रूप में, उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन की सरकार द्वारा तैयार किए गए भाषण में खामियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि तमिलनाडु एक निवेश नेता था। तमिलनाडु में जीवन स्तर बढ़ रहा है। महामहिम रवि ने कहा... इसके विपरीत, यह बिगड़ रहा है और महिलाएं अब इन राज्यों में सुरक्षित नहीं हैं। स्टालिन सरकार ने कहाः इस राज्य के युवाओं ने बड़ी संख्या में व्यापार में भाग लेना शुरू कर दिया है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत चिंताजनक है और शराब और गार्डल जैसे नशेड़ियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। महामहिम ने इस प्रकार स्टालिनवादी सरकार के एक नहीं, दो नहीं, तीन नहीं, बल्कि 13 दावों का खंडन किया, जो इतना सभ्य था कि इसे विधानसभा में प्रदर्शित न करना अशिष्टता होती, और इसलिए उन्होंने अपना भाषण नहीं पढ़ा।

वह सदन से बाहर निकलकर राजभवन गए और वहां से उन्होंने राज्य सरकार की 13 खामियों और भाषण न पढ़ने के कारणों के बारे में बताया। राजेंद्र काफी हद तक तेजस्वी रवि से मिलते-जुलते थे, जिन्हें मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की सरकार द्वारा लिखे गए भाषण को भी मंजूरी नहीं थी। मैंने भाषण के कुछ हिस्सों को नहीं पढ़ा और कुछ स्थानों को बदल दिया। इसलिए राजेंद्र को रवि की तरह सदन से बाहर नहीं जाना पड़ा। मुख्यमंत्री विजयन ने राजेंद्रन को उनके भाषण के बाद औपचारिक विदाई दी और बाद में भाषण का हटाया गया और बदला हुआ पाठ प्रस्तुत किया। केरल में संबोधन हुआ और मुख्यमंत्री जी जो पढ़ना नहीं चाहते थे, वो बाद में समझा पाए। उन्होंने कहा कि उनका राज्य इसके लिए संविधान संशोधन की मांग करेगा। यद्यपि यह भूमिका सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित है, लेकिन इसमें कुछ बदलावों का सुझाव देना वांछनीय है। उदाहरण के लिए, यदि केवल अभिभाषण रद्द किया जाना है, तो विधानसभा सत्र की पूर्व संध्या पर विपक्ष को चाय पर आमंत्रित करने की प्रथा को भी बंद कर दिया जाना चाहिए। या संतरे का जूस पिएं। हालांकि, अगर इसे खत्म करना और संबोधन की उच्च परंपरा को खत्म करना बहुत मुश्किल है, तो रवि और राजेंद्र को पदोन्नत किया जाना चाहिए और बारी-बारी से उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भेजा जाना चाहिए।

दिलीप घोष ने पश्चिम बंगाल में आशा वर्कर्स के उत्पीड़न और शोषण का आरोप लगाया

कोलकाता, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता दिलीप घोष ने पश्चिम बंगाल में आशा वर्कर्स के उत्पीड़न और शोषण का आरोप लगाया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने में देरी करके सरकार अपने लिए संकट खड़ा कर रही है। पश्चिम बंगाल में भत्ता बढ़ाने की मांग को लेकर आशा वर्कर्स आंदोलनरत हैं। पिछले दिन कोलकाता में बड़ी संख्या में आशा वर्कर्स ने प्रदर्शन किया।

इस पर दिलीप घोष ने गुरुवार को आईएएनएस से बातचीत में कहा, आशा वर्कर्स के खिलाफ जिस तरह का उत्पीड़न और शोषण किया जा रहा है, वह बहुत अनैतिक और निंदनीय है। भाजपा नेता ने सवाल किया कि जब हर विभाग के कर्मचारी असंतुष्ट हैं, तो सरकार कैसे काम करेगी? विकास कैसे होगा? उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स की मांगों को मान लिया जाना चाहिए।

इसी बीच, दिलीप घोष ने विधायक अब्दुर रहीम बख्शी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हर कोई सिर्फ सुर्खियों में आने के लिए बड़े-बड़े बयान देना चाहता है। चुनाव आयोग यह निश्चित करने की पूरी कोशिश कर रहा है कि जिनके पास सही दस्तावेज हैं, उनके नाम लिस्ट में जरूर हों। लेकिन बांग्लादेश से लाए गए किसी भी ऐसे व्यक्ति का नाम लिस्ट में नहीं रहेगा, जिसे यहां वोटर बनाया गया था।

पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए भाजपा नेता ने कहा, जिस तरह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) काम कर रहा है, उससे यहां के लोग खुश हैं। हम चाहते हैं कि सभी भ्रष्ट लोगों को जेल भेजा जाए।

आईसीसी वर्ल्ड कप में बांग्लादेश टीम को लेकर विवाद पर दिलीप घोष ने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट में राजनीति लाया और अब बांग्लादेश भी उसी रास्ते पर चल रहा है। लेकिन नुकसान सिर्फ उनके मुल्क का होगा। वे भारत का हाथ पकड़कर वर्ल्ड क्रिकेट में आए थे। हमारे खिलाड़ी वहां गए और उन्हें क्रिकेट सिखाया। हमारे डालमिया ने उन्हें शामिल करने के लिए बहुत कोशिशें कीं। अब वे हमारे ही खिलाफ हो गए हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि राजनीति को दूसरी जगह पर रहने दिया जाए। आप अपने देश (बांग्लादेश) की समस्या का समाधान करें। खेल को खेल की भावना से खेलिए, तब भारत के लोग आपको सपोर्ट करेंगे। वर्ल्ड कप अच्छे तरीके से होना चाहिए, जिसे भारत समेत पूरी दुनिया के लोग देखना चाहते हैं।

उदयनिधि स्टालिन ने हिंदुओं का किया अपमान, पद से इस्तीफा दें: एएनएस प्रसाद

चेन्नई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन से तुरंत इस्तीफे की मांग की। पार्टी ने इसके लिए मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच के उस फैसले का हवाला दिया, जिसमें भाजपा नेता अमित मालवीय के खिलाफ एफआईआर को रद्द कर दिया गया था। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले ने उदयनिधि स्टालिन की पब्लिक ऑफिस में बने रहने की नाकाबिलियत को संवैधानिक और नैतिक रूप से बेनकाब कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला भाजपा के उस पुराने रुख को सही साबित करता है कि भड़काऊ बयानों की कानूनी आलोचना को अपराध नहीं बनाया जा सकता और असहमति को दबाने के लिए पुलिस मशीनरी का गलत इस्तेमाल न्यायिक जांच में टिक नहीं पाएगा।

मदुरै बेंच ने 20 जनवरी के अपने आदेश में भाजपा के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के प्रभारी अमित मालवीय के खिलाफ उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर दिए गए बयानों पर सोशल मीडिया पोस्ट के लिए दर्ज आपराधिक मामले को रद्द कर दिया। जस्टिस एस। श्रीमाथी ने कहा कि मालवीय का जवाब कोई अपराध नहीं था। उन्होंने एफआईआर को कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग बताया। एएनएस प्रसाद ने कहा कि यह फैसला सितंबर 2023 में एक कॉन्फ्रेंस में उप मुख्यमंत्री स्टालिन के अपने बयानों पर फिर से ध्यान दिलाता है,

नीट छात्रा की मौत मामले में कूदीं ब्रह्मेश्वर मुखिया की बहू, बिहार सरकार को दिया अल्टीमेटम

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पटना में हुई नीट छात्रा की मौत मामले में जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है लेकिन अभी तक पूरी तरह से केस उलझा हुआ है। इस बीच इस मामले में अब रणवीर सेना के प्रमुख रहे ब्रह्मेश्वर मुखिया की छोटी बहू रूबी कुमारी कूद गई हैं। उन्होंने बिहार सरकार को अल्टीमेटम दिया है। गृह विभाग के मंत्री सम्राट चौधरी और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा पर भी हमला किया है। रूबी कुमारी ने वीडियो जारी कर कहा है कि एक नहीं चार-चार घटनाएं तत्काल में हुई हैं। सरकार चारों घटना में न्याय दे नहीं तो हमारा समाज सक्षम है कि आगे क्या करना है। उन्होंने कहा कि हम कुछ नहीं बोलेंगे, क्योंकि जानकारी मिली है कि 26 जनवरी तक बिहार पुलिस ने दावा किया है कि नीट की तैयारी करने वाली छात्रा की हत्या का उद्भेदन करेंगे। अगर 26 तक नहीं हुआ तो फिर हम लोगों के पास भी बुलडोजर है,

रेवेन्यू इंस्पेक्टर रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

कटक, 22 जनवरी (एजेंसियां)। एक म्यूटेशन केस में आवेदनकारी के सपक्ष में रिपोर्ट देने के लिए 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगने वाले कटक सदर कखड़ी सर्कल के रेवेन्यू इंस्पेक्टर जानकी रंजन मलिक विजिलेंस के हत्थे चढ़ गए हैं। विजिलेंस की टीम ने उन्हे रंगे हाथ दबोच लिया। 10 हजार रुपये की रिश्वत राशि भी उनके पास से बरामद की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, कटक सदर तहसील कखड़ी सर्कल में कार्य करने वाले रेवेन्यू इंस्पेक्टर यानी आरआई जानकी रंजन मलिक गुरुवार को एक जमीन मालिक से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते समय विजिलेंस ने उन्हें दबोच लिया। जमीन मालिक के सपक्ष में रिपोर्ट देने के लिए वह इस रकम की मांग किए थे। जमीन मालिक ने जमीन पट्टा के लिए ऑनलाइन में आवेदन किया था। उसके चलते आरआई को रिपोर्ट देना था। 27 जनवरी को म्यूटेशन केस की सुनवाई होनी थी। ऐसे में 20 जनवरी को जमीन मालिक को आरआई कार्यालय में बुलाया गया था। जहां पर उनकी सपक्ष में रिपोर्ट देने के लिए मलिक ने जमीन मालिक से 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगा था। लेकिन 10 हजार रुपये की रिश्वत देने में सक्षम न होने वाले जमीन मालिक लाचार होकर आखिर में इसके बारे में विजिलेंस में शिकायत किया था। शिकायत के आधार पर मलिक को दबोचने के लिए विजिलेंस की ओर से जाल बिछाया गया था और उसी के तहत जब वह 10 हजार रुपये की रिश्वत रकम जमीन मालिक से ले रहे थे।

पूर्व बीजेपी प्रवक्ता सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

अंबाला में हुई 1.90 करोड़ की ठगी का मामला, जीआरपी थाने में केस दर्ज

अंबाला, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कैंट में हुई एक करोड़ 90 लाख रुपये की ठगी के मामले में राजकीय रेलवे पुलिस और बिहार एसटीएफ की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए समस्तीपुर के दलसिंह सराय में आरोपी पंकज कुमार लाल सहित तीन लोगों को काबू किया है। पंकज कुमार गुप्ता समस्तीपुर से भाजपा का पूर्व जिला प्रवक्ता भी रहा है। पंकज के साथ कौशल और रजनीश नामक व्यक्ति को भी पकड़ा गया है जोकि लोगों को अपने जान में फंसाने का काम करते थे। पंकज कुमार लाल वर्तमान में रेल नीर पानी की आपूर्ति और विभूतिपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर में रिक्शा एजेंसी का संचालन करते हैं। लगभग दो साल पहले उन्होंने दलसिंहसराय के अजनौल में जमीन खरीदकर तीन करोड़ रुपए से अधिक की लागत से एक आलीशान मकान का निर्माण शुरू कराया था जोकि अभी भी जारी है। टीम ने आरोपी के अजनौल स्थित घर स छह लाख रुपये नकद, 30 लाख के जेवर और एक लग्जरी इनोवा कार भी बरामद की है। इस संबंध में पंजाब निवासी जोशी ने अंबाला कैंट जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने रकम को दोगुना करने और ऋण पर मोटा मुनाफा दिलाने का लालच दिया था और उन्होंने 1.90 करोड़ रुपये ऐंठ लिए थे।

इसके बाद एसपी रेलवे नितिका गहलोत के निर्देश पर जीआरपी प्रभारी हरीश कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने मंगलवार रात तो बिहार एसटीएफ के साथ मिलकर दलसिंह सराय के अजनौल में दबिश दी थी। जीआरपी ने बरामद नकदी और गहनों को जब्त कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर अब अंबाला लाया जा रहा है। पुलिस का मानना है कि पूछताछ में कई अन्य आरोपियों के नाम का भी खुलासा हो सकता है।

पिता को टिकट न मिलने से नाराज शख्स की गंदी हरकत! एनसीपी विधायक के दफ्तर के बाहर किया यूरिन

लातूर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में एक शख्स, आगामी जिला परिषद चुनाव में अपने पिता को टिकट ना मिलने पर बुरी तरह भड़क गया। उसने विरोध जताने के लिए महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और अजित पवार की पार्टी एनसीपी के विधायक संजय बंसोडे के लोकल दफ्तर के बाहर यूरिन कर दिया। यह घटना उदगीर तहसील में हुई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानें ये पूरा मामला क्या है? बता दें कि उदगीर के निदेबन इलाके के एक सोशल-पॉलिटिकल वर्कर मधुकर एकुरकेकर को एनसीपी का टिकट नहीं मिलने का विरोध हो रहा था। यहां 5 फरवरी को जिला परिषद चुनाव होने हैं, उसी के लिए मधुकर उम्मीदवार बनाए जाने की मांग कर रहे थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। इसके बाद, पार्टी नेतृत्व पर नाइंसाफी का आरोप लगाते हुए, मधुकर एकुरकेकर के बेटे नितिन एकुरकेकर ने बंसोडे के दफ्तर के बाहर यूरिन करके अपना आक्रोश दिखाया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो शेयर किया, लेकिन विवाद बढ़ने पर उन्होंने इस क्लिप को डिलीट कर दिया। गौरतलब है कि निदेबन जिला परिषद चुनाव में मधुकर एकुरकेकर के लिए टिकट की मांग कर रहे उनके समर्थकों का दावा है कि वर्षों से पार्टी के लिए समर्पित जमीनी लेवल नेता होने के बावजूद एनसीपी ने उन्हें दरकिनार कर दिया। जिला परिषद चुनाव के लिए टिकट नहीं दिया।

एयरपोर्ट पर राष्ट्रीय पक्षी मोर की टैक्सीडर्मी तस्करी पकड़ी; बैंकॉक से आया यात्री अरेस्ट

अमृतसर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कस्टम विभाग ने बैंकॉक से आए यात्री को राष्ट्रीय पक्षी मोर की मृत टैक्सीडर्मी ट्रॉफी के साथ गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, पंजाब में यह पहला मामला है, जब मोर की टैक्सीडर्मी तस्करी पकड़ी गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 39 वर्षीय मोहम्मद अकबर अहमद के रूप में हुई है। आरोपी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के गांव कासमपुर, पीर वाला मोहल्ला का रहने वाला है।

आरोपी 19 जनवरी को थाई लायन एयर की फ्लाइट एसएल-214 से बैंकॉक से अमृतसर पहुंचा था। दोपहर करीब 2 बजकर 45 मिनट पर फ्लाइट के उतरते ही कस्टम अधिकारियों ने उसे निगरानी में ले लिया। कस्टम विभाग की नजरों से बचने के लिए क्लीयरेंस के बाद जैसे ही आरोपी ग्रीन चैनल से बाहर निकलने लगा, अधिकारियों को उसके सामान पर शक हुआ।

एक्स-रे जांच में बैग के भीतर संदिग्ध आकृतियां दिखाई दीं। इसके बाद की गई गहन तलाशी में बैग से राष्ट्रीय पक्षी मोर की असली टैक्सीडर्मी ट्रॉफी, लकड़ी और उससे जुड़ी अन्य सामग्री बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान कस्टम विभाग ने आरोपी का मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

अधिकारियों का कहना है कि मोबाइल की फोरेंसिक जांच से इस तस्करी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क और इसके पीछे के मास्टरमाइंड तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपी इससे पहले कितनी बार ऐसी तस्करी कर चुका है और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

असम एकमात्र राज्य जो सीधे तौर पर तेल उत्पादन कर रहा: मुख्यमंत्री हिमंत सरमा

गुवाहाटी, 22 जनवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को दावा किया कि असम सिर्फ अपने शानदार अतीत के लिए ही नहीं जाना जाता, बल्कि लगातार नए मील के पत्थर भी बना रहा है। उन्होंने नामरूप-बोरहाट ब्लॉक में कच्चे तेल की खोज के बाद राज्य के तेल उत्पादन के क्षेत्र में एंट्री पर जोर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2025 में नामरूप-बोरहाट ब्लॉक में खोज के साथ असम तेल उत्पादन में शामिल होने वाला पहला राज्य बन गया, जो राज्य की आर्थिक और औद्योगिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि इस विकास से सरकारी राजस्व मजबूत होगा और असम की कुल ग्रोथ में तेजी आएगी।

अधिकारियों ने कहा कि यह खोज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हाइड्रोकार्बन सेक्टर के साथ असम के लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव में एक नया आयाम जोड़ती है, जो एक सदी पहले डिगबोई में एशिया के पहले तेल कुएं के साथ शुरू हुआ था। उम्मीद है कि नामरूप-बोरहाट की खोज देश में एक प्रमुख ऊर्जा उत्पादक राज्य के रूप में असम की स्थिति को और मजबूत करेगी। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि तेल उत्पादन बढ़ने से न सिर्फ ज्यादा रॉयल्टी और संबंधित रेवेन्यू से राज्य के खजाने को फायदा होगा,

बल्कि रोजगार के मौके भी पैदा होंगे, सहायक उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को भी सपोर्ट मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि का असम की अर्थव्यवस्था पर मल्टीप्लायर इफेक्ट होगा, खासकर ऊपरी असम में जो पारंपरिक रूप से तेल और गैस गतिविधियों का केंद्र रहा है। इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि नामरूप-बोरहाट जैसी घरेलू तेल खोजें कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के भारत के बड़े लक्ष्य में योगदान देंगी।

'मुझे नहीं पता था कि यह बीफ है'

हाईकोर्ट ने ठुकराया आरोपी का तर्क; जमानत याचिका खारिज

चंडीगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सेक्टर-34 थाना क्षेत्र में 19 अगस्त 2025 को दर्ज बीफ से जुड़े मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने आरोपी नूर मोहम्मद को बड़ी राहत देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने उसकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कड़ी टिप्पणियां की हैं और कहा है कि याचिकाकर्ता की दलीलें प्रथम दृष्टया स्वीकार योग्य नहीं हैं। कोर्ट के आदेश के अनुसार 19 अगस्त 2025 को पुलिस ने सेक्टर-34 क्षेत्र में एक्टिवा सवार एक व्यक्ति नूर मोहम्मद को रोका था। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 50 किलो संदिग्ध मांस बरामद हुआ। आरोपी मांस से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज पेश नहीं कर सका, जिसके चलते पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बरामद मांस के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे।

प्रारंभिक कार्रवाई के बाद आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया गया था। बाद में लैब से आई रिपोर्ट में पुष्टि हो गई कि बरामद मांस बीफ था। इसके बाद पुलिस ने पंजाब प्रोविजन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए केस में धारा 155 जोड़ दी। कोर्ट के आदेश के अनुसार, इस अधिनियम के तहत आरोपी को नोटिस जारी किया गया, लेकिन इसके जवाब में आरोपी ने अदालत का रुख करते हुए अंतरिम जमानत की मांग कर दी। यह याचिका एडिशनल सेशन जज द्वारा खारिज कर दी गई। इसके बाद आरोपी ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की, लेकिन हाईकोर्ट ने भी उसे खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यह तर्क कि आरोपी को मांस के बीफ होने की जानकारी नहीं थी, महज जिम्मेदारी से बचने का अंतिम समय का प्रयास प्रतीत होता है।

फांसी की सजा पाए मोहम्मद आरिफ ने लगाई गुहार, कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। लाल किला आतंकी हमला मामले में दोषी मोहम्मद आरिफ की क्यूरेटिव याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। उसने मौत की सजा के खिलाफ क्यूरेटिव याचिका दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट ने लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक द्वारा दाखिल क्यूरेटिव याचिका पर नोटिस जारी किया।

याचिका में साल 2000 के लाल किला आतंकी हमले के मामले में दी गई मौत की सज़ा को बरकरार रखने वाले फैसले की पुनर्विचार याचिका खारिज किए जाने को चुनौती दी गई है।इस हमले में सेना के तीन जवान शहीद हुए थे मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस जे।के। महेश्वरी शामिल हैं, ने संक्षिप्त सुनवाई की। दोषी की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि मौत की सज़ा को अपील और पुनर्विचार में बरकरार रखने के बाद सुप्रीम कोर्ट के कुछ बाद के फैसलों के आलोक में मामले पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। दलीलें सुनने के बाद पीठ ने कहा कि नोटिस जारी किया जाए। गौरतलब है कि 22 दिसंबर 2000 को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में हुए आतंकी हमले में हथियारबंद आतंकियों ने सेना के जवानों पर हमला किया था, जिसमें तीन जवानों की जान गई थी। लश्कर ए तैयबा आतंकवादी और पाकिस्तानी नागरिक आरिफ को 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा दी थी। उसके बाद उसने पुर्नविचार याचिका और राष्ट्रपति के पास दया याचिका दायर की थी लेकिन उसकी अर्जी खारिज हो गई थी।

दया याचिका पहले ही ठुकराई गई

लाल किला आतंकी हमला मामले में पाकिस्तानी आतंकवादी मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक की दया याचिका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले साल जून में खारिज कर दी थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 3 नवंबर 2022 को उसकी पुनर्विचार याचिका भी ठुकरा दी थी। उसकी मौत की सजा को बरकरार रखा था। 15 मई को दाखिल आरिफ की दया याचिका 27 मई को खारिज की गई थी। इसमें कहा गया था कि आरिफ के मामले में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे अपराध की गंभीरता कम होती हो।

मनसे नेता ने कहा- मुंबई में नहीं बनेगा बिहार भवन, नीतीश कुमार की पार्टी भड़की, बीजेपी-आरजेडी का स्टैंड क्या?

पटना मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता यशवंत किल्लेदार ने कहा है कि उनकी पार्टी मुंबई में बिहार भवन के निर्माण की अनुमति नहीं देगी। नवनिर्वाचित पार्षद किल्लेदार उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि बिहार सरकार महाराष्ट्र की राजधानी में 30 मंजिला एक इमारत का निर्माण कर रही है जिसमें कैंसर रोगियों के लिए 240 बिस्तरों वाली एक डॉरमेटरी भी होगी। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली मनसे अपने उग्र उत्तर भारतीय विरोधी रुख के लिए जानी जाती है। किल्लेदार ने कहा, हम यहां इसके निर्माण की अनुमति नहीं देंगे। महाराष्ट्र में किसानों की समस्या है, स्कूली शिक्षा महंगी हो गई है, महंगाई है, बेरोजगारी है। इन समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय, 314 करोड़ रुपये बिहार भवन के निर्माण में खर्च किए जाएंगे। अगर आप कैंसर रोगियों (बिहार से आने वाले) के लिए पैसा खर्च कर रहे हैं, तो वह पैसा बिहार में ही क्यों नहीं खर्च करते? जब तक मनसे यहां है, बिहार भवन का निर्माण नहीं होगा।

मनसे नेता के बयान के बाद सियासत शुरू हो गई है। बिहार बीजेपी के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि मनसे नेताओं की धमकी बताती है कि उन्हें संविधान से ज्यादा गुंडागर्दी पर भरोसा है। मुंबई किसी पार्टी या परिवार की जागीर नहीं है। देश की आर्थिक राजधानी है जहां बिहारियों के खून-पसीने से इमारतें खड़ी हैं। जो लोग बिहार भवन रोकने की बात कर रहे हैं वो पहले यह तय कर लें कि वे संविधान से चलेंगे या क्षेत्रीय नफरत से चलेंगे। नीतीश सरकार और बीजेपी किसी धमकी से नहीं डरने वाली है।

जेडीयू के प्रवक्ता मनीष यादव ने कहा कि देश बाबा साहब के संविधान से चलता है न कि मनसे नेता के प्रवचन से। मुंबई में बिहार भवन का निर्माण किसी राजनीतिक पार्टी की मर्जी पर नहीं बल्कि संवैधानिक प्रक्रिया और कानून के तहत होगा। कुछ लोग मीडिया में बने रहने के लिए बयान दे देते हैं। उधर आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, मुंबई में बिहार भवन बनने को लेकर जिस तरह से विवाद शुरू हुआ है।।। मनसे के स्थानीय नेता कह रहे हैं कि बिहार भवन नहीं बनने देंगे। बिहार में, केंद्र में, महाराष्ट्र में एनडीए की सरकार है, तो बिहार सरकार को अविलंब महाराष्ट्र सरकार से बात करनी चाहिए।

पूर्णियां महिला कॉलेज की दीवार के लिए 'महाभारत', टच करने का आरोप लगाकर महिला ने सीओ को जड़ा तमाचा

पूर्णियां, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया में महिला कॉलेज की दीवार को लेकर महाभारत हो गया। भारी पुलिस फोर्स के बीच एक युवती ने पूर्णिया पूर्व के सीओ को तमाचा मार दिया। सब कुछ इतनी तेजी से हुआ कि आसपास खड़े पुलिसकर्मियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। जब तक पुलिसकर्मी सीओ को बचा पाते, तब तक युवती सीओ को 3-4 थप्पड़ जड़ चुकी थी।

मामला बिगड़ता देख अधिकारियों ने दंगा निरोधक दस्ता मौके पर भेजा और स्थिति को नियंत्रित किया। पूरी घटना केहाट थाना क्षेत्र के महिला कॉलेज का है। यहां एक सार्वजनिक नाले के ऊपर पूर्णिया महिला कॉलेज की तरफ से दीवार बनाने का काम किया जा रहा था। इसी बात का स्थानीय लोगों ने विरोध किया। लोगों का कहना था कि नाला सार्वजनिक है तो इस पर दीवार क्यों बनाई जा रही है। हालांकि, कॉलेज प्रशासन इस जमीन को अपना बताकर इस पर दीवार बनाना चाह रहा है। इस बात पर बवाल बढ़ा तो कॉलेज प्रशासन ने पुलिस प्रशासन को फोन कर दिया।

एसपी स्वीटी सहरावत ने बताई पूरी कहानी

सूचना पाकर मौके पर पुलिस प्रशासन और सीओ पहुंच गए। सीओ वहां मौजूद लोगों से उलझे। वायरल हो रहे वीडियो के मुताबिक, उन्होंने स्थानीय महिला को थप्पड़ मारा। इसके बाद महिला ने भी उन्हें 3 से 4 थप्पड़ लगा दिए। महिला ग्रामीण है और चारदीवारी निर्माण का विरोध कर रही थी।

इस मामले को लेकर केहाट थाना में दोनों पक्षों की ओर से आवेदन दिया गया है। मोहल्लेवासी प्रफुल चंद्र रॉय का कहना है कि पूर्णिया महिला कॉलेज का खसरा अलग है, जबकि नाला और सड़क अलग खसरा में हैं। इसकी जांच सीओ, एसडीओ और नगर आयुक्त ने भी की है और अपना मंतव्य दिया है। इसके बावजूद दीवार बनाई जा रही है।

खौफनाक साइको किलर: 6 लड़कियों का गला घोंटा शव नहर में फेंका, कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

फरीदाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दहला देने वाली सीरियल किलिंग की कड़ियां आखिर अदालत में एक ठोस निष्कर्ष पर पहुंचीं। 3 नाबालिग लड़कियों समेत 6 हत्याएं करने वाले कुख्यात साइको किलर सिंह राज को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

अदालत में पेश तकनीकी सबूतों, कॉल डिटेल्स और पैटर्न-आधारित हत्या के तरीकों ने साबित कर दिया कि सिंह राज समाज के लिए कितना खतरनाक था। सिंह राज का तरीका हर केस में लगभग एक जैसा था। पहले पीड़िता के परिवार से जान-पहचान बनाता। फिर धीरे-धीरे घर आने-जाने लगे। मौका पाते ही छेड़छाड़ करता। विरोध होने पर पीड़िता का गला घोंट देता। शव को बोरे में भरकर साइकिल से ले जाकर आगरा नहर में फेंक देता। उसकी सभी शिकार लड़कियां गरीब परिवार से आती थीं और ज्यादातर नाबालिग थीं। आरोपी जसाना गांव का रहने वाला है। सेक्टर-16 स्थित एक निजी अस्पताल में सिक्योरिटी गार्ड था। परिवार से उसका कोई संपर्क नहीं। कोई भी रिश्तेदारी निभाना नहीं चाहता। यह पहली बार नहीं था जब उसने हत्या की हो। साल 1987 में उसने अपने चाचा और चचेरे भाई की हत्या भी की थी।

पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था, लेकिन सबूतों के अभाव में कोर्ट ने बरी कर दिया था। इससे स्पष्ट है कि सिंह राज की हिंसक प्रवृत्ति कोई नई नहीं थी। इस केस का फैसला करीब 3 साल बाद आया। एडिशनल सेशन जज पुरुषोत्तम कुमार की अदालत ने आईपीसी 302 (हत्या) और 364 (अपहरण) के तहत उम्रकैद सुनाई।

न्यू साउथ वेल्स में गोलीबारी

तीन लोगों की मौत एक घायल

केनबरा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य के एक कस्बे में गुरुवार को हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक अन्य घायल हो गया। यह जानकारी पुलिस ने दी।

पुलिस के एक बयान के अनुसार, गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद लगभग 1,500 लोगों के कस्बे लेक कार्गेलिगो के एक पते पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया।

पुलिस ने बताया कि तीन लोगों को मौत हो गई, जिसमें दो महिलाओं और एक पुरुष शामिल हैं। वहीं, एक अन्य व्यक्ति को गंभीर लेकिन स्थिर हालत में अस्पताल ले जाया गया। वहीं, हमलावर अभी भी फरार है। पुलिस ने जनता से उस इलाके से दूर रहने और स्थानीय निवासियों से घर के अंदर रहने का आग्रह किया।

ट्रम्प ने जंग सुलझाने वाला बोर्ड ऑफ पीस लॉन्च किया

ज्यादातर यूरोपीय देश गायब रहे अभी तक भारत की स्थिति साफ नहीं

दावोस, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को दावोस में जंग सुलझाने के लिए बनाए गए 'बोर्ड ऑफ पीस' को लॉन्च कर दिया है। ट्रम्प ने कहा कि इस बोर्ड का शुरुआती मकसद गाजा में हुए युद्धविराम को मजबूत करना है, लेकिन आगे चलकर यह दूसरे ग्लोबल विवादों में भी भूमिका निभा सकता है।

इसके हस्ताक्षर समारोह में 20 से ज्यादा देशों के नेता मौजूद रहे। अमेरिका के सहयोगी माने जाने वाले ज्यादातर यूरोपीय देश इस समारोह से गायब रहे। जबकि सऊदी अरब, कतर, यूएई, अर्जेंटीना और पराग्वे के नेता वहां मौजूद थे। फिलहाल भारत की स्थिति अभी तक साफ नहीं है।

ट्रम्प ने पहली बार पिछले साल सितंबर 2025 में गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने करीब 60 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता भेजा था। पहले माना जा रहा था कि कार्यक्रम में 35 देशों के नेता शामिल हो सकते हैं।

ट्रम्प ने पहली बार पिछले साल सितंबर 2025 में गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने करीब 60 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता भेजा है।

पिछले हफ्ते दुनिया के नेताओं को भेजे गए न्योते में बताया गया कि इस बोर्ड की भूमिका सिर्फ गाजा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर संघर्षों को सुलझाने में भी काम करेगा।

भेजे गए एक मसौदा चार्टर में कहा है कि जो देश तीन साल से ज्यादा समय तक इस बोर्ड का सदस्य बनना चाहते हैं, उन्हें 1 अरब डॉलर का योगदान देना होगा।

ट्रम्प का दावा- पुतिन गाजा पीस बोर्ड में शामिल होंगे

ट्रम्प ने दावा किया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने यह बयान स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान दिया। पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि पुतिन को न्योता दिया गया था और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है।

दूसरी तरफ पुतिन ने कहा है कि बोर्ड में औपचारिक भागीदारी पर अंतिम फैसला रणनीतिक साझेदारों से सलाह के बाद ही लिया जाएगा।

व्हाइट हाउस के मुताबिक, अब तक करीब 50 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता दिया गया है, जिनमें से 35 से अधिक देशों ने अपनी सहमति दे दी है।

गाजा पीस बोर्ड को रूस 1 अरब डॉलर देगा

रूस ने गाजा पीस बोर्ड को 1 अरब डॉलर देने की पेशकश की है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि भले ही बोर्ड में उसकी औपचारिक भागीदारी पर अंतिम फैसला न हुआ हो, लेकिन वह 1 अरब डॉलर देने पर विचार कर सकता है।

उन्होंने कहा कि यह पैसा उस रूसी संपत्ति से लिया जा सकता है, जिसे अमेरिका ने पिछली सरकार के दौरान फ्रीज कर दिया था।

बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थक इस्लामिक पार्टी सरकार बना सकती है

सर्वे में दूसरे नंबर पर पहुंची, इसने देश की आजादी का विरोध किया था

ढाका, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अगले महीने होने वाले आम चुनाव में एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिल सकता है। लंबे समय तक राजनीति से बाहर रही पाकिस्तान समर्थक कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी पहली बार सरकार बनाने के बेहद करीब पहुंचती नजर आ रही है।

हाल ही में हुए दो अलग-अलग सर्वे में जमात देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को कड़ी टक्कर दे रही है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को 300 सीटों संसदीय पर आम चुनाव होंगे।

जमात-ए-इस्लामी वही पार्टी है जिसने 1971 में बांग्लादेश की आजादी का विरोध किया था और पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था। देश की आजादी के बाद 1972 में इस पर बैन लगा दिया गया था। यह बैन 1975 में हटाया गया और 1979 में जियाउर रहमान के शासन में पार्टी को चुनाव में भाग लेने की अनुमति मिली। अमेरिकी संस्था इंटरनेशनल रिपब्लिकन इंस्टीट्यूट ने दिसंबर में कराए गए एक सर्वे में बताया था कि बीएनपी को 33% और जमात को 29% लोगों का समर्थन मिला है।

वहीं जनवरी में किए गए एक जॉइंट सर्वे में बीएनपी को 34.7% और जमात को 33.6% समर्थन मिला था। यह सर्वे नरेटिव, प्रोजेक्शन बीडी, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड डिप्लोमेसी और जगोरन फाउंडेशन ने मिलकर किया था।

जमात के प्रमुख शफीकुर रहमान का कहना है कि उनकी पार्टी अब विरोध और टकराव की राजनीति नहीं बल्कि लोगों के हितों की राजनीति कर रही है। उन्होंने मेडिकल कैंप लगाने, बाढ़ पीड़ितों की मदद करने और आंदोलन में मारे गए लोगों के परिवारों को सहायता देने की बात कही।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि लोगों में पिछली सरकार की नीतियों को लेकर गुस्सा है, जिसका फायदा जमात को मिला।

2 ट्रकों की आमने-सामने भिड़ंत में 3 मौतें

केबिन काटकर निकाला गया शव, एनएच-30 पर हादसा, 4 घंटे तक लगा रहा जाम

कांकेर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कांकेर जिले में एक सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। आज (गुरुवार) तड़के 3 बजे ग्राम रतेसरा के पास नेशनल हाईवे-30 पर दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रक बुरी तरह डैमेज हो गए। केबिन काटकर दोनों गाड़ी के ड्राइवर और हेल्पर का शव निकाला गया है। मामला चारामा थाना क्षेत्र का है। तीन मृतकों में दोनों ट्रक के ड्राइवर और एक हेल्पर शामिल है। हादसे के कारण नेशनल हाईवे-30 पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई और सड़क के दोनों ओर लंबा जाम लग गया था, जिसे 4 घंटे बाद पुलिस ने हटाया है। दोनों गाड़ी की रफ्तार तेज थी। आमने सामने की टक्कर हुई है।

मृतकों में 2 एक ही ट्रक पर सवार थे। एक अन्य की पहचान अभी बाकी है। सूचना मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग और चारामा थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

ग्रीनलैंड पर डेनमार्क की दो टूक

पीएम बोलीं- संप्रभुता से समझौता नहीं, सुरक्षा के मुद्दे पर बात को तैयार

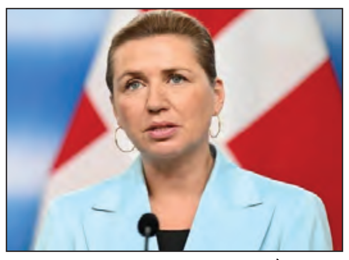

कोपेनहेगन, 22 जनवरी (एजेंसियां)। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने गुरुवार को साफ कर दिया कि उनका देश अपनी संप्रभुता यानी देश के अधिकारों पर कोई बातचीत नहीं करेगा। यह बयान तब आया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वह नाटो (नाटो) प्रमुख के साथ आर्कटिक सुरक्षा के एक समझौते पर सहमत हो गए हैं।

ट्रंप ने हटाए टैरिफ

ट्रंप ने हाल ही में उन कर (टैरिफ) को हटा दिया है, जो उन्होंने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण के लिए दबाव बनाने के लिए आठ यूरोपीय देशों पर लगाने की धमकी दी थी। हालांकि, इसके तुरंत बाद उन्होंने फिर कहा कि वह ग्रीनलैंड का पूरा अधिकार और स्वामित्व चाहते हैं। उन्होंने कहा कि गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस प्रोग्राम के संबंध में ग्रीनलैंड पर अतिरिक्त चर्चा की जा रही है। गोल्डन डोम एक मल्टीलेयर, 175 बिलियन अमेरिकी डॉलर का डिफेंस प्रोग्राम है। इसके तहत पहली बार अमेरिकी हथियारों को अंतरिक्ष में तैनात किया जाएगा।

प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसेन ने कहा कि आर्कटिक की सुरक्षा नाटो का मामला है। इस पर चर्चा होना स्वाभाविक है। उन्होंने बताया कि उनकी नाटो महासचिव मार्क रुटे से लगातार बात हुई है। उन्होंने साफ किया कि सुरक्षा और निवेश पर बात हो सकती है, लेकिन देश की संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि डेनमार्क और ग्रीनलैंड से जुड़े फैसले सिर्फ वही ले सकते हैं। फ्रेडरिकसेन ने यह भी कहा कि वह सुरक्षा और 'गोल्डन डोम' प्रोग्राम पर सहयोगियों से बात करने को तैयार हैं, लेकिन यह सब देश की सीमाओं का सम्मान करते हुए ही होना चाहिए।

यूरोपीय यूनियन ने भारत से रक्षा समझौते को मंजूरी दी

अगले हफ्ते दिल्ली में डील होगी, ईयू बोला- आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में मदद मिलेगी

ब्रुसेल्स, 22 जनवरी (एजेंसियां)। यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने भारत के साथ नए रक्षा समझौते (सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट) को मंजूरी दे दी है। अगले हफ्ते नई दिल्ली में होने वाले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में इस पर साइन होंगे।

ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कलास ने बुधवार को यूरोपीय संसद में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा यह साझेदारी एक बड़े रणनीतिक एजेंडे का हिस्सा होगी।

इस एजेंडे में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), डिफेंस एंड सिक्योरिटी डील, साइबर सिक्योरिटी, समद्री सुरक्षा और काउंटर टेररिज्म शामिल है।

यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत आ रहे हैं। वे 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। भारत-ईयू शिखर सम्मेलन अगले दिन 27 जनवरी को होगा।

कलास ने बताया कि भारत और ईयू के बीच सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट से आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे समुद्री सुरक्षा और साइबर सिक्योरिटी जैसे सेक्टर्स में सहयोग बढ़ेगा।

कलास ने कहा कि यूरोप भारत के साथ एक नए और मजबूत एजेंडे पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत, यूरोप की आर्थिक मजबूती के लिए बहुत जरूरी होता जा रहा है।

भारत आ रहे ईयू के प्रतिनिधिमंडल में लगभग 90 सदस्य शामिल होंगे। इनमें काजा कलास, ट्रेड कमिश्नर मारोस सेफकोविक और कई डायरेक्टर्स रहेंगे।

भारत और ईयू के बीच 27 जनवरी को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन हो सकते हैं। इसके लिए दोनों देश कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करेंगे।

पहले यूरोपीय संसद को हां करनी होगी। यूरोपीय काउंसिल की मंजूरी के बाद ट्रेड कमिश्नर सेफकोविक इसे भारत के सामने साइन के लिए पेश करेंगे।

समिट के दौरान भारत और ईयू 2030 तक के लिए एक राजनीतिक एजेंडा भी पेश करेंगे।

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए प्रचार शुरू

शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद पहला इलेक्शन

ढाका, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पहले राष्ट्रीय चुनावों के लिए गुरुवार को प्रचार शुरू हो गया। बांग्लादेश की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने राजधानी ढाका और दूसरी जगहों पर 12 फरवरी को होने वाले चुनाव से पहले प्रचार रैलियां शुरू कर दी हैं। इस चुनाव को बांग्लादेश के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद एक अंतरिम सरकार के तहत हो रहा है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने का वादा किया है, लेकिन उनके प्रशासन द्वारा हसीना की अवामी लीग पार्टी पर प्रतिबंध लगाने के बाद उनकी मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। बांग्लादेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी चिंताएं हैं, लेकिन सरकार का कहना है कि मतदान शांतिपूर्ण रहेगा। शेख हसीना की सरकार के खिलाफ हुए हिंसक आंदोलन में कई लोगों की मौत के बाद 5 अगस्त, 2024 को हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद अंतरिम सरकार बनी। अवामी लीग के चुनाव से बाहर होने के बाद, जमात-ए-इस्लामी पार्टी चुनाव मैदान में है। जमात ए इस्लामी 10-पार्टियों वाले गठबंधन के साथ बांग्लादेश की राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

जमात-ए-इस्लामी को लंबे समय से धर्मनिरपेक्ष समूहों की आलोचना का सामना करना पड़ा है, इन धर्मनिरपेक्ष समूहों का आरोप है कि जमात ए इस्लामी के विचार बांग्लादेश की धर्मनिरपेक्ष नींव को चुनौती देते हैं। शेख हसीना सरकार के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं द्वारा बनाई गई नई पार्टी, नेशनल सिटिजन पार्टी, या एनसीपी भी इस गठबंधन का हिस्सा है। फिलहाल इस चुनाव में बीएनपी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान को प्रधानमंत्री पद के लिए एक प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। उनकी पार्टी को उनकी मां की मजबूत राजनीतिक विरासत के कारण अच्छा समर्थन मिला है।

हार्वर्ड प्रोफेसर बोलीं-भारत को टैरिफ से ज्यादा पॉल्यूशन से खतरा

गीता गोपीनाथ ने कहा- हर साल 17 लाख लोग मर रहे, फिर भी ध्यान नहीं

दावोस, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर गीता गोपीनाथ ने पॉल्यूशन को भारत के लिए टैरिफ से ज्यादा बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने ये बयान बुधवार को दावोस में भारतीय मीडिया से बात करते हुए दिया। गीता यहां वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की मीटिंग में शामिल होने पहुंची थीं।

उन्होंने कहा कि जब नए कारोबार और आर्थिक विकास की बात होती है, तो चर्चा ज्यादातर व्यापार, टैरिफ और नियमों तक सीमित रहती है, जबकि प्रदूषण को उतनी अहमियत नहीं दी जाती। उन्होंने कहा कि भारत में प्रदूषण एक बड़ी चुनौती है और इसका असर अब तक लगाए गए किसी भी टैरिफ से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाला है।

उन्होंने कहा कि वर्ल्ड बैंक की 2022 की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर साल करीब 17 लाख लोगों की मौत प्रदूषण के कारण होती है। यह देश में होने वाली कुल मौतों का लगभग 18% है।

गीता गोपीनाथ ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत से परिवारों पर असर पड़ता है, कामकाजी लोगों की संख्या घटती है और देश के लंबे समय के विकास को नुकसान होता है।

उन्होंने कहा कि प्रदूषण की वजह से लोगों की काम करने की क्षमता घटती है, इलाज पर खर्च बढ़ता है और देश की आर्थिक गतिविधियों पर बुरा असर पड़ता है। इससे विकास की रफ्तार धीमी होती है। गीता गोपीनाथ ने कहा कि प्रदूषण सिर्फ भारत की अंदरूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह उन विदेशी निवेशकों के लिए भी चिंता का विषय है जो भारत में इन्वेस्ट करने के बारे में सोच रहे हैं। गीता गोपीनाथ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय निवेशक जब भारत में कारोबार शुरू करने और यहां रहने की योजना बनाते हैं, तो वे पर्यावरण को भी ध्यान में रखते हैं। खराब हवा और खराब रहने की स्थिति, खासकर स्वास्थ्य से जुड़े खतरे, निवेशकों को रोक सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह चिंता उन भारतीयों के लिए और भी ज्यादा है जो रोज प्रदूषित शहरों में रहते और काम करते हैं। प्रदूषण पर कंट्रोल और नियमों में ढील जैसे मुद्दों पर तुरंत पॉलिसी लेवल पर कदम उठाने की जरूरत है।

बिजली विभाग के गोदाम में आग

धनबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद शहर के सरायढेला थाना क्षेत्र के बलियापुर रोड स्थित बिजली विभाग के गोदाम में गुरुवार सुबह आग लग गई। घटना के बाद इलाके में धुआं फैल गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बलियापुर रोड पर जेपी अस्पताल के पास स्थित इस गोदाम से धुआं निकलते देखा गया, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। गोदाम में बिजली से जुड़े उपकरण, केबल, ट्रांसफॉर्मर के पुर्जे और अन्य सामग्री बड़ी मात्रा में रखी थी। ये सभी सामग्री आग की चपेट में आकर जल गईं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस घटना में लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग और सरायढेला थाना को जानकारी दी। दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया।

कोडरमा-गिरिडीह रोड पर सड़क हादसा

कोडरमा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-गिरिडीह मेन रोड पर रात डेढ़ बजे इंदरवा गांव के पास आमने-सामने दो पिकअप वाहनों की जोरदार टक्कर हो गई।

इस दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दो अन्य को मामूली चोटें आई हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों पिकअप वाहन सड़क पर ही पलट गए।

जानकारी के अनुसार, एक पिकअप वैन डोमचांच थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव से टमाटर लादकर हजारीबाग की ओर जा रही थी। इसी दौरान विपरीत दिशा से मुर्गी लादकर आ रही थी।

टक्कर के बाद टमाटर लदे वाहन से सैकड़ों टमाटर सड़क पर बिखर गए, वहीं मुर्गी लदे वाहन के पलटते ही मुर्गियां इधर-उधर भागने लगीं। हादसे में गंभीर रूप से घायल लोगों की पहचान 41 वर्षीय राजकुमार दास (पिता कैलाश दास) और 19 वर्षीय रोहित यादव (पिता महेंद्र यादव) के रूप में हुई है। दोनों घायल हजारीबाग जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। सूचना मिलने पर कोडरमा और डोमचांच थाना की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों गंभीर घायलों को सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत स्थिर बनी हुई है, लेकिन उन्हें निगरानी में रखा गया है।

क्रोएशिया में भारतीय दूतावास में तोड़फोड़

तिरंगा हटाने का दावा, भारत ने विरोध जताया

जाग्रेब, 22 जनवरी (एजेंसियां)। क्रोएशिया में भारतीय दूतावास में हुई तोड़फोड़ की घटना को लेकर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

यह घटना क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब में स्थित भारतीय दूतावास में हुई, जहां घुसपैठ कर तिरंगा हटाने का दावा किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बयान जारी कर कहा कि यह घटना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। भारत ने क्रोएशिया सरकार से दूतावास की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इस घटना के पीछे खालिस्तानी संगठनों की भूमिका हो सकती है।

खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें वह भारतीय दूतावास से तिरंगा हटाए जाने का दावा करता नजर आ रहा है।

हालांकि, इस घटना की तारीख को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि विएना कन्वेंशन के अनुसार किसी भी देश को अपने यहां मौजूद विदेशी दूतावासों की सुरक्षा और सम्मान बनाए रखना होता है।

दावोस में गर्लफ्रेंड केटी पेरी के साथ पहुंचे कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो

दावोस, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पॉप स्टार केटी पेरी और कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में हिस्सा लेने के लिए दावोस में हैं। स्विट्जरलैंड के दावोस में बुधवार को दोनों एक वीडियो को लेकर इंटरनेट यूजर्स के निशाने पर आ गए। यह मामला ट्रूडो के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पहुंचने और उनको पेरी के समर्थन के लिए वहां मौजूद होने से जुड़ा है। ट्रूडो के कार्यक्रम में पेरी के पहुंचने पर यूजर्स प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

वर्कप्लेस में लैंगिक समानता पर काम करने वाले संगठन द फीमेल कोशिएंट ने इक्वालिटी लाउंज में पेरी और ट्रूडो का एक वीडियो शेयर किया। यह एक ऐसी जगह है, जिसे संगठन फोरम में लैंगिक भेदभाव, वेतन अंतर और महिलाओं के नेतृत्व पर चर्चा को उजागर करने के लिए होस्ट करता है। द फीमेल कोशिएंट ने कहा कि पेरी ट्रूडो को सपोर्ट करने के लिए लाउंज में 'चुपके से' आई थीं, जब वह एक इवेंट में अपनी पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ केटी टेलफोर्ड के साथ दिखाई दिए थे। संगठन ने कहा कि यह उपस्थिति इस बात की याद दिलाती है कि मौजूद रहना हमेशा मायने रखता है।

पोस्ट में कहा गया है, 'कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो और उनकी गर्लफ्रेंड पॉप स्टार केटी पेरी WEF26 में FQ लाउंज में हमारे साथ शामिल हुए।

छत्तीसगढ़- बलौदाबाजार के प्राइवेट स्टील प्लांट में ब्लास्ट, 6 मौतें

5 की हालत गंभीर, गर्म राख मजदूरों पर गिरी, मृतक बिहार के रहने वाले

बलौदाबाजार, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बलौदाबाजार जिले के बकुलाही इलाके में स्थित स्पंज आयरन प्लांट में हुए ब्लास्ट से अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। शुरुआती जांच में ये सामने आया है कि डस्ट सेटलिंग चैंबर से गर्म राख (ऐश) ले जा रही पाइपलाइन में लीकेज हो गया था। फिलहाल, टीम जांच कर रही है। विस्फोट प्लांट की कोल भट्टी (कोल किल्न) में गुरुवार सुबह करीब 9.40 बजे हुआ। ब्लास्ट के दौरान गर्म मलबा (राख) नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिरा, जिससे कई लोग झुलस गए। धमाके के बाद दूर तक धुएं का गुबार दिखा।

घायलों को तत्काल भाटापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से घायलों को बिलासपुर के बर्न ट्रीटमेंट सेंटर भेजा गया है। मृतक बिहार के रहने वाले हैं। कंपनी की ओर से मृतकों को 20 लाख और घायलों को 5 लाख मुआवजा देने की घोषणा की गई है। मौके पर कलेक्टर दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के साथ जिला प्रशासन की टीम मौजूद है। रियल स्टील प्लांट को सील कर दिया गया है। प्लांट प्रबंधन से पूछताछ की जा रही है। फैक्ट्री नितेश अग्रवाल की बताई जा रही है। कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि बकुलाही क्षेत्र में रियल इस्पात कंपनी में सुबह करीब 9:40 बजे बड़ा हादसा हुआ। कोल भट्टी (कोल किल्न) के डस्ट सेटलिंग चैंबर से गर्म राख (ऐश) ले जा रही पाइपलाइन में लीकेज हो गया, जिससे गर्म राख नीचे गिर गई। इस हादसे में नीचे काम कर रहे 6 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए बिलासपुर के बर्न ट्रीटमेंट सेंटर भेजा गया है।

कलेक्टर ने बताया कि घायल मजदूरों के बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर कलेक्टर से भी संपर्क किया गया है। श्रम विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची है, ताकि प्लांट प्रबंधन पर नियम अनुसार कार्रवाई की जा सके और मृतकों के परिवारों व प्रभावित मजदूरों को उचित मुआवजा दिलाया जा सके। आधार कार्ड के माध्यम से मृत मजदूरों की पहचान कर ली गई है। सभी मजदूर बिहार के रहने वाले हैं। एसपी भावना गुप्ता ने बताया कि इस हादसे में कुल 11 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। इनमें से 6 लोगों की बर्न इंजरी से मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस की प्राथमिकता रेस्क्यू ऑपरेशन है। शुरुआती जांच में पता चला है कि सुबह की शिफ्ट में 50 से ज्यादा मजदूर काम पर मौजूद थे। सभी मजदूरों का एक-एक कर सत्यापन किया जा रहा है।

वहीं प्लांट के मालिक नितेश अग्रवाल ने बताया कि रोज की तरह हाउस कीपिंग का काम चल रहा था तभी डीएससी में डस्ट मटेरियल गिरा, जो काफी गर्म रहता है। मटेरियल नीचे काम कर रहे लोगों के ऊपर गिरने से ये हादसा हो गया। प्रबंधन ने कहा कि सरकारी नियमों के साथ कंपनी की ओर से मृतकों और प्रभावितों के परिजनों को पूरा मुआवजा दिया जाएगा।

स्पंज आयरन प्लांट में लौह अयस्क से स्पंज आयरन तैयार किया जाता है। यह प्रक्रिया डायरेक्ट रिडक्शन तकनीक से होती है, जिसमें कोयला या गैस की मदद से अयस्क से ऑक्सीजन हटाई जाती है।

600 किलो सोना दान करने वाली दरभंगा महारानी का मृत्युभोज

ब्राह्मणों को चांदी के बर्तन, एसी-कूलर, फ्रिज-वॉशिंग मशीन का दान 1 लाख लोगों के खाने का इंतजाम

दरभंगा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दरभंगा राज परिवार की अंतिम महारानी कामसुंदरी देवी की बाहरवीं पर आज गुरुवार को महाभोज हो रहा है। इसमें ब्राह्मणों को चांदी की थाली, ग्लास, कटोरी, चम्मच और बिस्किट दान में दिए जा रहे हैं। साथ ही एसी-कूलर, फ्रिज-वॉशिंग मशीन जैसी चीजें भी दान में दी गई हैं। श्राद्ध भोज में 1 लाख लोगों के खाने का इंतजाम किया गया है। बाल्टियों में दही, टब में गुलाब जामुन भरकर तैयार हैं। करीब 5 लाख मिठाइयां बनाई गई हैं। इस भोज में देश के कई राजघरानों के लोग शामिल हो रहे हैं। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के साथ साधु-संत भी इसमें शामिल हुए। 56 भोग, पारंपरिक मिथिला व्यंजन, 10-12 तरह की मिठाइयां और राजसी खान-पान की व्यवस्था की गई है। आयोजकों के अनुसार, करीब 3,000 तरह के व्यंजन तैयार किए जा रहे हैं।

छालीवुड डायरेक्टर मोहित साहू ने गर्लफ्रेंड से की मारपीट

लहूलुहान हालत में थाने पहुंची युवती, बोली- उज्जैन ले जाकर दूसरी शादी की, अब मुकरा

रायपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री (छालीवुड) के मशहूर फिल्म निर्माता मोहित साहू ने अपनी गर्लफ्रेंड से बेरहमी से मारपीट की है। पीड़िता का आरोप है कि मोहित साहू ने उससे शादी का झांसा देकर उज्जैन ले जाकर विवाह किया, लेकिन बाद में अपनी दूसरी शादी होने की बात कहकर मुकर गया।

पीड़िता के अनुसार, जब उसने दूसरी शादी का विरोध किया तो मोहित साहू ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से मारपीट की। हमले में युवती के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद वह लहूलुहान हालत में पुरानी बस्ती थाने पहुंची, जहां उसने शिकायत दर्ज कराई।

जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के भाटागांव स्थित सिल्वर ओक अपार्टमेंट के ब्लॉक-410 का है। जहां फिल्म निर्माता मोहित साहू ने अपनी गर्लफ्रेंड से बेरहमी से मारपीट की है। पुलिस जांच के दौरान फ्लैट के अंदर टूटी हुई कुंडी और खून के निशान मिले हैं। जिससे मारपीट की पुष्टि हुई है।

घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें युवती के सिर से खून बहता साफ नजर आ रहा है। वीडियो देखकर यह आशंका जताई जा रही है कि उस पर किसी ठोस वस्तु से हमला किया गया। वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है।

सुरक्षाकर्मियों के पैर छूकर माफी मांगी

बताया जा रहा है कि, घटना के दौरान कॉलोनी के सिक्योरिटी गार्ड और स्थानीय रहवासी मौके पर पहुंच गए थे। आरोप है कि स्थिति बिगड़ते देख फिल्म निर्माता मोहित साहू ने सुरक्षाकर्मियों के पैर छूकर माफी मांगी, ताकि मामला बाहर न जाए।

मारपीट के बाद पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा, जहां उसका इलाज जारी है। पुरानी बस्ती पुलिस ने युवती की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल आरोपी फिल्म निर्माता मोहित साहू की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट, वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुरानी बस्ती थाना प्रभारी ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है।

मुंबई समेत 15 नगर निगम में महिला महापौर होंगी

उद्धव गुट का आरोप- बीएमसी के लिए नियम बदले, ओबीसी या एसटी का मेयर होना था

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से मुंबई समेत 15 में महिलाएं मेयर होंगी। गुरुवार को मुंबई में लॉटरी सिस्टम से इन्हें चुना गया। परभणी नगर निगम पर महिला महापौर को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है।

लॉटरी सिस्टम पर शिवसेना (यूबीटी) नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला लेने के नियम बिना किसी को बताए बदल दिए गए। पिछले दो मेयर सामान्य वर्ग के थे, इसलिए नई मेयर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) या अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग से होना चाहिए था।

29 में से 12 सीटें एसटी, एससी, ओबीसी कैटेगरी के लिए आरक्षित की गई हैं, जबकि 17 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में महापौर एससी कैटेगरी का होगा। मुंबई में 8वीं बार महिला को यह पद मिलेगा। इससे पहले किशोरी पेडनेकर मेयर थीं। इन नगर निगमों में 15 जनवरी को मतदान हुआ था और रिजल्ट 16 जनवरी को आया था।

लॉटरी के बाद आगे क्या

मेयर के लिए कैटेगरी रिजर्वेशन के बाद तय तारीख पर उम्मीदवार पर्चा भरेंगे। तारीख का ऐलान बाद में किया जाएगा। मेयर का चुनाव पार्षद करते हैं। इसके नगर निगमों में सदन की विशेष बैठक बुलाई जाएगी। जहां पीठासीन अधिकारी की मौजूदगी में वोटिंग होगी। चुनाव से पहले पार्टियां व्हिप जारी करती हैं। अगर किसी पार्षद ने अपनी पार्टी के खिलाफ वोट दिया, तो उसकी सदस्यता रद्द हो सकती है।

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा और उसके गठबंधन वाली पार्टियों यानी महायुति ने एकतरफा जीत हासिल की। 29 नगर निगमों की 2,869 सीटों में से बीजेपी ने 1425 सीटें जीती हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 399 और अजित पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को 167 सीटों पर जीत मिली।

बिहार के साथ बैंक सौतेला व्यवहार कर रहा

कृषि मंत्री रामकृपाल यादव बोले- लोन नहीं मिलने से विकास बाधित, रवैया सुधारने की दी चेतावनी

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं को लेकर बैंकों की कार्यप्रणाली पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। पटना के अधिवेशन भवन में आज राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की वित्त विभाग सहित कई विभागों के मंत्रियों और बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक में बैंकों की लापरवाही खुलकर सामने आ गई।

बैठक के बाद सरकार के तीन वरिष्ठ मंत्रियों ने बैंकों पर तीखी नाराजगी जाहिर की और कार्यप्रणाली में सुधार की चेतावनी दी।

उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि बैठक में यह साफ नजर आया कि बैंक राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं पर पूरी तरह खरे नहीं उतर रहे हैं। कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने भी बैंकों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक बिहार के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं।

योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए बैंकों का सहयोग बेहद जरूरी है, लेकिन लगातार देखा जा रहा है कि बैंक बिहार के लोगों को सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने इसे गंभीर और खतरनाक लापरवाही करार दिया और बैंकों को अपनी कार्यप्रणाली सुधारने का निर्देश दिया। वहीं बैठक के बाद वित्त मंत्री विजेंद्र यादव ने बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि बैंकों के कामकाज की निगरानी के लिए एक कमेटी का गठन कर दिया गया है।

यह कमेटी राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर बैंकों की भूमिका पर नजर रखेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि कई बैंक योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर रहे हैं, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने आरोप लगाया कि बैंक बिहार के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंक न तो किसानों को समय पर ऋण दे रहे हैं और न ही आम लोगों को योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है। इससे बिहार के विकास की रफ्तार प्रभावित हो रही है।

रामकृपाल यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों बिहार को विकसित राज्य बनाना चाहते हैं, लेकिन बैंकों का असहयोग इस लक्ष्य में बड़ी बाधा बन रहा है। बैठक में बैंकों को साफ संदेश दिया गया है कि वे अपना रवैया सुधारें, अन्यथा सरकार कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी।

सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

गिरिडीह, 22 जनवरी (एजेंसियां)। गिरिडीह में गुरुवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत खंडोली मोड़ के पास मधवाडीह में हुआ। घटना बाइक के अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराने से हुई।

मृतक की पहचान राजेश साव उर्फ टिंकू साव (30) के रूप में हुई है। वह जेरूआडीह पंचायत के डाकबंगला पिरहाकट्टा गांव का निवासी था और डाकबंगला चौक पर किराना दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। राजेश साव की छह महीना पूर्व ही शादी हुई थी। जानकरी के अनुसार, युवक अपनी पत्नी को मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सीतलपुर स्थित मायके छोड़कर शाम बाइक से घर लौट रहा था।

रूडी बोले- बिहार में तेजस्वी की वजह से बढ़ा अपराध

नीट छात्रा रेप-मौत केस, शंभू गर्ल्स हॉस्टल के बाहर महिलाओं का प्रदर्शन, बोली-होस्टल पर बुल्डोजर चले

जहानाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के मामले का अबतक खुलासा नहीं हो पाया है। एसआईटी की जांच जारी है, लेकिन अबतक किसी तरह के बड़े ब्रेक थ्रू की जानकारी नहीं है।

वही, मामले को लेकर कई महिलाएं 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं' के तख्ती लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। महिलाओं का कहना है, 'जब तक इस होस्टल को बुल्डोजर से गिराने का नोटिस जारी नहीं होगा, तब तक हमलोग हीं बैठे रहेंगे।'

महिलाओं का आरोप है कि मृत छात्रा के आरोपी हॉस्टल में ही बैठकर दही-चूड़ा और दूध खा रहे हैं, लेकिन सरकार कुछ नहीं कर रही है। पीछे के दोनों गेट खुले हैं। मेन गेट की सील भी नहीं किया गया। जब तक सरकार के लोग यहां नहीं आएंगे हमलोग यहां से नहीं हटेंगे।

इधर, बीजेपी सांसद राजीव प्रताप रूडी ने बिहार मे बढ़ रहे अपराध के लिए तेजस्वी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा, तेजस्वी जब बिहार से बाहर थे तो अपराध कम था। अब जब वे लौट आए हैं तो अपराध बढ़ गया है।' प्रदर्शन कर रही महिला गुड़िया कुमारी ने बताया, 'हम लोग तब तक यहीं पर बैठे रहेंगे जब तक यहां पर नोटिस नहीं लगेगा। जब तक यहां पर सरकारी लोग नहीं आएंगे तब तक हम लोग यहीं बैठे रहेंगे। हमलोगों की मांग है कि शंभू गर्ल्स होस्टल को बुल्डोजर से गिराया जाए, तभी ये विवाद कम होगा।'

उसने बताया, बच्ची को प्रभात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मां उससे बातचीत करने पहुंची थी, लेकिन उसे बातचीत करने नहीं दिया गया। अस्पताल से हाथ पकड़कर उसे बाहर निकाल दिया गया। बोला गया उससे कोई बातचीत नहीं करनी है। हमलोग भी डॉक्टर से बात करने गए तो हमलोगों को भी भगा दिया गया।

वहीं, एक दूसरी महिला का कहना है, 'शंभू होस्टल के दो दरवाजे खुले हुए हैं। हॉस्टल को सीज नहीं किया है और न नोटिस लगाया गया है। लड़की के रेपिस्ट ऊपर में बैठकर दही, दूध, रोटी खा रहा है। अभी तक गेट दरवाजे खुले हुए हैं।'

चमत्कार! बंदर ने नवजात को कुएं में गिराया

'डायपर' ने डूबने से बचाया, लाइफ जैकेट की तरह किया काम

रायपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जिसने में सुना वह दंग रह गया। कुछ लोग इसे चमत्कार मान रहे तो कोई ईश्वर का आशीर्वाद मान रहे हैं। दरअसल 15 दिन की एक मासूम नवजात को मां की गोद से एक बंदर छीन ले गया था। पेड़ पर चढ़ते समय बच्ची उसके हाथ से छूटकर कुएं में गिर गई। ताज्जुब मानिए बच्ची के 'डायपर' ने उसे डूबने से बचा लिया था और वह 10 से 15 मिनट बाद कुंए से सही-सलामत लौट आई।

जानकारी अनुसार जांजगीर के सिवनी नैला गांव में अरविंद राठौर की पत्नी घर के आंगन में बैठकर अपनी 15 दिन की दुधमुंही बच्ची को दूध पिला रही थी। तभी अचानक एक बंदर आया और पलक झपकते ही महिला की गोद से बच्ची को छीनकर भागने लगा। मां चीखी तो आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण बंदर के पीछे भागने लगे। कुछ दूर जाकर बंदर बच्ची को लेकर पेड़ पर चढ़ गया, जहां हड़बड़ाहट में बच्ची उसके हाथ से फिसल गई और सीधे नीचे बने गहरे कुएं में छपाक से जा गिरी।

नीतीश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट

पटाखा बनाने के दौरान धमाका, एक की मौत, सिर-पैर 20 फीट दूर गिरे

सीवान, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सीवान में सीएम नीतीश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट हुआ है।

ये धमाका पटाखा बनाने के दौरान एक घर में हुआ। इसमें एक की मौत हुई है। धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनी गई। धमाका इतना जोरदार था कि मरने वाले का सिर और पैर 20 फीट दूर जाकर गिरा। धड़ के भी चिथड़े उड़ गए हैं। मृतक की पहचान बड़रम गांव के जाल बदर के 50 साल के मुर्तुजा मंसूरी के रूप में हुई है।

ब्लास्ट की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

धमाके की वजह से घर भी गिर गया है। ये धमाका हुसैनगंज थाना इलाके में बडरम गांव में हुआ है। यहां से 7 किमी की दूरी पर नीतीश कुमार सभा कर रहे थे। एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि पुलिस ने घर को सील कर दिया गया है। बम निरोधक दस्ता को बुलाया गया है। एफएसएल की टीम जांच के लिए पहुंच चुकी है। आसपास के लोगों ने बताया कि तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक गई। आसपास के लोगों के घरों के दरवाजे हिलने लगे।

पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसी ने युवक की गोली मारकर हत्या की

धनबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। यहां पूटकी थाना क्षेत्र के न्यू सुदामाडीह कॉलोनी में बुधवार को देर रात में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अजय सिंह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, अजय सिंह का पड़ोसी टीटू सिंह से पुराना विवाद चल रहा था। रात में दोनों के बीच कहासुनी के बाद यह वारदात हुई। विवाद के बीच टीटू सिंह ने अचानक बंदूक निकालकर अजय सिंह पर गोली चलाई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके परिजन उन्हें तत्काल सदर अस्पताल ले गए।

औरंगाबाद सदर अस्पताल में महिला पर चोरी का आरोप

प्रेग्नेंट महिला ने कहा- लाइन में खड़ी थी, दिव्यांग महिला ने पैसे चुराए, पड़ताल में जुटी पुलिस

औरंगाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। औरंगाबाद सदर अस्पताल में गुरुवार दोपहर चेकअप के लिए पहुंची प्रेग्नेंट महिला से चोरी का मामला सामने आया है।

प्रेग्नेंट महिला की शिकायत पर नगर थाना की पुलिस ने आरोपी महिला को पकड़ लिया है और उससे पूछताछ में जुटी है।

पुलिस का कहना है कि जांच पड़ताल के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में सामने आया है कि पकड़ी गई महिला दिव्यांग है और अक्सर सदर अस्पताल कैंपस में दिखती है। पकड़ी गई महिला पर प्रेग्नेंट महिला से 1400 रुपए की चोरी का आरोप लगा है।

शिकायतकर्ता महिला की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भरथौली शरीफ के रहने वाले कुंदन कुमार की पत्नी रेणु कुमारी के रूप में हुई है।

रेणु कुमारी प्रेग्नेंट हैं और नियमित जांच के लिए सदर अस्पताल पहुंची थी। उसके गोद में एक बच्चा था और हाथ में प्लास्टिक की थैली, जिसमें जरूरी कागजात के साथ 1400 रुपए रखे थे।

रेणु कुमारी के अनुसार, वह जांच के लिए लाइन में खड़ी थी, तभी किसी ने उसकी थैली से रुपए निकाल लिए। कुछ देर बाद जब उसे रुपए गायब होने का एहसास हुआ तो उसने शोर मचाया।

इसी दौरान उसने पास खड़ी रिसीयप थाना क्षेत्र के नोनिया बिगहा गांव निवासी अभिषेक कुमार की पत्नी मनीषा कुमारी को अपने घर की चाबी फेंकते हुए देखा, जिससे उसे संदेह हुआ। इसके बाद रेणु कुमारी ने मनीषा कुमारी पर चोरी का आरोप लगाते हुए बहस शुरू कर दी।

सीजीएमएससी घोटाला: डायसिस इंडिया के मार्केटिंग हेड कुंजल शर्मा गिरफ्तार

रायपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड घोटाला मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी में दर्ज अपराध के तहत डायसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नवी मुंबई के मार्केटिंग हेड कुंजल शर्मा को 21 जनवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी कुंजल शर्मा को 22 जनवरी 2026 को विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), रायपुर में पेश किया गया, जहां से उसे 27 जनवरी 2026 तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। 18 जनवरी 2026 को सीजीएमएससी घोटाला मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो/ आर्थिक अपराध शाखा ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले दुर्ग स्थित मोक्षित कॉरपोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

गिरफ्तार आरोपियों में रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स प्रा.लि., पंचकुला के डायरेक्टर अभिषेक कौशल, श्री शारदा इंडस्ट्रीज रायपुर के प्रोप्राइटर राकेश जैन और रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स के लाइजनर प्रिंस जैन (शशांक चोपड़ा का जीजा) शामिल हैं। इन्होंने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर भरा था।

गिरफ्तार आरोपियों को 19 जनवरी को स्पेशल कोर्ट (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), रायपुर में पेश किया गया, जहां से उन्हें 27 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। ब्यूरो ने बताया कि जनहित से जुड़ी 'हमर लैब योजना' में शासकीय धन के दुरुपयोग से जुड़े सभी पहलुओं की जांच जारी है। साक्ष्यों के आधार पर आगे भी दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जांच में सामने आया है कि डायसिस कंपनी ने मेडिकल उपकरणों के रिएजेंट्स और कंज्यूमेबल्स के लिए निश्चित एमआरपी तय कर रखी थी। इसके बावजूद आरोपी कुंजल शर्मा ने मोक्षित कॉर्पोरेशन को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कंपनी की पॉलिसी को दरकिनार किया।

सरकारी तेल-गैस कंपनियां वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हैं: केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत की तेल और गैस क्षेत्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां तेजी से तकनीक आधारित, लाभकारी और भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा संस्थानों में बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव प्रधानमंत्री मोदी के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के अनुरूप है। मंत्री ने कहा कि तेल और गैस क्षेत्र यह दिखा रहा है कि मजबूत आर्थिक प्रदर्शन और दीर्घकालिक ऊर्जा संक्रमण एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश की तेल-गैस कंपनियां तकनीक आधारित और भविष्य उन्मुख संस्थानों के रूप में विकसित हो रही हैं।

एचपीसीएल बना बदलाव का उदाहरण

पुरी ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड का उदाहरण देते हुए कहा कि कंपनी के लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

उन्होंने बताया कि नौ महीनों की अवधि में एचपीसीएल का कर पश्चात लाभ 206 प्रतिशत बढ़कर 12,274 करोड़ रुपये पहुंच गया।

वहीं तिमाही आधार पर कंपनी का मुनाफा 35 प्रतिशत बढ़कर 4,072 करोड़ रुपये हो गया, जो बेहतर परिचालन दक्षता और वित्तीय मजबूती को दर्शाता है।

बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में मजबूती

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकारी तेल और गैस कंपनियों के बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य के बीच अपनी मजबूती साबित कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि रिफाइनरियां अपनी निर्धारित क्षमता से अधिक उत्पादन कर रही हैं, जिससे परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग और मजबूत मांग का संकेत मिलता है। इसके साथ ही ईंधन और एलपीजी से होने वाली आय में स्थिर वृद्धि और कर्ज में कमी, कंपनियों की संतुलित और टिकाऊ वित्तीय रणनीति को दर्शाती है।

ऊर्जा संक्रमण और भविष्य की तैयारी

पुरी ने कहा कि तेल-गैस कंपनियों की लाभप्रदता के साथ-साथ ऊर्जा संक्रमण पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रिटेल आउटलेट्स का सौर ऊर्जा से संचलान, सीएनजी नेटवर्क का विस्तार और टिकाऊ विमान ईंधन के परीक्षण जैसे कदम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने राजस्थान रिफाइनरी परियोजना की प्रगति को भी भविष्य की ऊर्जा जरूरतों और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

संतुलन और नवाचार पर आधारित ऊर्जा यात्रा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की ऊर्जा यात्रा आज पैमाने और जिम्मेदारी, नवाचार और विश्वसनीयता व सुधार और परिणामों के बीच संतुलन बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सराकारी तेल और गैस कंपनियों न केवल देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं, बल्कि नई तकनीकों और स्वच्छ ईंधन को अपनाकर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी बन रहे हैं।

वैश्विक अनिश्चितताओं का सामना कर रहा भारत

देश की अर्थव्यवस्था पर आरबीआई ने बताया

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि उपभोक्ता संरक्षण, नवाचार और सतर्क नियामक दृष्टिकोण के बीच संतुलन बनाए रखने पर केंद्रित नीति से भारत की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि को मजबूती मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वित्तीय संरचना मजबूत बनी हुई है और यह साबित होता है कि बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों दोनों प्रतिकूल परिस्थितियों में भी पूंजी स्तर को नियामक न्यूनतम से ऊपर बनाए रख सकते हैं। रिपोर्ट आगे बताती है कि आगे बढ़ते हुए नवाचार और स्थिरता के साथ उपभोक्ता संरक्षण व सतर्क नियमन और पर्यवेक्षण पर ध्यान देना उत्पादकता में सुधार और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि को समर्थन देगा। भारत के बैंक मजबूत पूंजी भंडार, सुधरी परिसंपत्ति गुणवत्ता और लाभप्रदता के साथ वैश्विक चुनौतियों के बीच भी स्थिर बने हुए हैं। रिपोर्ट ने वैश्विक माहौल का भी उल्लेख किया है, जिसमें 2026 की शुरुआत में भू-राजनीतिक तनावों का उभार शामिल है। ऐसे कारक भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए जोखिम और नीति अनिश्चितता बनाए रखते हैं, लेकिन इसके

बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था के टिकाऊ प्रदर्शन के लिए आधार मजबूत बना हुआ है।भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमानित रूप से 2025-26 में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था की स्थिति बनाए रखेगी।भारत निर्यात में विविधता लाने और जोखिमों को कम करने का प्रयास कर रहा रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया गया है कि भारत निर्यात में विविधता लाने और बाहरी क्षेत्र से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है, और 14 देशों या समूहों के साथ व्यापार वार्ता जारी है। हाल ही में न्यूजीलैंड और ओमान के साथ व्यापार समझौते भी निष्कर्ष पर पहुंच चुके हैं। इसके अतिरिक्त, आरबीआई ने कहा कि 2025 में प्रमुख आर्थिक सुधार देखने को मिले, जिनमें कर संरचनाओं का युक्तिकरण, श्रम बाजार सुधारों के लिए श्रम संहिता का कार्यान्वयन और वित्तीय क्षेत्र का विनियमन शामिल है।

भारतीय बाजार हरे निशान पर हुआ बंद

सेंसेक्स 398 अंक उछला, निफ्टी 25250 के पार

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड पर सुलह का रुख अपनाने के बाद वैश्विक बाजारों में आई तेजी के चलते बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गुरुवार को तीन सत्रों की गिरावट के बाद उछाल आया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 397.74 अंक या 0.49 प्रतिशत चढ़कर 82,307.37 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान, बेंचमार्क 873.55 अंक या 1.06 प्रतिशत बढ़कर 82,783.18 के अंतर्देशीय उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 132.40 अंक या 0.53 प्रतिशत बढ़कर 25,289.90 पर पहुंच गया। इंट्राडे सत्र में, सूचकांक 278.25 अंक या 1.10 प्रतिशत बढ़कर 25,435.75 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। गुरुवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से मामूली रूप से उबरते हुए 3 पैसे बढ़कर 91.62 (अस्थायी) पर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 घटकों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, टाटा स्टील, अदानी पोर्ट्स, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, सन फार्मास्यूटिकल्स, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एनटीपीसी लाभ कमाने वाले शेयर थे। दूसरी ओर, इटरनल, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और एचडीएफसी बैंक पिछड़ने वालों में शामिल थे। लेमन मार्केट्स डेस्क के रिसर्च एनालिस्ट गौरव गर्ग ने कहा कि वैश्विक सकारात्मक संकेतों और भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी के चलते भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को शुरुआती बढ़त में थोड़ी कमी के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा यूरोपीय संघ के खिलाफ टैरिफ की धमकियों को वापस लेने और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की संभावना पर उनकी आशावादी टिप्पणियों के बाद बाजार की भावना में सुधार हुआ, जिससे शॉर्ट-कवरिंग और जोखिम लेने को प्रोत्साहन मिला। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि शुरुआती दौर के कंपनी आय आंकड़ों से मौजूदा मूल्यांकन स्तरों को कोई खास समर्थन नहीं मिला। फिर भी, निवेशकों ने मजबूत घरेलू मांग के माहौल से संभावित लाभ की संभावना से इनकार नहीं किया है, जो आगामी तिमाही आय घोषणाओं में अधिक स्पष्ट हो सकता है।

अहमदाबाद हादसे ने बिगाड़ा 'गणित', एअर इंडिया को करीब 15,000 करोड़ के रिकॉर्ड घाटे की आशंका

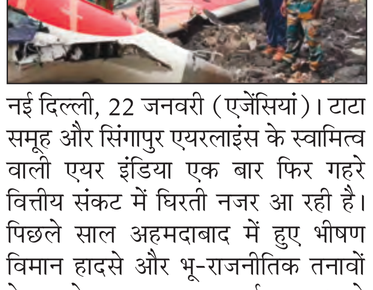

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एक बार फिर गहरे वित्तीय संकट में घिरती नजर आ रही है। पिछले साल अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे और भू-राजनीतिक तनावों के चलते एयरलाइन 31 मार्च, 2026 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 1.6 अरब डॉलर (करीब 15,000 करोड़ रुपये) का घाटा दर्ज कर सकती है। यह जानकारी मामले से जुड़े सूत्रों ने दी है, जो एयरलाइन के टर्नअराउंड प्लान को लगे इस बड़े झटके की पुष्टि करते हैं।यह अनुमानित घाटा एयर इंडिया के लिए एक बड़ा यू-टर्न है क्योंकि जून में हुए ड्रीमलाइनर हादसे से पहले एयरलाइन मुनाफे की ओर बढ़ रही थी। संस्थापकों ने इस वित्त वर्ष में परिचालन ब्रेक-इवन हासिल करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन अब लाभप्रदता दूर की कौड़ी नजर आ रही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया, जो टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम है, के लिए यह साल बेहद उथल-पुथल भरा रहा है। पिछले तीन वर्षों में एयरलाइन को कुल 32,210 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, और पिछले साल ही इसने 10,000 करोड़ रुपये की नई वित्तीय सहायता मांगी थी।एयरलाइन की बैलेंस शीट पर सबसे गहरी चोट जून में हुए ड्रीमलाइनर क्रैश ने पहुंचाई, जिसमें 240 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इस हादसे ने एयरलाइन की उस प्रगति को मटियामेट कर दिया जो उसने वर्षों की मेहनत से हासिल की थी। इसके अलावा, भारत के साथ सैन्य झड़प के बाद पाकिस्तान द्वारा अपने हवाई क्षेत्र को भारतीय एयरलाइनों के लिए बंद करने से भी एयर इंडिया की कमाई पर बुरा असर पड़ा है। इस प्रतिबंध के कारण यूरोप और अमेरिका के लिए उड़ानों को लंबे रूट से जाना पड़ रहा है, जिससे परिचालन लागत में भारी वृद्धि हुई है।बढ़ते घाटे और धीमी रिकवरी को देखते हुए एयर इंडिया का बोर्ड प्रबंधन के मौजूदा प्लान से नाखुश है। सूत्रों के अनुसार, प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत एक नई पंचवर्षीय योजना, जिसमें केवल तीसरे वर्ष में मुनाफे का अनुमान लगाया गया था, को बोर्ड ने खारिज कर दिया है। बोर्ड ने टर्नअराउंड के लिए अधिक आक्रामक दृष्टिकोण की मांग की है। इस बीच, टाटा समूह ने मौजूदा मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैंपबेल विल्सन की जगह लेने के लिए नए नेतृत्व की तलाश शुरू कर दी है, हालांकि यह खोज हादसे की जांच रिपोर्ट आने तक जारी रहने की संभावना है।एयर इंडिया का यह संकट उसके साझेदार सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड के लिए भी चिंता का विषय बन गया है।

कुर्सी छोड़ी और 10 मिनट में कमा लिए 621करोड़

ज़ोमैटो के दीपिंदर गोयल का कारनामा देख सब हैरान!

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कॉर्पोरेट जगत में आमतौर पर जब किसी कंपनी का सीईओ इस्तीफा देता है, तो निवेशकों के बीच घबराहट फैल जाती है और शेयर बाजार में उस कंपनी के शेयर लुढ़क जाते हैं।लेकिन इटरनल लिमिटेड के मामले में गुरुवार को कुछ ऐसा हुआ जिसने सबको चौंका दिया।कंपनी के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल के इस्तीफे की खबर के बावजूद कंपनी के शेयरों में 7 फीसदी से ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया।इस तेजी का सीधा फायदा खुद दीपिंदर गोयल को मिला, जिन्होंने सीईओ का पद छोड़ने के तुरंत बाद ही अपनी संपत्ति में 600 करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा कर लिया.गुरुवार की सुबह बाजार खुलते ही इटरनल लिमिटेड के शेयरों ने रफ्तार पकड़ ली।बीएसई पर कंपनी का शेयर 7.33 फीसदी चढ़कर 304.20 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया।दीपिंदर गोयल, जो कंपनी में 3.83 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं, उनके लिए यह बढ़त किसी जैकपॉट से कम नहीं थी।बुधवार को बाजार बंद होने तक उनकी इस हिस्सेदारी की कुल वैल्यू 10,475 करोड़ रुपये थी।लेकिन गुरुवार को शेयरों में आई इस तेजी के कारण उनकी हिस्सेदारी का मूल्य बढ़कर 11,096 करोड़ रुपये हो गया।यानी महज कुछ ही मिनटों के कारोबार में उनकी 'नोशनल वेल्थ' (कागजी संपत्ति) में 621 करोड़ रुपये का जबरदस्त उछाल आया।यह सब तब हुआ जब उन्होंने घोषणा की कि वे सीईओ का पद छोड़कर अब वाइस चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे.बाजार में इस उत्साह का कारण सिर्फ नेतृत्व परिवर्तन नहीं था, बल्कि कंपनी के दिसंबर तिमाही के शानदार नतीजे भी थे। कंपनी ने राजस्व और मुनाफे के मामले में बाजार के अनुमानों को पीछे छोड़ दिया है।

1 लाख के बना दिए 8.60 करोड़ रुपये

पैसों की बारिश कर रही यह क्रिप्टोकरेंसी, कीमत 12 से कम

नई दिल्ली,22 जनवरी (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भी गुरुवार को रौनक लौट आई। शाम करीब 4 बजे क्रिप्टोमार्केट कैप पिछले 24 घंटे में 1 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 3.04 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गया। पिछले कुछ समय से क्रिप्टो मार्केट में बड़ी उथल-पुथल देखी जा रही थी। इसी बीच कुछ क्रिप्टो ऐसी भी रहीं जिन्होंने निवेशकों पर पैसों की बारिश कर दी। इन्हीं में एक क्रिप्टो सर्ज भी है। इसने एक साल में निवेशकों को करोड़पति बना दिया है।सर्ज में गुरुवार को तेजी देखी गई। शाम 4 बजे यह क्रिप्टो पिछले 24 घंटे में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 0.1295 डॉलर (करीब 11.87 रुपये) पर कारोबार कर रही थी। इसने एक साल में निवेशकों को 86000 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। अगर आपने इसमें एक साल पहले एक लाख रुपये निवेश किए होते तो वह रकम बढ़कर आज 8.60 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी होती। इसने 7 दिनों में निवेशकों की रकम को तीन गुने से ज्यादा कर दिया है। 7 दिन पहले सर्ज क्रिप्टो की कीमत 0.03686 डॉलर (करीब 3.38 रुपये) थी। अब यह क्रिप्टो 0.1295 डॉलर पर कारोबार कर रही है। ऐसे में इसका 7 दिन का रिटर्न 250 फीसदी रहा है। यानी इसने 7 दिनों में एक लाख की रकम को 3.50 लाख रुपये में बदल दिया है। गुरुवार को बिटकॉइन समेत कई बड़ी क्रिप्टो का मिला जुला प्रदर्शन रहा। बिटकॉइन में 24 घंटे में करीब 1 फीसदी की तेजी आई। इस तेजी के साथ यह 90 हजार डॉलर पर कारोबार रही है। वहीं इथेरियम में 1.27%, बाइनेंस और रिपल दोनों में करीब 2.50% और ट्रॉन में करीब 1 फीसदी की तेजी आई है। डॉगकॉइन में भी डेढ़ फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। वहीं पाई नेटवर्क में भी 2 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया।वजीरएक्स के फाउंडर निश्चल शेट्टी का कहना है कि पिछले 24 घंटों में क्रिप्टो बाजारों ने वैश्विक मैक्रो संकेतों पर प्रतिक्रिया दी है। वैश्विक तनाव के कारण अल्पावधि में उतार-चढ़ाव देखा गया है, जिससे व्यापारियों ने लीवरेज कम कर दिया है और सतर्क हो गए हैं। बिटकॉइन और बड़े क्रिप्टो एसेट्स अभी स्थिर हैं क्योंकि बाजार प्रतिभागी जोखिम, तरलता और मैक्रो दिशा का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं।

बजट में 'सभी के लिए बीमा' का सपना होगा साकार

कवरेज बढ़ाने को लेकर उद्योग को क्या उम्मीद

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 1 फरवरी 2026 को वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगी।बीमा उद्योग इसे लेकर काफी उम्मीदें है, उद्योग का कहना है कि सरकार ने पहले ही जीवन बीमा इंश्योरेंस पर से जीएसटी को हटाने का फैसला किया था। इससे जीवन बीमा लगभग 18 प्रतिशत अधिक सस्ता और किफायती हो गया है। लेकिन 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लक्षित नीति और बजटीय उपायों के समर्थन और एक रोडमैप बनाने की जरूरत है। यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ शरद माथुर कहते हैं कि सभी के लिए बीमा उपलब्ध करवाने के लिए केवल इरादे ही नहीं उनके लिए उपायों और समर्थित नीतियों की जरूरत है। 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को पाने के लिए लक्षित नीति और बजटीय उपायों द्वारा समर्थित एक स्पष्ट समयबद्ध रोडमैप की जरूरत होगी। इसके लिए साझा डिजिटल बीमा के बुनियादी ढांचे और बीमा जागरुकता के लिए लगातार काम करने के साथ इसके वित्तपोषण की आवश्यकता है। विशेष रूप से ग्रामीण और कम आय वाले क्षेत्रों के लिए यह जरूरी है। वे कहते हैं कि ये सभी उपाय मिलकर सुरक्षा के गैप को कम करने, बीमा को किफायती बनाने और सार्वभौमिक बीमा के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर पर साकार करने में मदद करेंगे।बंधन लाइफ के एमडी और सीईओ सतीश्वर बी. कहते है कि 2025 में सबसे अच्छे सुधारों में से एक सरकार ने जीवन बीमा इंश्योरेंस पर से जीएसटी को हटाने का फैसला था। इससे जीवन बीमा लगभग 18 प्रतिशत अधिक सस्ता हो गया। इससे अधिक लोगों ने अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए प्रोत्साहित हुए हैं। हमें उम्मीद है कि इस साल का बजट भी इसी रफ्तार को बनाए रखेगा। हमें उम्मींद है कि सरकार बजट में पेंशन उत्पादों को अधिक समर्थन के साथ और ट्रेडिशनल प्लान की तरह प्रीमियम कैप को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर सकती है।

इन उपायों से 2047 तक 'सभी के लिए बीमा' की दिशा में तेजी लाने में बहुत मदद मिलेगी। हालांकि, इनपुट टैक्स क्रेडिट के नुकसान के कारण इंश्योरेंस कंपनियों को ऑपरेशन लागत में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ा है, मुझे उम्मीद है कि बेहतर किफायती दरों और बढ़ी हुई मांग इस असर को कम करने में मदद करेगी।

पहली ही यात्रा में बंपर कमाई, रेलवे का दावा- वंदे भारत स्लीपर की टिकटें चंद घंटों में बिकीं

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। असम के कामाख्या और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच शुरू की गई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन (ट्रेन संख्या 27576) को यात्रियों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। इस ट्रेन की पहली व्यावसायिक यात्रा के लिए सभी श्रेणियों की टिकटें बुकिंग खुलने के 24 घंटे के भीतर ही पूरी तरह बिक गईं।रेलवे के मुताबिक, 22 जनवरी को कामाख्या से रवाना होने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लिए जैसे ही पीआरएस और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बुकिंग शुरू हुई, कुछ ही घंटों में सभी सीटें फुल हो गईं। इतनी तेजी से टिकटों का बिकना इस नई सेवा को लेकर यात्रियों में भारी उत्साह और उम्मीदों को साफ तौर पर दर्शाता है।अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को 17 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। रेलवे के अनुसार, यह ट्रेन 22 जनवरी से कामाख्या से और 23 जनवरी से हावड़ा से अपनी पहली व्यावसायिक सेवा शुरू करेगी।

चांदी 15,000 और सोना 2,700 सस्ता हुआ,एक किलो चांदी घटकर 3.03 लाख पर आई, सोना 1.51 लाख बिक रहा

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। चांदी की कीमतों में आज यानी, गुरुवार 22 जनवरी को गिरावट है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, चांदी 5% या करीब 15 हजार प्रति किलो गिर गई। चांदी सुबह 3,03,584 रुपए पर खुली है। कल ये 3,19,097 लाख रुपए पर बंद हुई थी और कारोबार के दौरान इसने 3,20,075 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। सोना भी 2,728 रुपए गिरकर 1,51,499 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। एक दिन पहले सोने ने

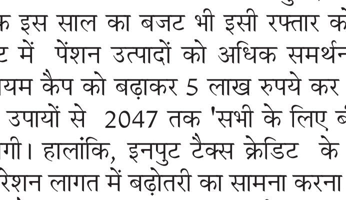

1,55,204 रुपए का हाई बनाया था। फिर 1,54,277 रुपए पर बंद हुआ।

सोना-चांदी सस्ते होने की तीन वजहें

पिछले दिनों आई बड़ी तेजी के बाद हुई मुनाफावसूली से सोना-चांदी सस्ते हुए है। शेयर बाजार में तेजी आने से सुरक्षित निवेश के तौर पर सोना-चांदी की डिमांड घटी है। जियोपॉलिटिकल तनाव कम होने से सोना-चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट आई हैं।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

2025 में सोना 57,033 रुपए (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए हो गई।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मकर	मे
चंद्र	कुंभ	मे
मंगल	मकर	मे
बुध	मकर	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मकर	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय	
मकर...	06-18 बजे
कुंभ....	08-09 बजे
मीन....	09-48 बजे
मेष.....	11-23 बजे
वृष....	13-07 बजे
मिथुन..	15-10 बजे
कर्क...	17-21 बजे
सिंह---	19-33 बजे
कन्या--	21-40 बजे
तुला----	23-45 बजे
वृश्चिक..	01-54 बजे
धनु.....	04-08 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-53
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 18-01
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - माघ शुक्ल पक्ष शुक्रवार 23 January 2026
तिथि - पंचमी 01-46 रात तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - पूर्वाभाद्रपद 14-33 तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - परिघ 15-58 तक उप. शिव
करण - बव 14-10 तक उप. बालव
बसंत पंचमी श्री पंचमी
सरस्वती ज. सुभाष चंद्रबोस ज.

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 11-04 12-28

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
चंचल	06-53 - 08-15	शुभ
लाभ	08-15 - 09-39	शुभ
अमृत	09-39 - 11-04	शुभ
काल	11-04 - 12-28	अशुभ
शुभ	12-28 - 13-52	शुभ
रोग	13-52 - 15-17	अशुभ
उत्पात	15-17 - 16-41	अशुभ
चंचल	16-41 - 18-01	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	18-01 - 19-41	अशुभ
काल	19-41 - 21-17	अशुभ
लाभ	21-17 - 22-52	शुभ
उत्पात	22-52 - 00-28	अशुभ
शुभ	00-28 - 02-04	शुभ
अमृत	02-04 - 03-39	शुभ
चंचल	03-39 - 05-15	शुभ
रोग	05-15 - 06-53	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है ।ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । आज आप भावनात्मक रूप से बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की ओर से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं। आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

मकर (भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

1984 के सिख विरोधी दंगे: जनकपुरी-विकासपुरी हिंसा में पूर्व सांसद सज्जन कुमार बरी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी, विकासपुरी हिंसा मामले में राउज़ ऐवन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया है। इस मामले में आरोपी पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार ने अपने बचाव में कहा था कि वह निर्दोष हैं, और कभी इसमें शामिल नहीं थे और न ही सपने में भी शामिल हो सकते हैं। सज्जन कुमार ने कहा था कि मेरे खिलाफ एक भी सबूत नहीं है। बता दें कि जनकपुरी, विकासपुरी की इस हिंसा के मामले मे दो लोगों को मौत हुई थी।

हाथ जोड़कर कोर्ट का शुक्रिया अदा किया

पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को जब कोर्ट ने बताया कि उन्हें 1984 के सिख विरोधी दंगों के एक मामले में बरी कर दिया गया है, तो सज्जन कुमार ने दोनों हाथ जोड़कर कोर्ट का शुक्रिया अदा किया। सज्जन कुमार के वकील ने जानकारी दी है कि आज इस मामले मे उन्हें बरी कर दिया गया है। सज्जन कुमार की प्रेजेंस इस केस में साबित हो पाई है। 36 साल बाद सज्जन सिंह का नाम इस केस में डाला गया था।

वकील ने क्या बताया?

पूर्व सांसद सज्जन कुमार के वकील अनिल कुमार शर्मा ने कहा, कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया है क्योंकि विकासपुरी और जनकपुरी मामलों में उनके खिलाफ कोई भी आरोप साबित नहीं हो सका। हमने कोर्ट को बताया था कि उन्हें टारगेट किया गया था, क्योंकि उनकी मौजूदगी साबित नहीं हो सकी। अब तक किसी भी गवाह ने उनका नाम नहीं लिया था, लेकिन अब 32 साल बाद ऐसा हुआ है। हम उन्हें बरी करने के लिए न्यायपालिका का शुक्रिया अदा करते हैं।

क्या था पूरा मामला?

1984 में जनकपुरी और विकासपुरी में हुए दंगे के मामले में सज्जन कुमार आरोपी थे।

मामला जनकपुरी और विकासपुरी पुलिस स्टेशनों में दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है।

जनकपुरी का मामला 1 नवंबर, 1984 को दो सिखों, सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या से संबंधित है।

दूसरा मामला विकासपुरी पुलिस स्टेशन में 2 नवंबर, 1984 को गुरचरण सिंह को जलाने के मामले में दर्ज हुआ था।

सात जुलाई को अपना बयान दर्ज कराते समय पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया था।

उन्होंने कोर्ट के सामने कहा था कि वह दंगों की जगह पर मौजूद नहीं थे और उन्हें झूठा फंसाया गया है।

इंदौर में 9 पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच

इंदौर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में कानून की रखवाली करने वाली वर्दी पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ब्राउन शुगर के आरोप में पकड़े गए गंभीर रूप से बीमार युवक की जिला जेल में मौत के बाद सामने आए आरोपों ने पुलिस कार्रवाई की प्रक्रिया, गिरफ्तारी की वैधता को लेकर नई बहस छेड़ दी है। पीड़ित परिवार का दावा है कि युवक को बिना एफआईआर घर से उठाया गया, अवैध वसूली की गई और बाद में झूठे एनडीपीएस केस में फंसाया गया। जब पुलिस स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो जिला न्यायालय ने एमआईजी थाने के 9 पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

गठबंधन तोड़ने के बाद आप और कांग्रेस ने कर दिया उम्मीदवारों का ऐलान

चंडीगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

चंडीगढ़ में मेयर पद के लिए होने वाले चुनावों में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अलग-अलग उम्मीदवार उतारना तय कर चुके हैं। अलायंस तोड़ने के बाद दोनों ही पार्टियों ने तीनों पदों (मेयर, डिप्टी मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर) के लिए अपने-अपने कैंडिडेट्स के नाम का ऐलान भी कर दिया है।

नगर निगम चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार

चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में मेयर पद के लिए कांग्रेस ने गुरप्रीत गाबी को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं, सीनियर डिप्टी मेयर पद के लिए सचिन गालव और डिप्टी मेयर के लिए निर्मला देवी को कैंडिडेट बनाया गया है।

नगर निगम चुनाव में आप उम्मीदवार

इसके अलावा, आम आदमी पार्टी की ओर से भी उम्मीदवारों का औपचारिक ऐलान हो गया है। चंडीगढ़ नगर निगम में मेयर पद के लिए योगेश ढींगरा (वार्ड नं 25), सीनियर डिप्टी मेयर पद के लिए मुन्नवर खान (वार्ड नं 29) और डिप्टी मेयर पद के लिए जसविंदर कौर (वार्ड नं 1)

राहुल गांधी को नहीं पता मनरेगा का नया नाम! बोले- क्या, जी ग्राम जी...

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वीबी-जी राम जी पर ऐसा बयान दिया है, जिसपर विवाद हो सकता है। उन्होंने गुरुवार को मनरेगा बचाओ मोर्चा के कार्यक्रम में कहा कि ये नया कानून क्या है, मुझे नहीं पता। जी ग्राम जी। पता नहीं क्या। राहुल के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि हमको भी नहीं पता क्या नाम है। मनरेगा पर हम इस सत्र में संसद में लड़ेंगे। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा, ये नया कानून क्या है मुझे पता ही नहीं। क्या नाम है? जनता ने कहा जी राम जी। इसपर राहुल बोले क्या? जी ग्राम जी? पता नहीं क्या!

राहुल गांधी ने और क्या कहा?

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, मनरेगा का कॉन्सेप्ट गरीबों को अधिकार देने का था। सोच ये थी हिंदुस्तान में जिसको भी काम चाहिए उसको सम्मान से काम मिले। पंचायती राज के माध्यम से योजना चलाई जाए। इसमें मजदूरों की आवाज थी।

हर गरीब व्यक्ति को इस योजना ने रोजगार का अधिकार दिया। इसे पीएम मोदी खत्म करना चाहते हैं। राहुल ने कहा कि ये किसानों के खिलाफ कानून लाए, लेकिन किसानों ने इसे रोक दिया और कानून को रद्द करवा दिया। जो इन्होंने किसानों के साथ किया आज वो ही मजदूरों के साथ कर रहे हैं। अगर हम सब साथ आ जाएंगे तो ये भाग जाएंगे। आप जो नाम देना चाहेंगे वो नाम होगा। एक कमी है। गरीब लोग एक साथ खड़े नहीं होते।

चन्नी के दलित वाले बयान पर पंजाब कांग्रेस में अंतर्कलह दिल्ली तलब किए जा सकते हैं पूर्व सीएम?

चंडीगढ, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी के दलित अनदेखी से जुड़े बयान पर कांग्रेस आलाकमान नाराज है। सूत्रों के अनुसार पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि चन्नी यह सवाल कैसे उठा सकते हैं, जबकि कांग्रेस ने उन्हें पंजाब का मुख्यमंत्री बनाया और पार्टी की सर्वोच्च इकाई कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) का सदस्य भी नियुक्त किया। इसके साथ ही दलित समुदाय के मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी के अध्यक्ष हैं।

वहीं अब पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा दलित की अनदेखी वाले बयान को लेकर पंजाब में भी कांग्रेस नेताओं में अंतर्कलह जारी है। हालांकि कुछ नेता चन्नी को भी समर्थन कर रहे हैं, लेकिन सूत्रों की मानें तो पूर्व सीएम

चरणजीत सिंह चन्नी के इस बयान को लेकर कांग्रेस आलाकमान नाराज है और वह दिल्ली भी तलब किए जा सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बयान पर कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष दलित समाज के इतने बड़े नेता हैं, आधुनिक अंबेडकर कहता हूं मैं उन्हें। उनके रहते हुए यह सवाल ही छोटा हो जाता है और चन्नी खुद मुख्यमंत्री रहे हैं।

जबलपुर में सड़क पर बछड़े का कटा सिर मिला

जबलपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जबलपुर में गुरुवार की सुबह सड़क पर बछड़े का कटा हुआ सिर मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी जैसे ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को लगी, बड़ी संख्या में वे मौके पर पहुंचे और हंगामा करने लगे। इसी बीच मदन महल और गोरखपुर थाना पुलिस का अमला भी मौके पर पहुंचा। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। बताया जा रहा है कि महानता के पास से कुछ स्थानीय लोग गुजर रहे थे। जैसे ही उन्होंने सड़क किनारे बछड़े का कटा हुआ सिर देखा, उन्होंने तुरंत हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को सूचना दी। सूचना पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

'दावोस में पिकनिक मनाने गए हैं सारे मुख्यमंत्री'

संजय राउत के तंज पर क्या बोलीं सीएम फडणवीस की पत्नी?

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की सालाना बैठक का आयोजन किया गया है। कई देशों के दिग्गज नेता इस बैठक में हिस्सा लेने दावोस पहुंचे हैं। इस लिस्ट में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम भी शामिल है, जिसे लेकर राज्य में सियासी घमासान छिड़ गया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने सीएम फडणवीस की दावोस यात्रा पर तंज कसा, तो उनकी पत्नी अमृता फडणवीस ने संजय राउत को खूब खरी-खोटी सुनाई है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने सीएम फडणवीस की दावोस यात्रा पर तंज कसा, तो उनकी पत्नी अमृता फडणवीस ने संजय राउत को खूब खरी-खोटी सुनाई है।

अमृता ने दिया बयान

मुंबई में एक इवेंट के दौरान अमृता फडणवीस ने कहा, मुझे कभी उनकी भाषा समझ नहीं आती है। मगर, मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि जो पिकनिक मनाने जाता है, वो भारत और महाराष्ट्र में निवेश लाने के लिए सुबह 6 बजे से रात के 11 बजे तक कॉन्फ्रेंस और मीटिंग नहीं करता है। इसलिए मुझे लगता है कि उनके अन्य बयानों की तरह ये भी निराधार है। अमृता ने आगे कहा, दावोस में डब्ल्यूईएफ का अंतरराष्ट्रीय फोरम चल रहा है। वहां बिजनेस और अवसरों की तलाश में कई देशों के प्रतिनिधि पहुंचे हैं।

संजय राउत ने कसा था तंज

बता दें कि संजय राउत ने दावोस जाने वाले मुख्यमंत्रियों पर सवाल खड़े किए थे। उनका कहना था कि इस यात्रा का खर्च जनता के पैसों से पूरा किया जाएगा, जो गलत है। संजय राउत ने तंज कसते हुए कहा, भारत के अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री दावोस में पिकनिक मनाने गए हैं।

बीएमसी मेयर पर बोलीं अमृता

अमृता फडणवीस से जब पूछा गया कि बीएमसी चुनाव में जीत के बाद मुंबई का अगला मेयर कौन होगा? तो उन्होंने कहा, वो एक मराठी व्यक्ति होगा। 15 जनवरी को सामने आए बीएमसी चुनाव के नतीजों में महायुति ने बहुमत हासिल किया है। बीएमसी की 227 सीटों में से बीजेपी 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। वहीं, शिवसेना की 29 सीटें मिलाकर महायुति के पास 118 सीटें हो गईं। वहीं, मेयर को चुनाव जिताने के लिए सिर्फ 114 वोटों की जरूरत है।

विधायक के पोते को संभालने वाली युवती ने किया सुसाइड

इंदौर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के 3 नंबर विधायक गोलू शुक्ला के पोते को संभालने का काम करने वाली युवती ने घर पर सुसाइड कर लिया। शाम को पिता जब घर पहुंचे तो बेटी को फंदे पर देखा। उसके माता-पिता गोलू शुक्ला के घर ही काम करते हैं। पुलिस को घर से किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक नेहा (19) पुत्री रवि यादव, निवासी भगत सिंह नगर खारच्चा का शव उसके पिता ने बुधवार शाम को फंदे पर देखा था। नेहा विधायक गोलू शुक्ला के भतीजे यश के बच्चे को संभालने का काम करती थी। तबीयत ठीक नहीं लगने के चलते वह बंगले पर नहीं गई थी। नेहा की मम्मी विधायक के यहां काम पर थीं। पुलिस के मुताबिक गोलू शुक्ला के फार्म हाउस पर नेहा के पिता भी काम करते हैं।

बंगाल के बीजेपी विधायक हिरण चटर्जी की दूसरी शादी पर मचा बवाल, 21 साल की मॉडल संग लिए सात फेरे

कोलकाता, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के खड़गपुर सदर से बीजेपी विधायक और मशहूर अभिनेता हिरण चटर्जी अपनी दूसरी शादी को लेकर कानूनी पचड़ों में फंसते नजर आ रहे हैं। उन्होंने 21 साल की मॉडल रितिका गिरी के साथ वाराणसी के गंगा घाट पर दूसरी शादी रचा ली है। शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बड़ा विवाद शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर हिरण चटर्जी और रितिका गिरी की शादी की तस्वीरें सामने आईं। दोनों को वाराणसी में गंगा के तट पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह बंधन में बंधते देखा गया। जैसे ही ये तस्वीरें सामने आईं, टॉलीवुड से लेकर बंगाल की सियासत तक में चर्चाएं तेज हो गईं।

बिना तलाक लिए शादी का आरोप

विवाद तब बढ़ा जब हिरण चटर्जी की पहली पत्नी अनिंदिता चटर्जी ने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि उनका और हिरण का अभी तक कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ है। इस बीच, हिरण चटर्जी ने दूसरी शादी कर ली है। अनिंदिता के अनुसार, वे अभी भी कानूनी तौर पर पति-पत्नी हैं। उनकी एक 19 साल की बेटी भी है।

पुलिस स्टेशन पहुंचीं पहली पत्नी

इस मामले ने तब कानूनी मोड़ ले लिया जब रात अनिंदिता चटर्जी ने कोलकाता के आनंदपुर पुलिस स्टेशन में हिरण चटर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इस बीच, हिरण की 19 वर्षीय बेटी नियासा ने सोशल मीडिया पर अपनी मां को लेकर एक भावुक पोस्ट किया है। उन्होंने अपनी मां को अपना असली हीरो बताया और कहा कि उनकी मां ने ही अकेले पिता और माता दोनों का फर्ज निभाया है। विवाद और कानूनी उलझनों को बढ़ता देख हिरण चटर्जी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शादी की तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। हालांकि, अभी तक उन्होंने पुलिस शिकायत या पहली पत्नी के दावों पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

जबलपुर में पूर्व मंत्री के बेटे पर एफआईआर

जबलपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक अंचल सोनकर के बेटे के खिलाफ अवैध रूप से हथियार रखने की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। दो दिन पहले, जब पूर्व विधानसभा में कांग्रेस की रैली निकल रही थी, उस दौरान राजा सोनकर अपने घर की बिल्डिंग से पिस्टल लहराते हुए नजर आए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। हालांकि राजा सोनकर का दावा था कि वह खिलौना बंदूक थी, जो वह अपने बच्चे के साथ खेलते हुए दिखा रहे थे। बेलबाग पुलिस ने राजा सोनकर की दलीलों को दरकिनार करते हुए उनके खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट और बीएनएस की धारा 125 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वीडियो सामने आने के बाद राजा सोनकर ने जबलपुर एसपी को पत्र लिखकर बताया कि रैली निकलने के समय वह अपने बच्चे के साथ खेल रहे थे। उसी दौरान खिलौने वाली बंदूक लेकर वह बालकनी में आए।

आईएएस संजीव खिरवार की हुई दिल्ली वापसी, मिली एमसीडी की कमान

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

डॉग वॉक विवाद से सुर्खियों में आए सीनियर आईएएस अधिकारी संजीव खिरवार की तीन साल बाद दिल्ली वापसी हुई है। उन्हें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने ये नियुक्ति आदेश जारी किया है और इसे दिल्ली के उपराज्यपाल के कार्यालय को भी बताया गया है। इससे पहले एमसीडी के कमिश्नर अश्विनी कुमार को जम्मू-कश्मीर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संजीव खिरवार एक अनुभवी अधिकारी हैं और वो 1994 बैच के एजीएमयूटी (अरुणाचल-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेशों) कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले वो दिल्ली में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं और प्रशासन के अनुभव की वजह से उन्हें फिर से राजधानी की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।ये नियुक्ति इसलिए खास है क्योंकि खिरवार तीन साल पहले एक विवाद के चलते दिल्ली से दूर कर दिए गए थे। साल 2022 में उनके ऊपर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने दिल्ली के थ्यागराज स्टेडियम से खिलाड़ियों को जल्दी जाने को कहा ताकि वो अपने पालतू कुत्ते को वहां वॉक करा सकें। अब 2026 में उन्हें एक बार फिर से राजधानी लौटकर एमसीडी का नेतृत्व करना है, जो एक बड़ा प्रशासनिक पद है।

केरल के मुख्यमंत्री विजयन पर बोले केंद्रीय मंत्री अठावले- एनडीए में आ जाएं तो ज्यादा फंड मिलेगा

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले के केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को लेकर दिए गये बयान की खूब चर्चा हो रही है। अठावले ने हाल में केरल दौरे के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को एनडीए में शामिल होना चाहिए ताकि केंद्र से राज्य को ज़्यादा फंड मिल सके। केंद्रीय मंत्री अठावले के बयान से राज्य की सियासत गरमा गई है।

राज्य की सत्ताधारी पार्टी माकपा ने केंद्रयी मंत्री के बयान की कड़ी आलोचना की। कन्नूर में मीडिया से बात करते हुए अठावले ने कहा कि अगर विजयन एनडीए में शामिल होते हैं तो केरल को केंद्र से ज़्यादा पैसा मिलेगा और माकपा की अगुवाई वाली एलडीएफ केरल में सत्ता में बनी रह सकती है। उन्होंने पूछा कि हालांकि बीजेपी और माकपा विचारधारा के विरोधी हैं, लेकिन अगर विजयन एनडीए में शामिल होते हैं तो यह एक 'क्रांतिकारी' कदम होगा। अगर सोशलिस्ट नेता शामिल हो सकते हैं, तो कम्युनिस्ट क्यों नहीं?

सीएम विजयन को एनडीए में शामिल होने का न्योता

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि लेफ्ट की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी भाकपा बीजेपी की अगुवाई वाले गठबंधन में शामिल हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केरल को भी एक बड़ा पैकेज देंगे और इस पैसे का इस्तेमाल राज्य के विकास के लिए किया जा सकता है। इस महीने की शुरुआत में, केरल के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सत्ताधारी लेफ्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एलडीएफ) ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि वह राज्य के जरूरी फंड रोक रही है। केरल के आबकारी मंत्री एमबी राजेश ने आरोप लगाया था कि बीजेपी की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कई सेंट्रल स्कीमों पर "ग्रांट कम कर दिए हैं"

प्लेन में 72 साल के बुजुर्ग को आया हार्ट अटैक, इमरजेंसी लैंडिंग कराकर अस्पताल ले गए, तब तक हो गई थी डेथ

नागपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक यात्री की तबीयत हवाई यात्रा के दौरान अचानक बिगड़ गई। गाजियाबाद से चेन्नई जा रही इंडिगो फ्लाइट में सवार 72 वर्षीय बुजुर्ग यात्री बीच उड़ान में बेहोश हो गए। हालात गंभीर होने पर विमान की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, लेकिन तमाम मेडिकल सुविधाओं के बावजूद यात्री की जान नहीं बचाई जा सकी।ये घटना उस वक्त हुई जब विमान अपने निर्धारित रूट पर उड़ान भर रहा था। फ्लाइट के दौरान अचानक 72 वर्षीय पुरुष यात्री की तबीयत खराब हो गई और वो अपनी सीट पर ही गिर पड़े।

कांग्रेस सांसद शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे ने पहले पत्नी को मारी गोली, फिर की खुदकुशी

अहमदाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)।

अहमदाबाद के वस्त्रपुर इलाके में स्थित एनआरआई टॉवर में एक दिल दहलाने वाली घटना हुई है। जहां यशराज नामक पति ने अपनी पत्नी को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यशराज कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह गोहिल का भतीजा है, घटना के बाद पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। यशराज ने पत्नी के साथ हुए झगड़े के उसे गोली मार दी, पत्नी को गोली लगी देखकर यशराज ने 108 को सूचना दी। 108 स्टाफ ने पत्नी को मृत घोषित किया, 108 स्टाफ के घर से निकलते समय पति ने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वस्त्रपुर पुलिस ने पूरे जांच की जांच शुरू कर दी है।

घटना से परिवार में शोक

कपल की मौत की खबर सुनते ही मामला कांग्रेस नेता सिविल हॉस्पिटल पहुंचे। कपल की मौत के बाद मनीष दोशी ने बयान देते हुए कहा कि परिवार के साथ बहुत दुखद और दिल दहला देने वाली घटना हुई है। उन्होंने बताया कि शक्ति सिंह गोहिल के भतीजे की हाल ही में शादी हुई थी, वह मैरीटाइम बोर्ड में काम करता था, उसके पास रिवॉल्वर थी। उन्होंने कहा कि रिवॉल्वर घुमाते समय उसकी पत्नी की गर्दन में गोली लग गई, जैसे ही घटना हुई उसने 108 पर कॉल किया 108 टीम ने आकर उसे उसकी पत्नी की मौत की खबर दी। पत्नी की मौत से सदमे में आकर उसने खुद को भी गोली मार ली।

कपल के बीच क्या हुआ विवाद

शुरुआती जानकारी के मुताबिक दोनों की शादी को महज दो महीने ही बीते थे। बुधवार को दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई और बात यहां तक आ गई कि यशराज ने अपनी रिवॉल्वर पत्नी पर तान दी और उसकी हत्या कर दी।

क्या आमिर खान ने गर्लफ्रेंड गौरी से रचा ली शादी? नए घर में रहेगा कपल; मिस्टर परफेक्शनिस्ट बोले- 'पागलपन है'

आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्म 'हैप्पी पटेल' को लेकर सुर्खियों में हैं। वीर दास निर्देशित और अभिनीत इस फिल्म को आमिर ने प्रोड्यूस किया है और उनका कैमियो रोल भी है। इसके अलावा वे अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी लगातार सुर्खियों में हैं। बीते साल अपने जन्मदिन के अवसर पर आमिर ने मीडिया के सामने अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट की मुलाकात फैंस से कराई। अब हाल ही में उन्होंने नए घर में साथ रहने का फैसला लिया है। साथ ही शादी पर भी दिलचस्प खुलासा किया है।

नए आशियाने में शिफ्ट हुए आमिर खान और गौरी

अक्सर फैंस सवाल करते हैं कि क्या आमिर खान और गौरी स्प्रैट ने शादी कर ली है? या दोनों कब शादी करेंगे? इस तरह सवालों का जवाब देते हुए आमिर ने चुप्पी तोड़ी है। मिस्टर परफेक्शनिस्ट ने कहा कि वे गौरी से पहले ही दिल में शादी कर चुके हैं। आमिर खान और गौरी मुंबई में नए घर में शिफ्ट हो गए हैं।

कहा- 'मैंने दिल से शादी कर ली है'

आमिर खान और गौरी स्प्रैट काफी वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। साल 2025 में आमिर खान ने अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर अपना रिलेशनशिप कंफर्म किया। गौरी मूल रूप से बंगलूरू की रहने वाली हैं। मगर, हाल ही में वे और आमिर खान मुंबई में नए घर में शिफ्ट हुए हैं। आमिर ने गौरी के साथ अपने रिश्ते पर कहा कि वे उन्हें लेकर काफी सीरियस हैं और उन्होंने गौरी को अपनी पत्नी मान लिया है। हालांकि, फिलहाल शादी को लेकर कोई प्लानिंग नहीं है।

आमिर क्यों बोले- 'यह पागलपन है'

आमिर खान ने हाल ही में बॉलीवुड हंगामा से बातचीत के दौरान गर्लफ्रेंड गौरी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कहा, 'गौरी और मैं एक-दूसरे को लेकर सीरियस हैं और हमारा रिश्ता बेहद मजबूत है। हम कमिटेड हैं। हम पार्टनर हैं। हम साथ हैं। शादी की बात करें तो अपने दिल में मैं पहले से ही गौरी से शादी कर चुका हूं। शादी को औपचारिक रूप देना है या नहीं, यह मैं समय के साथ तय करूंगा। नए घर में साथ रहने की बात पर आमिर खान ने कहा 'ये सब (शिफ्टिंग) मेरी फिल्म 'हैप्पी पटेल' की रिलीज के ठीक बीच में हो रहा है। तो ये बिल्कुल पागलपन है'।

क्या करती हैं गौरी स्प्रैट?

आमिर खान और गौरी करीब दो दशक से एक-दूसरे को जानते हैं। कोई डेढ़ साल पहले इनकी दोबारा मुलाकात हुई थी। गौरी एक छह वर्षीय बेटे की मां हैं। फिलहाल वे आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ काम करती हैं।

आमिर खान की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी। उनके और रीना के दो बच्चे- बेटा जुनैद और बेटी आयरा हैं। दूसरी शादी किरण राव से हुई। किरण और आमिर का एक बेटा आजाद है। रीना और किरण से आमिर खान का तलाक हो चुका है।

नयनतारा ने की रानी मुखर्जी की तारीफ कहा- रानी मुखर्जी की तरह कोई नहीं

रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। फिल्म के ट्रेलर को साउथ की मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा ने देखा है और इसकी तारीफ की है। उन्होंने इसका ट्रेलर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी शेयर किया है।

'मर्दानी 3' के ट्रेलर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए नयनतारा ने लिखा 'सिर्फ एक ही रानी है, वह है रानी मुखर्जी। यह ट्रेलर वाकई आग लगाने वाला है। आपकी तरह कोई नहीं है। मैं इस फिल्म का इंतजार कर रही हूं।' इसके साथ उन्होंने दिल और फायर वाला इमोजी बनाया है।

फिल्म 'मर्दानी 3' रानी मुखर्जी की मशहूर फिल्म सीरीज 'मर्दानी' का तीसरा पार्ट है। इस फिल्म में रानी एक निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापस आ रही हैं। ट्रेलर में एक डार्क और सीरियस कहानी दिखाई गई है जो क्राइम, दर्द और लापता लड़कियों के बारे में है। ट्रेलर पर दर्शकों ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे बहुत भावुक और असरदार बताया है।

'मर्दानी 3' में मल्लिका प्रसाद विलेन के किरदार में नजर आएंगी। दर्शकों ने ट्रेलर देख कर उनके अभिनय की तारीफ की है। रानी मुखर्जी और मल्लिका प्रसाद के अलावा इस फिल्म में जानकी बोडीवाला हैं। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या गणतंत्र दिवस की परेड का हिस्सा बनेंगे संजय लीला भंसाली? भारतीय सिनेमा का करेंगे प्रतिनिधित्व

खबर है कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सिनेमा से जुड़ी एक खास झांकी पेश करने का प्लान बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस काम के लिए जाने-माने फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली को चुना गया है। भारतीय सिनेमा से जुड़ी झांकी 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर दिखाई जाएगी। अगर ऐसा होता है तो यह सच में भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक पल बन जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अगर संजय लीला भंसाली गणतंत्र दिवस के आयोजन का हिस्सा बनते हैं तो ऐसा करने वाले पहले भारतीय फिल्म डायरेक्टर होंगे। यह भारतीय सिनेमा के लिए भी गर्व की बात होगी। वैसे अभी तक संजय लीला भंसाली या उनकी टीम की तरफ से इस खबर की पुष्टि नहीं की है।

बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर में संजय लीला भंसाली का नाम आता है। वह बड़े पर्दे पर जादू सा चलाते हैं। अब तक 'हम दिल दे चुके सनम', 'देवदास', 'ब्लैक', 'बाजीराव मस्तानी', 'पद्मावत' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसे उम्दा और हिट फिल्में बना चुके हैं।

संजय लीला भंसाली आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ एक फिल्म 'लव एंड वॉर' बना रहे हैं। इसके अलावा जल्द ही रिलीज होने वाली एक फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को को-प्रोड्यूसर भी संजय लीला भंसाली ने किया है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को थिएटर में रिलीज होगी।

भरी महफिल में पवन सिंह ने मिस्ट्री गर्ल को कहा 'जान' पत्नी ज्योति का छलका दर्द; शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। पत्नी ज्योति सिंह के साथ उनकी शादीशुदा जिंदगी में दरार आ गई है। दोनों के तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। बीते दिनों पवन सिंह का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक मिस्ट्री गर्ल पावर स्टार के साथ सिंदूर लगाए नजर आईं। इसी के बाद उनकी तीसरी शादी की अफवाहों ने जन्म ले लिया। हाल ही में पवन सिंह उसी मिस्ट्री गर्ल के साथ एक पार्टी में शामिल हुए। इतना ही नहीं, पावर स्टार ने भरी महफिल में उसे 'जान' कहकर संबोधित किया। कथित अफेयर और तीसरी शादी की अफवाहों के बीच पवन सिंह की पत्नी ज्योति ने क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

भरी महफिल में पवन सिंह ने किसे कहा जान?

पवन सिंह बीते दिनों लखनऊ में आयोजित दोस्त और सिंगर गुंजन सिंह की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए। इस दौरान मिस्ट्री गर्ल भी एक्टर के साथ दिखीं। दरअसल, वह मिस्ट्री गर्ल अभिनेत्री महिमा सिंह हैं। आजकर हर इवेंट में महिमा को पवन सिंह के साथ देखा जा रहा है। गुंजन सिंह की बर्थडे पार्टी में तो पवन सिंह ने उन्हें सबके सामने जान कहकर पुकारा। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। उन्होंने महिमा का हाथ थामकर बर्थडे पार्टी में एंट्री ली। इसके बाद स्टेज से इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि महिमा सिंह जी प्लीज आप इधर आइए। आओ मेरी जान इधर आओ'। इस वीडियो ने पवन सिंह और महिमा की शादी की अफवाहों को और हवा दे दी है।

क्रिप्टिक पोस्ट में छलका ज्योति सिंह का दर्द

पति पवन सिंह की तीसरी शादी की अटकलों के बीच ज्योति सिंह ने आज गुरुवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक पोस्टर शेयर किया है। इसमें लिखा है, 'सीता वनवास में भी साथ थी राम तो अयोध्या में भी साथ न दे सके'। इसके अलावा एक अन्य पोस्टर भी शेयर किया है। इस पर लिखा है, 'शिव का अपनाया हुआ अक्सर दुनिया से ठुकराया हुआ होता है'।

तीसरी शादी पर क्या बोले पवन सिंह?

बीते दिनों पवन सिंह से एक इवेंट में उनकी तीसरी शादी को लेकर चल रही अफवाहों पर सवाल किया गया था। पवन सिंह ने तीसरी शादी की अफवाहों को खारिज करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा था, 'इसके पहले वाला आपको नहीं पता क्या? 5 जनवरी से पहले तो कार्ड भी छप गए थे। हमारे करोड़ो-अरबों फैंस हैं। उसमें से हमारे इक्का-दुक्का भी कुछ चाहनेवाले हैं, जिन्होंने कार्ड भी छाप दिए थे। वेडिंग वेन्यू भी तय कर दिया था कि मुंबई में शादी हो रही है'। उन्होंने शादी की अफवाहों को खारिज कर दिया था।

कौन थी 'ओ रोमियो' की असल सपना? दाउद इब्राहिम से बदला बना जिंदगी का मकसद, फिर आखिर में मिली दर्दनाक मौत

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। यह फिल्म हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' पर आधारित है। फिल्म में शाहिद कपूर ने एक माफिया डॉन हुसैन उस्तरा का रोल किया है। वहीं सपना उर्फ सपना दीदी के रोल में तृप्ति डिमरी नजर आ रही हैं। लेकिन असल में सपना दीदी कौन थीं? क्यों वह अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम को मारना चाहती थीं? जानिए सपना दीदी की असल कहानी?

दाउद इब्राहिम से बदला था सपना दीदी का मकसद

यह कहानी 80 के दशक के आखिरी वर्षों की है। सपना दीदी का असल नाम अशरफ था। वह अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम को मारना चाहती थीं। दरअसल, अशरफ उर्फ सपना दीदी के शौहर की हत्या दाउद इब्राहिम की करवाई थी।

ऐसे में सपना की जिंदगी का एक ही मकसद था कि वह दाउद इब्राहिम को खत्म करे। इसके लिए वह हुसैन उस्तरा की मदद लेती है। हुसैन की दुश्मनी भी दाउद इब्राहिम से थी। ऐसे में सपना और हुसैन उस्तरा साथ मिलकर काम करते हैं। हुसैन उस्तरा, सपना को सीखाता है कि कैसे किसी आदमी को मारा जाता है।

सपना दीदी ने चुपचाप दाउद इब्राहिम के काले साम्राज्य को चुनौती दी। उसने अपना एक गैंग बनाया, जो दाउद के खिलाफ लड़ने में उसकी मदद करता था। सपना दीदी ने मुंबई में डी कंपनी के जुए के अड्डे, डांस बार और दूसरे कई बुरे काम बंद करवाए। उसने 1990 के दशक में शारजहां में भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के दौरान दाऊद इब्राहिम की हत्या की साजिश रची थी। लेकिन सपना दीदी का प्लान लीक हो गया। वह दाउद को नहीं मार सकी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 1994 में दाउद इब्राहिम के गुड़ों ने सपना दीदी पर हमला किया। 22 बार चाकू मारा। सपना दीदी की कहानी यही पर खत्म हुई। वैसे फिल्म 'ओ रोमियो' में सपना और हुसैन उस्तरा के बीच एक लव स्टोरी भी दिखाई गई। जिस पर हुसैन उस्तरा के परिवार को आपत्ति है।

कुछ दिन पहले ही फिल्म 'ओ रोमियो' का एक गाना 'हम तो तेरे ही लिए' रिलीज हुआ था, इसमें सपना (तृप्ति डिमरी) और हुसैन उस्तरा (शाहिद कपूर) के बीच रोमांस दिखाया गया। इस बात पर हुसैन उस्तरा के परिवार को आपत्ति थी। एक मीडिया इंटरव्यू में हुसैन उस्तरा की बेटी ने कहा, 'फिल्म में दिखाई गई कहानी गलत है।

मेरे पिता ने सपना दीदी को ट्रेनिंग दी थी। वह उनके लिए बहन जैसी थीं। वह हमारे घर और हमारे ऑफिस आती थीं। सपना दीदी का कोई नहीं था। जब उनके पति की हत्या हुई, तो वह अकेली थीं। उनके कोई बच्चे नहीं थे।

वह हर जगह मदद मांगने गईं। मेरे बाबा ने उनकी मदद की। दोनों ने मिलकर अपराधियों के खिलाफ काम किया। उनका तरीका गलत था लेकिन यह भी 28 साल पहले हुआ था। फिल्म उनकी इमेज को खराब करती है।'

'बॉर्डर 2' खाड़ी देशों में नहीं होगी रिलीज पाकिस्तान के खिलाफ बयानबाजी बनी वजह?

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर 'बॉर्डर 2' रिलीज को तैयार है। फिल्म आज 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। सेंसर बोर्ड से भी फिल्म को रिलीज की मंजूरी मिल गई है। लेकिन 'बॉर्डर 2' खाड़ी देशों में रिलीज नहीं हो सकेगी। खाड़ी देशों में इसे अभी तक रिलीज की अनुमति नहीं मिली है। सेंसर बोर्ड द्वारा यूए 13+ सर्टिफिकेट हासिल करने वाली 'बॉर्डर 2' के साथ ही 'धुरंधर' जैसा ही हाल होने की संभावना है। 'बॉर्डर 2' को खाड़ी देशों में उसी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जैसा कि पाकिस्तान विरोधी भावना वाली अधिकांश भारतीय फिल्मों के साथ होता है। ट्रेलर में देओल का 'आवाज कहां तक जानी चाहिए? लाहौर तक!' चिल्लाना इस बात का पर्याप्त सबूत है कि फिल्म अपने बयानबाजी में पाकिस्तान को बख्शने का कोई मौका नहीं छोड़ेगी।

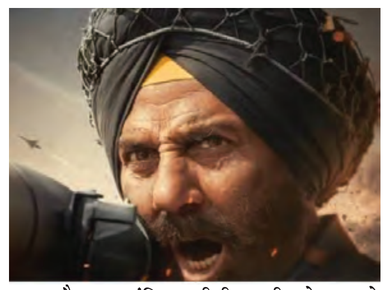

'बॉर्डर 2' 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है। यह फिल्म जेपी दत्ता और उनकी बेटी निधि दत्ता व भूषण कुमार की टी-सीरीज द्वारा निर्मित है। 'बॉर्डर 2' को भारत में सीबीएफसी द्वारा डायलॉग या सीन में बिना किसी कट के यूए (13+) सर्टिफिकेट दिया गया है। हालांकि, सीबीएफसी ने अपने दिशानिर्देशों के अनुसार कुछ संशोधन सुझाए हैं। जैसे युद्धक विमानों से भारतीय तिरंगा हटाने को कहा गया है। युद्धपोत का नाम बदलकर कवच कर दिया गया है। चूंकि बॉर्डर 2 वास्तविक जीवन पर आधारित है, इसलिए निर्माताओं ने सीबीएफसी जांच समिति को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सहायक दस्तावेज प्रस्तुत किए। उनसे यह जांच करने को कहा गया कि भारतीय सेना की वर्दी के कंधे पर दिखाए गए प्रतीक चिन्ह सही है या नहीं। निर्माताओं ने इसकी पुष्टि की और सीबीएफसी को आश्वासन दिया कि उन्होंने न केवल भारतीय सेना से, बल्कि फिल्म में वरुण धवन द्वारा निभाए गए मेजर होशियार सिंह दहिया के परिवार से भी इसकी पुष्टि की है।

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी आज भी देखती हैं बचपन वाले कार्टून

टेलीविजन की अभिनेत्री शिवांगी जोशी अपने अभिनय के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए बताया कि आज भी उन्हें बचपन के पसंदीदा कार्टून देखना पसंद है। दरअसल, हाल ही में शिवांगी बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉपुलर पॉडकास्ट 'ऑनेस्टली, व्हाई नॉट?' में गई थीं। इस दौरान उन्होंने कई सारी बातें कीं। इसी के साथ अभिनेत्री ने बताया कि आज भी कार्टून उनका कंफर्ट वॉच है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें आज भी ओसवॉल्ड, नॉडी और डोरेमोन जैसे पुराने कार्टून देखना पसंद है। अभिनेत्री ने कहा कि ये कार्टून उनके बचपन की यादें ताजा करते हैं और मन को सुकून देते हैं।

शो के दौरान होस्ट ने अभिनेत्री से सवाल पूछा, क्या उनका कोई गिल्टी प्लेजर या शौक है, जिसे वह छुपकर करती हैं? तो इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, गिल्टी प्लेजर है कार्टून बिंज-वॉच करना। जब मैं छोटी थी तब जो कार्टून देखती थी, वही आज भी देखती हूं। ओसवाल्ड, नॉडी और डोरेमोन मेरे फेवरेट हैं।

उन्होंने आगे कहा, अभी भी मुझे बार्बी की फिल्में देखना भी बहुत पसंद है। ये सब मुझे अच्छा फील करवाते हैं, और अभी मैं उनकी जिंदगी का हिस्सा बनी हुई हूं और कभी दूर नहीं होती। इसी के साथ ही शिवांगी ने शेयर किया कि जब उनके पास फ्री टाइम होता है और वे कुछ नहीं कर रही होतीं तो उन्हें बस सोना और कुछ भी न करना सबसे अच्छा लगता है। वे अपने कमरे में अकेले रहकर आराम करना पसंद करती हैं।

अभिनेत्री ने अपने करियर में कई टीवी शोज में काम किया है। इसी के साथ ही वे हाल ही में मेडिकल ड्रामा सीरीज 'हार्टबीट' से ओटीटी में डेब्यू कर चुकी हैं।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका है 'द 50' : रिद्धि डोगरा

फराह खान के रियलिटी शो 'द 50' का प्रीमियर 1 फरवरी को होने जा रहा है, जिसमें अभिनेत्री रिद्धि डोगरा भी नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस शो को वह खुद को चुनौती देने और कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का बड़ा मौका मानती हैं। रिद्धि डोगरा हमेशा मुश्किलों से सीखकर आगे बढ़ने में यकीन रखती हैं। उनके अनुसार, एक एक्टर के तौर पर वह लगातार कुछ न कुछ सीखने में विश्वास रखती हैं और खुद को उन दायरों से बाहर निकालने के तरीके तलाशती हैं, जहां एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। वह कहती हैं, "एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा सीखने और खुद को उस दायरे से बाहर निकालने के नए तरीके ढूंढती रहती हूं, जिसमें एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं।"

रिद्धि इस शो को एक खास चैलेंज के रूप में देख रही हैं, जो उन्हें नई जगहों की खोज करने का मौका देगा। खास बात यह है कि 'द 50' में वह कोई किरदार नहीं निभा रही हैं, बल्कि खुद के असली रूप में सामने आएंगी। वह बताती हैं, "यह शो मुझे एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका देता है, जहां कोई किरदार नहीं है। मैं बस खुद के रूप में सामने आऊंगी और दर्शक मुझे देखेंगे जब मैं अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर बेहतर पेश करूंगी।"

अभिनेत्री प्रशंसकों के समर्थन और प्यार को अपना सबसे बड़ा सहारा मानती हैं। वह कहती हैं कि उनके फैंस और शुभचिंतक उनके पंख हैं, जो उन्हें उड़ान भरने की ताकत देते हैं। रिद्धि अपने सफर के हर पल को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं। फराह खान इस शो को होस्ट करेंगी, शो का प्रीमियर जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर होगा, जहां रिद्धि एक मजबूत दावेदार के रूप में नजर आएंगी।

'द 50' रियलिटी शो में 50 हस्तियां हिस्सा लेंगी, जो शो में कई चुनौतियों का सामना करती नजर आएंगी। लगभग 50 एपिसोड चलने के बाद एक विजेता चुना जाएगा। सबसे खास बात यह है कि इस शो में दर्शक भी प्राइज जीत सकते हैं। फैंस अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट को चुनकर उस पर दांव लगा सकेंगे। अगर उनका चुना हुआ प्रतियोगी शो जीतता है, तो फैन को भी इनाम के एक हिस्से का लाभ मिलेगा।

राज्यवर्धन राठौड़ के दावों की पोल खोल रहे गहलोत?

दो साल की भर्ती परीक्षाओं की जांच की मांग

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड से जुड़ी ओएमआर शीट गड़बड़ी के मामले में कर्मचारियों की गिरफ्तारी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस खुलासे को बेहद गंभीर बताते हुए पिछले दो वर्षों में हुई सभी भर्ती परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। गहलोत की यह प्रतिक्रिया तब सामने आई जब हाल ही कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने एक मंच पर दो साल में एक भी पेपर लीक नहीं होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार में लगातार पेपर लीक हुए, जबकि भजनलाल शर्मा सरकार के कार्यकाल में एक भी भर्ती परीक्षा में भ्रष्टाचार नहीं हुआ।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कर्मचारी चयन बोर्ड में ओएमआर शीट बदलने के मामले ने पूरी भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि एसओजी की रिपोर्ट के अनुसार यह फर्जीवाड़ा वर्ष 2018 से शुरू होकर 2026 तक चलता रहा, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है।

गहलोत ने कहा कि जिन कर्मचारियों की भूमिका इस घोटाले में सामने आई है, वे 2024 और 2025 में भी सक्रिय थे और बोर्ड में पदस्थापित रहे। ऐसे में इन्हीं कर्मचारियों और उसी व्यवस्था की निगरानी में संपन्न हुई परीक्षाओं की शुचिता संदेह के घेरे में आ जाती है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अभ्यर्थी लंबे समय से शिकायत कर रहे हैं कि हाल के वर्षों में भर्ती परीक्षाओं की कट-ऑफ असामान्य रूप से अधिक रही है, जिससे उनके मन में शंकाएं पैदा हुई हैं। इन शंकाओं का समाधान जरूरी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि नए खुलासे के बाद 2024 और 2025 में आयोजित सभी भर्ती परीक्षाओं की गंभीर और गहन जांच करवाई जाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए त्वरित निर्णय लेगी। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पेपर लीक जैसे मामलों पर देश में सबसे कड़ा कानून बनाया था, जिसमें उम्रकैद की सजा, दोषियों की संपत्ति जब्ती और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान किया गया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासन के दौरान एसओजी ने 250 से अधिक गिरफ्तारियां कीं और पेपर लीक माफियाओं की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई।

गहलोत ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार ने कभी भी राजनीति को न्याय के रास्ते में नहीं आने दिया। जहां जरूरत पड़ी, परीक्षाएं रद्द करने जैसे कठोर फैसले भी युवाओं के हित में लिए गए। उन्होंने कहा कि चाहे कांग्रेस का शासन हो या भाजपा का, जिसने भी गड़बड़ी की है, उसे नए सख्त कानून के तहत सजा मिलनी चाहिए, ताकि न्याय सुनिश्चित हो सके।

पंचायत चुनाव टाइम पर होंगे

हाईकोर्ट ने खारिज की विरोध में आई याचिकाएं

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायत चुनाव का रास्ता अब साफ हो गया है। पंचायती राज चुनाव समय पर होंगे और इसके लि राजस्थान हाई कोर्ट ने निर्देश जारी कर दिए है। दरअसल, पंचायती राज संस्थाओं के परिसीमन और पुनर्गठन को चुनौती देने वाली पांच दर्जन से अधिक याचिकाएं कोर्ट तक पहुंची थी। 60 से अधिक इन याचिकाओं को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य में समय पर पंचायत चुनाव कराने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि परिसीमन और पुनर्गठन पूरी तरह प्रशासनिक और नीतिगत प्रक्रिया है, जिसमें न्यायिक हस्तक्षेप से लोकतांत्रिक व्यवस्था बाधित हो सकती है।

चुनाव से पहले प्रशासनिक प्रक्रिया में दखल से इनकार

जस्टिस इंदरजीत सिंह और जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि यदि हर चुनाव से पहले परिसीमन को लेकर याचिकाएं स्वीकार की जाने लगें, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अनावश्यक देरी होगी। अदालत ने कहा कि चुनावी कार्यक्रम को समयबद्ध ढंग से पूरा करना संवैधानिक दायित्व है और इसमें बाधा डालना स्वीकार्य नहीं है।

15 अप्रैल तक पंचायत चुनाव कराने का निर्देश

हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि राजस्थान में पंचायत चुनाव 15 अप्रैल तक पूरे किए जाने आवश्यक हैं। ऐसे में इस स्तर पर परिसीमन या पुनर्गठन की प्रक्रिया में दखल देने से चुनावी कार्यक्रम प्रभावित होगा, जो न तो लोकतंत्र के हित में है और न ही संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप।

सुप्रीम कोर्ट पहले ही दे चुका है मंजूरी

अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने इस माह की शुरुआत में इसी तरह की एक याचिका को खारिज करते हुए राजस्थान में पंचायत परिसीमन और पुनर्गठन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि इस प्रक्रिया में न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

पहले से तय समयसीमा का हवाला

हाई कोर्ट ने अपने पूर्व आदेशों का भी जिक्र किया, जिनमें राज्य सरकार को 31 दिसंबर 2025 तक राज्यव्यापी परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने और 15 अप्रैल या उससे पहले सभी पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कराने के निर्देश दिए गए थे। अदालत ने कहा कि इन्हीं आदेशों के तहत अब चुनावी प्रक्रिया को बिना किसी बाधा के आगे बढ़ाया जाना चाहिए। अब हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद राज्य में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव समय पर कराने की तैयारियां तेज होने की संभावना है। प्रशासनिक स्तर पर अब परिसीमन को लेकर कानूनी अड़चनें समाप्त हो गई हैं, जिससे ग्रामीण स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

'आपसी सहमति से तलाक पर फैमिली कोर्ट रोक नहीं लगा सकता'

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

जोधपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ ने मुस्लिम पर्सनल लॉ से जुड़े एक अहम और नजीर बनने वाले फैसले में आपसी सहमति से हुए मुबारात को पूरी तरह वैध तलाक घोषित किया है। कोर्ट ने साफ कहा कि जब मुस्लिम पति-पत्नी दोनों तलाक पर सहमत हों, तो फैमिली कोर्ट को तकनीकी आधार पर विवाह विच्छेद से इनकार नहीं करना चाहिए।

यह मामला फैमिली कोर्ट, मेड़ता के उस आदेश से जुड़ा था, जिसमें पत्नी की तलाक याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी गई थी कि तलाक की प्रक्रिया में दो गवाहों की उपस्थिति सिद्ध नहीं है और क्रूरता के ठोस प्रमाण पेश नहीं किए गए। इस आदेश को पत्नी ने राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

मामले की सुनवाई जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने की। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए कड़ी टिप्पणी की कि यह मामला मियां-बीवी राजी, काजी नहीं मान रहा की स्थिति का जीवंत उदाहरण है। कोर्ट ने कहा कि जब दोनों पक्ष तलाक पर सहमत हैं, तब निचली अदालत का अनावश्यक हस्तक्षेप उचित नहीं है।

हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड के आधार पर माना कि पति ने तीन अलग-अलग तुहर (मासिक धर्म के बीच की अवधि) में तलाक का उच्चारण किया था, जिसे पत्नी ने स्वीकार किया। इसके बाद 20 अगस्त 2024 को दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से लिखित तलाक समझौता (मुबारात) किया, जिसमें मेहर, इद्दत अवधि का भरण-पोषण और आजीवन गुजारा भत्ता तय किया गया था।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुन्नी मुस्लिम कानून में तलाक के लिए गवाहों की अनिवार्यता नहीं है और फैमिली कोर्ट ने शिया कानून से जुड़े निर्णयों को गलत तरीके से लागू किया। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जब दोनों पक्ष तलाक को स्वीकार कर चुके हों और कोई विवाद शेष न हो, तो अदालत का दायित्व केवल यह सुनिश्चित करना है कि सहमति स्वेच्छा से और बिना किसी दबाव के दी गई हो।

क्या है मुबारात?

फैसले में यह भी रेखांकित किया गया कि मुबारात मुस्लिम कानून के तहत तलाक का एक मान्य तरीका है, जिसमें पति और पत्नी दोनों आपसी सहमति से विवाह समाप्त करते हैं। ऐसे मामलों में फैमिली कोर्ट को विवाह की स्थिति घोषित करने का अधिकार है और उसे इस अधिकार का प्रयोग करना चाहिए।

राजस्थान की फैमिली अदालतों के लिए दिशा-निर्देश जारी करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि यदि याचिका में यह दावा किया जाए कि विवाह पहले ही मुस्लिम कानून के तहत समाप्त हो चुका है, तो दोनों पक्षों की व्यक्तिगत उपस्थिति में बयान दर्ज कर उनकी स्वेच्छा सुनिश्चित की जाए और लिखित तलाकनामा अथवा समझौते को रिकॉर्ड पर लिया जाए। अंततः अपील स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने घोषित किया कि अपीलकर्ता और प्रतिवादी का विवाह मुबारात के माध्यम से विधिवत रूप से समाप्त हो चुका है।

'मैं दिन भर करता हूं राम-राम' बोले पायलट

एसआईआर में गड़बड़ी पर चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

टोंक, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि यह निर्वाचन आयोग का दायित्व है देश के प्रत्येक नागरिक के मताधिकार को सुरक्षित रखें। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी नागरिक अपने मताधिकार से वंचित ना रहे। आज देश में कई जगहों से ऐसी खबरें आ रही हैं कि राजनीतिक हित साधने के उद्देश्य से मतदाता सूचियों से सैकड़ो लोगों के नाम काटने या जोड़ने के लिए बी.एल.ओ. पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। ऐसे अनुचित दबाव के चलते कई स्थानों पर तो बी.एल.ओ. आत्महत्या जैसा कदम उठाने को भी मजबूर हो गए हैं। वोट देने का अधिकार हमारी सबसे बड़ी पूंजी है और यदि कोई इसे छीनना चाहेगा तो उसे कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। आज टोंक में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण में सतर्कता के लिए लगाए गए कांग्रेस पार्टी के बीएलए की मीटिंग को संबोधित करते हुए पायलट ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा प्रमाण सहित उजागर की गई मतदाता सूचियों की गड़बड़ियों और बिहार चुनाव में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली से साफ हो गया है कि निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता संदेह के घेरे में है। ऐसे में अपने मताधिकार की रक्षा के लिए हमें जागरूक रहना होगा। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस को हमारे राम नाम लेने पर आपत्ति है, इस प्रश्न के जवाब में पायलट ने कहा कि सभी लोग जानते हैं कि मैं सबसे ज्यादा राम नाम लेता हूं, तो हमें फिर किस बात की परेशानी।

उन्होंने टोंक में लगे बीएलए के कार्य सराहना करते हुए कहा कि एसआईआर के कार्य में आपने जिस हिम्मत, हौसला, संयम और सजगता का परिचय दिया है, उसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि जब तक मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन नहीं हो जाता, तब तक हमारा कार्य पूर्ण नहीं हुआ है।

'मुझे भाषण देना और बेवकूफ बनाना आता है'

किरोड़ी लाल मीना ने कही बड़ी बात

दौसा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने कहा कि मुझे ज्यादा धार्मिक बातें नहीं आतीं, लेकिन जनता के बीच जाना, भाषण देकर बेवकूफ बनाना, वोट ले जाना और चुनाव जीतना आता है। सिकराय के कालवान और चांदेरी में आयोजित दंगल कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सिकराय क्षेत्र की जनता की उन पर विशेष कृपा रही है और उन्होंने जिनके लिए कहा, वही चुनाव जीते।

पारिवारिक रिश्तों में भी बढ़ रहा है तनाव

किरोड़ीलाल मीना ने कहा कि पहले गांवों में पंच-पटेलों, बुजुर्गों और बहन-बेटियों का सम्मान होता था, लेकिन अब हालात बिगड़ रहे हैं। आज गांव का लड़का ही गांव की बहन-बेटी को भगाकर ले जा रहा है और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव बढ़ रहा है।

...लग रहा कि कुछ तो गड़बड़ है

वहीं कार्यक्रम में महिलाओं की संख्या देख किरोड़ी बोले- यहां पहले भी कई बार आ चुका हूं, लेकिन आज महिलाओं की बड़ी तादाद देखकर लग रहा कि कुछ तो गड़बड़ है। इससे मैं और विधायक तो खुश हैं, लेकिन कोई ऐसी मांग आ गई जो पूरी नहीं हुई तो मारे जाएंगे। इस पर पांडाल में मौजूद लोगों की हंसी छूट पड़ी।

बीजेपी मंत्री की जनसुनवाई में 'मजबूर' कांग्रेसी नेता की दस्तक

भजनलाल सरकार की कर दी तारीफ

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश बीजेपी कार्यालय में बुधवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक अलग ही तस्वीर देखने को मिली। आमतौर पर बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से भरी रहने वाली इस जनसुनवाई में कांग्रेस से जुड़े कुछ लोग भी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। बता दें कि इनमें भरतपुर जिले के मैनापुरा-भुसावर क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता सतीश पांडे की मौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में खास चर्चा बटोरी। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम की जनसुनवाई में जब सतीश पांडे अपनी परिवेदना लेकर पहुंचे, तो यह साफ हो गया कि लोगों के लिए अब दलगत राजनीति से ज्यादा अहम अपनी समस्या का समाधान है।

पांडे ने मंत्री के सामने अपनी बात रखते हुए कहा, वे लंबे समय से अपनी शिकायतों को लेकर भटक रहे थे। लेकिन पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में उनकी समस्याओं पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। कई बार गुहार लगाने के बावजूद जब समाधान नहीं मिला, तो अंततः उन्हें भाजपा कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई का सहारा लेना पड़ा। सतीश पांडे ने यह भी स्पष्ट किया कि वे आज भी कांग्रेस से जुड़े हैं, लेकिन मौजूदा सरकार की कार्यशैली से प्रभावित हैं। उनका कहना था कि सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार आम लोगों की समस्याएं सुन रही है और त्वरित कार्रवाई हो रही है। इसी भरोसे के साथ वे जनसुनवाई में पहुंचे हैं और उन्हें उम्मीद है कि उनकी परिवेदना का जल्द समाधान होगा।

जनसुनवाई के दौरान बेढम ने सतीश पांडे की बात को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को मामले में समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि सरकार के लिए व्यक्ति की समस्या सबसे महत्वपूर्ण है, न कि उसका राजनीतिक दल। सरकार का उद्देश्य हर नागरिक को न्याय और राहत दिलाना है।

इस अवसर पर भुसावर क्षेत्र के बीजेपी कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जनसुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत में मंत्री बेढम ने कहा, यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सोच का परिणाम है कि सरकार हर व्यक्ति की बात सुन रही है, चाहे वह किसी भी पार्टी से जुड़ा हो। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई सरकार और जनता के बीच भरोसे का मजबूत माध्यम बन रही है। मंत्री बेढम ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा, उनके कार्यकाल में कई अनियमितताएं हुईं, जिनका खुलासा अब हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भर्ती परीक्षाओं में ओएमआर शीट से छेड़छाड़ कर शून्य या माइनस अंक लाने वालों को भी मेरिट में शामिल किया गया, जिससे मेहनती युवाओं के साथ अन्याय हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि मौजूदा भाजपा सरकार भ्रष्टाचार, पेपर माफिया और अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस ने किया 30 किलो अवैध डोडा चूरा जब्त, आरोपी फरार

राजसमंद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कांकरोली थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 30 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा जब्त किया है। हालांकि आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। अभियान के तहत कांकरोली थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया था। टीम का नेतृत्व थानाधिकारी सरोज बैरवा ने किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि परसराम बंजारा निवासी रातांडा केसरपुरा थाना कांकरोली के घर के पीछे बाड़े में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। तलाशी के दौरान बाड़े में घास के नीचे छिपाकर रखे गए प्लास्टिक के चार कट्टों में डोडा चूरा मिला। जब्त मादक पदार्थ का कुल वजन करीब 30 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने मौके से डोडा चूरा जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान आरोपी परसराम बंजारा पुलिस को देख अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों की ओर भाग गया। फिलहाल आरोपी की तलाश की जा रही है और पुलिस टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं।

इस मामले में कांकरोली थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम में थानाधिकारी सरोज बैरवा के साथ पुलिसकर्मी निभर्य सिंह, विरेंद्र सिंह, सुरेश, राजेंद्र सिंह, केसर सिंह, अरुण और योगेश शामिल रहे। पुलिस प्रशासन ने साफ किया है कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लिव-इन बना सामाजिक अपराध: परिवार पर 31 लाख का फरमान, हुक्का-पानी बंद; हाईकोर्ट का आदेश भी बेअसर

जालौर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जालोर जिले के भीनमाल क्षेत्र में लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े एक मामले ने गंभीर सामाजिक विवाद का रूप ले लिया है। माली समाज के कथित सात पंचों पर एक परिवार का समाज बहिष्कार करने और 31 लाख रुपए का जुर्माना लगाने का आरोप लगा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि उनकी मदद करने वालों को भी लगातार धमकियां दी जा रही हैं, जिससे भय और तनाव का माहौल बना हुआ है।

पीड़ित बाबूलाल माली ने पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि उसका साला एक युवती के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। दोनों ने 26 अगस्त 2025 को आपसी सहमति से इकरारनामा भी कराया था। इसके बाद समाज के कुछ लोगों और युवती के परिजनों की ओर से जान से मारने की धमकियां मिलने लगीं। हालात बिगड़ने पर दोनों ने जोधपुर हाईकोर्ट की शरण ली, जहां से उन्हें सुरक्षा और संरक्षण के निर्देश संबंधित पुलिस अधिकारियों को दिए गए।

आरोप है कि हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद भीनमाल में समाज के कुछ लोगों ने पंचायत बुलाकर बाबूलाल के साले पर 31 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। साथ ही उसकी मदद करने वाले साडू पांचाराम माली का हुक्का-पानी बंद कर समाज से बहिष्कृत कर दिया गया। पंचायत के फैसले का विरोध करने पर पूरे परिवार को समाज से बाहर करने और दोबारा शामिल होने के लिए 11 लाख रुपए देने की शर्त रखे जाने का भी आरोप लगाया गया है। इस संबंध में पीड़ितों ने 9 जनवरी को भीनमाल थाने में सात कथित पंचों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोप है कि इसके बाद 20 जनवरी को बयान देने वालों पर दबाव बनाया गया और दोबारा भारी जुर्माने व सामाजिक बहिष्कार की धमकी दी गई। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर बाबूलाल माली और पांचाराम माली अपने रिश्तेदारों के साथ जालोर पहुंचे और पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह के समक्ष पेश होकर निष्पक्ष जांच, आरोपियों पर सख्त कार्रवाई और जान-माल की सुरक्षा की मांग की। पुलिस का कहना है कि भीनमाल थाने में दर्ज रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है और सभी पहलुओं की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है।

दहेज के लिए गला दबाकर पत्नी को मारा

हत्यारे पति को 10 साल का कठोर कारावास

अलवर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अलवर एडीजे कोर्ट संख्या 2 की न्यायाधीश रिद्धिमा शर्मा ने दहेज हत्या के मामले में मृतका के पति को 10 वर्ष का कठोर कारावास और 10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। लोक अभियोजक महेश मीणा ने बताया कि 5 दिसंबर, 2021 की रात एमआइए थाना क्षेत्र के बंजीरका गांव निवासी शाकिर ने दहेज के लिए अपनी पत्नी मनीषा उर्फ बस्सा की चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद मृतका के गले से सोने की हंसली निकालकर घटना को लूटपाट का रूप देने की कोशिश की। जांच में मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। इस दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 23 गवाह और 31 दस्तावेजी साक्ष्य प्रदर्शित कराए गए, जिनके आधार पर आरोपी के खिलाफ दोषसिद्ध होने पर उसे सजा सुनाई गई है। मृतका मनीषा की 28 अक्टूबर, 2020 को बंजीरका निवासी शाकिर के साथ शादी हुई थी। आरोपी शाकिर टैंट हाउस पर काम करता था। पांच दिसंबर की रात को वह काम से घर से लौटा, उसने पहले अपनी पत्नी मनीषा उर्फ बस्सो के साथ मारपीट की। फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसकी सोने की हंसली लेकर वापस टैंट हाउस पर चला गया। अगले दिन उसने पीहर पक्ष को सूचना दिए बिना शव को सुपुर्द ए खाक करने की तैयारी शुरू कर दी।

कर्मचारी चयन बोर्ड कार्यालय में है चप्पे-चप्पे पर तीसरी आंख

फिर भी कर डाला घोटाला, एसओजी जांच में जुटी

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में दुर्गापुरा कृषि अनुसंधान केन्द्र स्थित राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड कार्यालय में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद बड़े स्तर पर गड़बड़ी सामने आना गंभीर सवाल खड़े करता है। ओएमआर (ऑप्टिकल मार्क रिकग्निशन) शीट्स में नंबर बढ़ाकर अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ दिलाने के महाघोटाले की जांच स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) कर रही है। यह गड़बड़ी चयन बोर्ड के तकनीकी प्रमुख संजय माथुर के कार्यकाल में हुई बताई जा रही है।

एसओजी अब कंपनी की ओर से करवाई सभी परीक्षाओं की गहन जांच करेगी। एसओजी को आशंका है कि यह एक संगठित गिरोह का काम है, जिसमें तकनीकी स्तर पर छेड़छाड़ कर अभ्यर्थियों के अंक बढ़ाए गए और इसके बदले मोटी रकम का लेन-देन हुआ।

डीआइजी परिस देशमुख ने बताया कि मामले में अनुसंधान जारी है और संदेह में आए सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

मामले में गिरफ्तार आउटसोर्स फर्म राभव लिमिटेड, नई दिल्ली के प्रतिनिधि विनोद कुमार गौड़, शादान खान और अभ्यर्थी पूनम को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया। पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर एसओजी अब उन अभ्यर्थियों को नोटिस जारी कर बुलाने की तैयारी कर रही है, जिनकी ओएमआर शीट्स में नंबर बढ़ाए गए।

बस में जिंदा जले तीन यात्री : आंध्र प्रदेश के नांद्याल में ट्रक से टक्कर के बाद लगी आग

नांद्याल (आंध्र प्रदेश), 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के नांद्याल जिले में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां एक प्राइवेट बस और लॉरी की टक्कर के बाद दोनों गाड़ियों में आग लग गई। इस दुर्घटना में तीन लोगों की जान चली गई। पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुनील श्योराण ने बताया कि हादसा सिरिवेल्ला मेट्टा के पास रात करीब 1:40 बजे हुआ।

एसपी ने बताया कि बस हैदराबाद जा रही थी और उसमें 36 यात्री सवार थे। इस दौरान नांद्याल जिले के सिरिवेल्ला मेट्टा अचानक बस का टायर फट गया और वह सामने से आ रही लॉरी से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। इस दौरान वाहनों में आग लग गई। इस हादसे में बस ड्राइवर समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 36 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में चार यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि समय रहते लोगों को निकालने से बड़ा नुकसान होने से बच गया।

SOUTH CENTRAL RAILWAY
Follow us on @SCRailwayindia
Details of the Tender Notices of S.C. Railway can be seen on our website: www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://www.ireps.gov.in द्वारा)

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीइ/सी-।।/एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः1. निविदा आमंत्रण सूचना संख्याः 01-सीएओ-सी-एससी-2026, दि.13-01-2026, **कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशनः** काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शनः एसडब्ल्यू-।.- मकुडी तथा सिरपुर टाउन रेलवे स्टेशनों के बीच हरेक ओवरपास कुल चौडाई 100 एम सहित 1x42.00 एम क्लीयर स्पैन के रूप में स्पैन कम्पोजिट गिर्डर के साथ रेलवे किमी 178/17-25 & किमी 192/21-27 पर वाइल्ड एनिमल्स क्रासिंग हेतु दो (02) ओवरपासेस का प्रस्तावित निर्माण कार्य। एसडब्ल्यू-2 - बेल्लमपल्ली तथा मंडामरी स्टेशनों के बीच रेलवे किमी 245/4-6 पर नई तीसरी लाइन तथा एयर पुशिंग पध्दति द्वारा मौजूदा अप & डाउन मेन लाइन्स पर नया छोटा पुल या न्यू मायनर ब्रिज नं.168ए स्पैनः1 x4.00एम x1.50एम आरसीसी बाक्स का प्रस्तावित निर्माण कार्य। एसडब्ल्यू-3- बल्लारशाह-मानिकगढ स्टेशनों के बीच नई एसपी/बीपीक्यू हेतु कंट्रोल क्यूबीकल बिल्डिंग का प्रस्तावित निर्माण कार्य।

विवरणः अनुमानित मूल्य रु.80,89,90,916.49, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.41,95,000.00, **कार्य पूरा करने की अवधिः** 09 (नौ) महिने, **खोलने की तिथिः** 05-02-2026 के 15.00 बजे

।) बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।
।।) निविदाकार, अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पंद्रह दिन पहले, प्रस्तुत कर सकते हैं।
।।।) निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन द्वारा जारी) को, निविदा प्रस्तुति की अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, (निर्माण), सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना संख्याः डीवाय.सीइ/जीएस/एससी/01 से 04/2026/ओटी, दि.20-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1, ई-निविदा संख्याः 01_जीएस_एससी_26_ओटी, कार्य विवरणः कमालनगर तथा उदगीर स्टेशनों के बीच नया क्रासिंग स्टेशन-मिट्टी का कार्य या एर्थवर्क इन फार्मेशन, नये पुलों का निर्माण, मौजूदा पुल का विस्तार, बीजी ट्रैक को बिछाना एवं जोडना, एसेंबलींग एण्ड इनसर्शन पाइंट्स तथा क्रासिंग्स, सप्लाइंग, लीडींग एवं आरबीजी बिल्डिंग के स्टोन बल्लास्ट कंस्ट्रक्शन की डम्पिंग, एप्रोच रोड तथा कमालनगर व उदगीर स्टेशनों के बीच प्रस्तावित नया क्रासिंग स्टेशन संबंधित अन्य छिटपुट कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु. 8,49,13,266.00, पूर्व धरोहर राशि रु.5,74,600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, मानक पात्रता मानदंडों के लिए प्रकृति में समान माने जाने वाले कार्यः एर्थवर्क इन फार्मेशन या मिट्टी का कार्य तथा किसी भी प्रकार के पुलों के निष्पादन से जुडा कोई भी सिविल इंजिनीयरिंग कार्य। बोली बंद तिथिः 12-02-2026

क्रम संख्याः 2, ई-निविदा संख्याः 02_जीएस_एससी_26_ओटी, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजनः फिजीबीलीटी स्टडी, मास्टर प्लानिंग, अर्बन डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग हेतु टेक्नीकल कंसल्टंट एवम् टेक्नीकल फिजीबिलीटी रिपोर्ट(टीएफआर) बनाना, डिटेल्ड एस्टीमेट (डीइ) इसके साथ सिकंदराबाद डिवीजन के सनतनगर स्टेशन के पुनर्विकास हेतु योजित कार्य हेतु बीडीक्यू टेंडर शेड्यूल (टीएस)। (दर में 18% जीएसटी शामिल है)।
अनुमानित निविदा मूल्य रु. 12,64,665.00, पूर्व धरोहर राशि - पूधरा रु.25,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 365 दिन, बोली बंद तिथिः 12-02-2026

क्रम संख्याः 3, ई-निविदा संख्याः 03_जीएस_एससी_26_ओटी, कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजनः
फिजीबीलीटी स्टडी, मास्टर प्लानिंग, अर्बन डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग हेतु टेक्नीकल कंसल्टंट एवम् टेक्नीकल फिजीबिलीटी रिपोर्ट(टीएफआर) बनाना, डिटेल्ड एस्टीमेट (डीइ) इसके साथ सिकंदराबाद डिवीजन के बेगमपेट (सेकण्ड एन्ट्री) स्टेशन के पुनर्विकास हेतु योजित कार्य हेतु बीडीक्यू टेंडर शेड्यूल (टीएस)। (दर में 18% जीएसटी शामिल है)।
अनुमानित निविदा मूल्य रु. 12,14,515.00, पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.24,300.00, **कार्य पूरा करने की अवधिः** 365 दिन, बोली बंद तिथिः 12-02-2026

क्रम संख्याः 4, ई-निविदा संख्याः 04_जीएस_एससी_26_ओटी, **कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजनः**
फिजीबीलीटी स्टडी, मास्टर प्लानिंग, अर्बन डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग हेतु टेक्नीकल कंसल्टंट एवम् टेक्नीकल फिजीबिलीटी रिपोर्ट(टीएफआर) बनाना, डिटेल्ड एस्टीमेट (डीइ) इसके साथ सिकंदराबाद डिवीजन के सिरपुर कागजनगर (दोनों एन्ट्री) स्टेशन के पुनर्विकास के लिए योजित कार्य हेतु बीडीक्यू टेंडर शेड्यूल (टीएस)। (दर में 18% जीएसटी शामिल है)। **अनुमानित निविदा मूल्य रु.** 16,14,712.00, पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.32,300.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 365 दिन, बोली बंद तिथिः 12-02-2026

क्रम संख्याः 2, 3 तथा 4, मानक पात्रता मानदंडों के लिए प्रकृति में समान माने जाने वाले कार्यः प्रस्ताव हेतु अनुरोध-आरएफपी नुसार

1. निविदाकार, केवल ई-टेंडरिंग द्वारा ही भाग ले सकते हैं तथा कोई भी मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं।
2. सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, केवल आनलाइन पेमेंट्स द्वारा ही पूर्व धरोहर राशि-पूधरा को जमा करें।
3. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्याएं प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर सहित प्रस्तुत करें।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/ सिकंदराबाद

निविदा सूचना संख्याः एलजीडी/एल/18/2025-26/ओटी, दि.21-01-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, **डीवाय. सीइ/एलजीडीएस द्वारा टेंडर नं.एलजीडी/एल/18/2025-26/ओटी-ई** टेंडर संबंधित बंद तिथि 16-02-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाताओं द्वारा अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद तिथि व समय तक ही प्रस्तुत किया जा सकेगा। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं एवं किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों को यह अनुमति दी जाती है कि, इस निविदा के पूर्व धरोहर राशि-पूधरा (बोली सुरक्षा) को, ई-पेमेंट गेटवे द्वारा नकद रूप में या भारत के किसीभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारण्टी बाण्ड के रूप में या निविदा दस्तावेजों में विवरित सूचनानुसार, उक्त पूधरा प्रस्तुत कर सकते हैं। यह बैंक गारण्टी बाण्ड जो अनुलग्नक-VIA नुसार होना चाहिए तथा यह बाण्ड बोली वैधता से परे, 60 दिनों तक वैध होना चाहिए। इस ओरीजिनल गारण्टी बाण्ड को निविदा दस्तावेज में निर्देशानुसार नामित पदाधिकारी को, बोलियों की प्रस्तुति की तय तिथि के 5 कार्यालयीन दिनों के भीतर, व्यक्तिगत रूप में सुपुर्द किया जाना चाहिए। ई-टेंडरिंग पोर्टल (आईआरइपीएस) पर बिड सहित बी.जी. की स्कैन की गयी कापी की अप्रस्तुति तथा निर्धारित अवधि के भीतर ओरिजीनल बी.जी. की अप्रस्तुति के चलते बोली को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

क्रम संख्याः 1, निविदा संख्याः एलजीडी/एल/18/2025-26/ओटी, कार्य विवरणः कैरेज वर्कशाप, लालागुडा पर बहुत पुराने इलेक्ट्रिकल एस्सेट्स जैसे केबुल्स, कंट्रोल पैनल्स आदि का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना।
विज्ञापित मूल्य रु.1,35,66,902.00 (रु. एक करोड पैंतीस लाख छियासठ हजार नौ सौ और दो मात्र), बोली सुरक्षा रु.2,17,900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से लेकर 12 महिने, बंद करने की तिथिः 16-02-2026 के 15.00 बजे

वेबसाइट विवरणःwww.ireps.gov.in

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य बिजली अभियंता, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना संख्याः 483/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी, दि.20-01-2026

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.13-02-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः1, टेंडर आयडीः 2834, डीईएन सेक्शनः उत्तर, कार्य विवरणः नल्लापाडू पर क्रिकेट ग्राउण्ड, वीआईपी विजीटर गैलरी व ड्रेसिंग रूम्स का नवीकरण या रिनोवेशन कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.2,34,41,298.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा** रु.2,67,200.00

क्रम संख्याः2, टेंडर आयडीः 2835, डीईएन सेक्शनः उत्तर, कार्य विवरणः फेज-। (बिल्डिंग पोर्शन) के तहत एनएलपीडी पर लोको ट्रिप शेड का निर्माण कार्य।
अनुमानित मूल्य रु.2,69,24,177.00, **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा** रु 2,84,600.00

1. ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि दि.13-02-2026 के 15.30 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु **वेबसाइटः www.ireps.gov.in** पर लागिन करें।
2. किसी भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), गुंटूर

निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.20-02-2026 के 11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा तिथिः 20-01-2026

क्रम संख्याः 1, निविदा संख्याःवाय/एसजी/36/2025-26/33, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः 1) सिकंदराबाद—
ढोने सेक्शनः सीताफलमण्डी ए-काचीगुडा-फलकनुमा आटो सेक्शंस पर एमएसडीएसी सहित ट्रैक सर्कूट का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना। 2. सिकंदराबाद-मुदखेड सेक्शनः सीताफलमण्डी बी-मलकाजगिरी-कैवलरी बैरेक्स-बोलारम आटो सेक्शंस पर मल्टि सेक्शन डिजीटल एक्सल काउंटर सहित ट्रैक सर्कूट का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना। 3) आटोमेटिक सिग्नल्लिंग टेर्रीटोरी पर डिसप्ले आरेंजमेंट का प्रावधान।
अनुमानित मूल्य रु.23,50,34,900.11, पूर्व धरोहर राशि रु.13,25,200

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद
ए2266

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

खेलों को बढ़ावा देना पीएम मोदी का सपना है : राज्यपाल

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण यह है कि खेल समाज के हर वर्ग के लिए सुलभ हों। उन्होंने कहा कि "पीएम संसद खेल महोत्सव" जैसी पहल देश की खेल संस्कृति को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

राज्यपाल वर्मा यह बात "पीएम संसद खेल महोत्सव" का उद्घाटन करते हुए कह रहे थे, जिसे एबीवी फाउंडेशन द्वारा सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र में एलबी स्टेडियम में आयोजित किया गया। उन्होंने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। राज्यपाल वर्मा ने कहा कि कई प्रधानमंत्रियों ने देश का नेतृत्व किया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और भारत की वैश्विक छवि को बढ़ावा देने के मामले में अलग पहचान रखते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि खेल केवल खेल नहीं हैं, बल्कि यह शिक्षा, ज्ञान और युवाओं के शारीरिक व मानसिक विकास का एक महत्वपूर्ण मार्ग हैं। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और खेल इसके निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी और भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। भारतीय बैडमिंटन टीम के कोच पुल्लेला गोपीचंद, ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल और भारतीय महिला क्रिकेटर डायना डेविड और दृष्टि केसरी जैसे प्रतिष्ठित खिलाड़ी विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि "पीएम संसद खेल महोत्सव" प्रतियोगिताएं लगभग 15 दिनों की अवधि में सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के 30 मैदानों में आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, एथलेटिक्स और कई अन्य खेल महोत्सव का हिस्सा हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रतियोगिताएं सात विधानसभा क्षेत्रों में विभाजन के अनुसार आयोजित की जा रही हैं।

स्लम क्षेत्रों की महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर्स जैसे विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, इसके अलावा जूनियर, इंटरमीडिएट और डिग्री कॉलेज छात्रों के लिए प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं।

तेलंगाना ने रिकॉर्ड खरीदारी की उपलब्धि हासिल की : उत्तम कुमार

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने राज्य की खरीफ फसल के लिए अभूतपूर्व खरीदारी उपलब्धियों की सराहना की, जो स्वतंत्रता के 75 वर्षों में किसी भी भारतीय राज्य द्वारा की गई अब तक की सबसे बड़ी खरीदारी है।

मंत्री ने बुनियादी ढांचे के उन्नयन, निर्यात संवर्धन और कल्याण विस्तार के लिए एक व्यापक रोडमैप की जानकारी दी, जिसमें इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए जवाबदेही और तकनीकी उन्नतियों पर जोर दिया गया। गुरुवार को मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने घोषणा की कि तेलंगाना ने खरीफ मौसम के दौरान 71.64 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदारी की, जिसकी कुल कीमत 19,000 करोड़ रुपये थी, जिससे 15 लाख से अधिक किसानों को लाभ हुआ। यह सिर्फ एक संख्या नहीं है। यह हमारे किसानों के कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा और इस उपलब्धि को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए आयुक्त स्टीफन रविंद्र और उनकी टीम को बधाई दी। रिकॉर्ड खरीदारी और बंपर फसल का लाभ उठाते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि सरकार निर्यात-उन्मुख चावल उत्पादन को बढ़ावा देने और चावल निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से नीतियाँ तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के पास घरेलू आवश्यकताओं जैसे कि कस्टम मिल्ड राइस आपूर्ति, खाद्य निगम, सार्वजनिक वितरण प्रणाली की जरूरतें और स्थानीय खपत पूरी करने के बाद सालाना बड़े पैमाने पर चावल निर्यात की महत्वपूर्ण क्षमता है। मंत्री ने उच्च निर्यात मांग वाले धान की किस्में उगाने के लिए किसानों को लक्षित प्रोत्साहन देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सरकार इस गति को बनाए रखने और वैश्विक चावल व्यापार में तेलंगाना की भूमिका को मजबूत करने के लिए एक व्यापक निर्यात संवर्धन ढांचा तैयार कर रही है। खरीद कार्यक्रम के पैमाने और पहुंच को स्पष्ट करते हुए नागरिक आपूर्ति विभाग ने कहा कि राज्य हर साल सीधे किसानों को 38,000 करोड़ रुपये वितरित करता है।

अग्रणी महिला मंच द्वारा रंग दे बसंती इमोजी में अध्यक्ष सुमन भुवानिया, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, स्मिता शाह, श्रद्धा सुखिया, शीतल बंसल, रूपा गुप्ता, रितु गोयल, संगीता जजोड़िया, वंदना पचारिया, संतोष अग्रवाल, सपना जैन, नीता अग्रवाल, अस्मिता हीरापारा, ज्योति कुलकर्णी, बृंदा पटेल, अंजान मेहता, सोनिया गोयल, संगीता बिंदल, सुनयना नर्सरिया, बीना पारेख, पवन भुवानिया आदि उपस्थित हो कर बसंतोत्सव मनाया।

ग्रेटर हैदराबाद में नागरिक बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन मंत्री व हैदराबाद प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि मुख्यमंत्री नागरिक बुनियादी ढांचे के विकास को ग्रेटर हैदराबाद में उच्च प्राथमिकता दे रहे हैं, जो व्यापक शहरी विकास रणनीति का हिस्सा है।

गुरुवार शाम को मंत्री ने जुबिली हिल्स, रोड नं. 45 में जीएचएमसी द्वारा 3.10 करोड़ रुपये की लागत से विकसित बच्चों के लिए खेल पार्क का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन और ज़ोनल कमिश्नर प्रियंका आला भी मौजूद रहे। मंत्री ने बताया कि पहले खाली पड़ी 1 एकड़ 40 गंटा भूमि को बच्चों के लिए आधुनिक खेल पार्क में बदल दिया गया है। पार्क में 10 लाख लीटर क्षमता का वर्षा जल संग्रहण प्लांट, वॉकिंग ट्रैक, योग क्षेत्र, टेनिस कोर्ट और बच्चों व पालतू जानवरों के लिए अलग-अलग विशेष क्षेत्र बनाए गए हैं। पार्क स्थानीय निवासियों और बच्चों के लिए सुखद और स्वस्थ मनोरंजन का माहौल प्रदान करेगा। मंत्री ने जनता से पार्क का पूर्ण उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हैदराबाद के विकास के लिए समग्र योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू कर रहे हैं, जिसमें समावेशी विकास, आधारभूत नागरिक सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण और बुनियादी ढांचा निर्माण शामिल है। उद्घाटन के बाद मंत्री ने बच्चों के खेल क्षेत्र, टेनिस कोर्ट, योग क्षेत्र, वर्षा जल संग्रहण सुविधा और हरा-भरा उद्यान का निरीक्षण किया और जीएचएमसी अधिकारियों की सराहना की। इसके बाद मंत्री, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी और मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी के साथ पार्क में टेनिस का मैत्रीपूर्ण खेल भी खेले।

गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने किया पतंजलि इमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का लोकार्पण

हरिद्वार, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पतंजलि योगपीठ द्वारा संचालित विश्व के प्रथम इंटीग्रेटेड मैडिसिन सिस्टम तथा योग, आयुर्वेद व आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का वैश्विक केंद्र पतंजलि इमरजेंसी एवं क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। आज गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उक्त हॉस्पिटल का लोकार्पण किया। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर हास्पिटल का निरीक्षण भी किया और इंटीग्रेटेड मेडिसिन सिस्टम की इस पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि यह हॉस्पिटल विश्व का प्रथम हाइब्रिड हॉस्पिटल बन गया है।

गृह मंत्री दो दिनों के पतंजलि प्रवास पर थे। इस दौरान उन्होंने योग, आयुर्वेद व सनातन जीवन पद्धति को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठापित करके रोगमुक्त विश्व का निर्माण कैसे हो, इस पर पूज्य स्वामी जी के साथ गहन विमर्श व मंथन किया।

इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रामदेव ने कहा कि यह सम्पूर्ण पतंजलि परिवार के लिए गौरव की बात है कि आज विश्व के इतिहास के प्रथम इंटीग्रेटेड हॉस्पिटल का लोकर्पण अपने राष्ट्रधर्म के साथ-साथ सनातन धर्म को सर्वोपरि रखने वाले, योग- आयुर्वेद को सर्वोपरि देखने वाले देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा किया गया। स्वामी जी ने कहा कि यहाँ हम 90 से 99 प्रतिशत लोगों को योग, आयुर्वेद, नेचुरोपैथी, पंचकर्म, षट्कर्म, पंच महाभूत चिकित्सा, मेडिकेटिड वाटर व फूड, उपवास, उपासना से ठीक करेंगे। उन्होंने कहा कि बीमारियों के मुख्य कारण- स्ट्रेस, इंफ्लामेशन तथा शरीर का अशुद्धिकरण है। पतंजलि में शिरोधारा, अक्षी तर्पण, कर्ण पूर्ण, नस्य, अभ्यंग, शंख प्रक्षालन, कोलोन थैरेपी, 100 से ज्यादा प्रकार की बस्ती आदि से शरीर का शुद्धिकरण करते हैं।

हरिद्वार में दो दिवसीय पतंजलि प्रवास पर पहुंचे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पतंजलि इमरजेंसी एंड क्रिटिकल केयर हास्पीटल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, सांसद त्रिवेंद सिंह रावत, शिक्षामंत्री धनसिंह रावत, पतंजलि के संस्थापक योगगुरु बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण आदि बडी संख्या में लोग उपस्थित थे।

स्वामी जी ने कहा कि आर्थिक दृष्टि से कमजोर रोगियों को पतंजलि में उपचार मिलेगा, वहीं समर्थ लोगों को न्यून शुल्क पर बहुत बड़ी उपचार व्यवस्था यहां खड़ी की गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 250 बेड की क्षमता वाला यह नया परिसर अत्याधुनिक अस्पताल पतंजलि इंटीग्रेटेड मेडिसिन सिस्टम पर आधारित है, जिसमें एलोपैथी की आधुनिक तकनीक से सभी प्रकार की मशीनों से डायग्नोज (जांच) की सुविधा है तथा अत्यन्त जटिल मानी जाने वाली ब्रेन, हार्ट, स्पाईन वाली सर्जरी की भी व्यवस्था रहेगी।

इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि हम पहले से योग, आयुर्वेद, पंचकर्म, षट्कर्म, नेचुरोपैथी आदि के माध्यम से देश व दुनिया के 1 करोड़ 38 लाख लोगों का उपचार कर चुके हैं।

उन्होंने बताया कि अब रोगियों को जाँच के लिए कम खर्च में उच्च स्तरीय जांच सुविधा पतंजलि में सुलभ सकेगी। इसके लिए 24/7 अत्याधुनिक इमेजिंग एवं डायग्नोस्टिक सेंटर स्थापित किया गया है जिसमें एमआरआई डिजिटल एक्सरे तथा अल्ट्रासाउंड की सुविधा 24 घंटे संचालित की जाएंगी।

कोलपुरा वडेर स्थित माघ सुदी बीज एक शाम श्री आईमाताजी के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए संत कन्हैयालालजी। अवसर पर मुख्य अतिथि ठाकुर करणसिंह धनला, पारसीगुट्टा सीरवी समाज अध्यक्षा श्रीमती सुशीला देवड़ा व अतिथियों का सम्मानकर जागरण, भोजन-प्रसादी का लाभ लेते हुए आयोजक ढलाराम, अमराराम परिहार व समाज बन्धु।

हैदराबाद में सुविधाओं के विस्तार के लिए 623 करोड़ का निवेश

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने दावोस, स्विट्ज़रलैंड में आयोजित डब्लूईएफ 2026 के दौरान एक और निवेश हासिल किया। प्रतिनिधिमंडल ने श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया के सीईओ दीपक शर्मा से मुलाकात की।

श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया तेलंगाना में अपनी गगिल्लापुर और शमशाबाद स्थित मौजूदा इकाइयों के विस्तार के लिए 623 करोड़ का निवेश करेगी। इस विस्तार से एयर सर्किट ब्रेकर, मोल्डेड केस सर्किट ब्रेकर, कॉन्टैक्टर्स और पुश बटन जैसे विद्युत सुरक्षा उत्पादों की उत्पादन क्षमता बढ़ाई जाएगी। बैठक में ऊर्जा संक्रमण और भंडारण परियोजनाओं पर भी चर्चा हुई, जिसमें ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा दक्षता और औद्योगिक पार्कों तथा शहरी बुनियादी ढांचे के लिए डिजिटल पावर मैनेजमेंट पर सहयोग शामिल है। मुख्यमंत्री ने इस निवेश को सुरक्षित करने के लिए आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू की सराहना की और कहा कि 2047 तक नेट-ज़ीरो विकास लक्ष्य प्राप्त करना तेलंगाना की नीति का प्रमुख स्तंभ है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलीकॉम हार्डवेयर, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों सहित भारत के सबसे तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण हब में से एक बन चुका है।

पृष्ठ तीन का शेष

माघ मेले से ...

18 जनवरी को माघ मेले में मौनी अमावस्या पर अविमुक्तेश्वरानंद पालकी में स्नान करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोका और पैदल जाने को कहा। विरोध करने पर शिष्यों से धक्का-मुक्की हुई। इससे नाराज अविमुक्तेश्वरानंद शिविर के बाहर धरने पर बैठ गए थे। उज्जैन में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरिगिरि महाराज ने कहा- अविमुक्तेश्वरानंद जिस पद पर आसीन हुए हैं, उसमें अभी अखाड़ा परिषद की ओर से उन्हें चादर ओढ़ाना बाकी है। हमारी परंपरा है कि समस्त 13 अखाड़े मिलकर एक साथ चादर ओढ़ाते हैं। जब समाज और अखाड़े आपको चादर ओढ़ाएंगे, तभी आप पूरे समाज के शंकराचार्य होंगे।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने वाराणसी के ईश्वरगंगी क्षेत्र में अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में गऊ पूजन किया। उन्होंने कहा- भाजपा सरकार में न गऊ हत्या बंद हो रही, न ही शंकराचार्य की मर्यादा सुरक्षित है। देश के सबसे बड़े बीफ (गऊ मांस) एक्सपोर्ट में भाजपा से जुड़े लोग शामिल हैं। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल नंदी ने कहा कि जहां पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि 66 करोड़ लोग संगम में डुबकी लगाते हैं और पूरी व्यवस्था के साथ कार्यक्रम चलता है। पूरी दुनिया में सनातन धर्म को मानने वाले लोग गौरवान्वित हैं। काशी, अयोध्या और मथुरा में जिस तरह से अपार श्रद्धालु आ रहे हैं। ऐसे कोई (अविमुक्तेश्वरानंद) ऐसा कर रहा है, तो भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें। पुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा- यह भयंकर युद्ध को आमंत्रित करने जैसा है। जब तक हमारा खून नहीं खौल रहा है, तब तक ये सब चलता रहेगा।

भोजशाला में पूजा ...

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट को बताया कि सरकार ने इस मुद्दे पर विचार करने के लिए एक कमेटी गठित की है, जो वैकल्पिक तरीकों पर अध्ययन कर रही है। सरकार ने स्पष्ट किया कि फिलहाल फांसी को सबसे तेज और सुरक्षित तरीका माना जा रहा है, इसलिए इसे बदलने के पक्ष में नहीं है।

केंद्र के रुख पर कोर्ट ने जताई नाराजगी :

कोर्ट ने केंद्र के इस रुख पर नाराजगी जताई और कहा कि समय के साथ बदलाव जरूरी है, लेकिन सरकार इसमें तैयार नहीं दिख रही। कोर्ट ने कहा कि भारतीय संविधान दयालु और जीवंत है, जिसमें सम्मानजनक मौत का अधिकार भी शामिल होना चाहिए। याचिका 2017 में दायर की गई थी और तब से कई बार सुनवाई हो चुकी है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता और केंद्र सरकार को तीन हफ्ते के भीतर लिखित दलीलें जमा करने का निर्देश दिया है।

यह मामला मौत की सजा के तरीके को लेकर महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई देशों ने फांसी छोड़कर इंजेक्शन लगाने जैसे तरीके अपना लिए हैं। भारत में अभी आपराधिक प्रक्रिया संहिता (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) के तहत फांसी ही निर्धारित तरीका है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सिंधू क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

लक्ष्य सेन भी अंतिम-आठ में

जकार्ता, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जकार्ता में चल रहे इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए गुरुवार का दिन शानदार रहा। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

लक्ष्य सेन का एकतरफा मुकाबला

लक्ष्य सेन ने शानदार अंदाज में शुरुआत करते हुए हांगकांग चीन के जेसन गुनेवान को 21-10, 21-11 से मात दी। मुकाबला आधे घंटे से थोड़ा अधिक चला और लक्ष्य ने रफ्तार एवं नियंत्रण दोनों में बढ़त बनाए रखी। यह जीत लक्ष्य के आत्मविश्वास में और इजाफा करेगी।

सिंधू ने डेनमार्क की खिलाड़ी को हराया

पीवी सिंधू, जो दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट हैं, ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क क्यारीफेल्ट को 21-19, 21-18 से हराया। मुकाबला 43 मिनट तक चला। यह सिंधू की इस खिलाड़ी के खिलाफ छठी भिड़ंत में पांचवीं जीत थी, जो उनकी बढ़त को दर्शाती है।

चेन यू फी से भिड़ेंगी सिंधू

क्वार्टर फाइनल में सिंधू का सामना टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर-4 चेन यू फी (चीन) से होगा।

दोनों के बीच अब तक 13 मुकाबले हुए हैं, जिसमें चेन यू फी 7-6 से आगे हैं।

सिंधू ने आखिरी बार 2019 में चीनी खिलाड़ी को हराया था, इसलिए यह मैच उनके लिए खास मायने रखता है।

मुजीब की टी-20 इंटरनेशनल में पहली हैट्रिक

अफगानिस्तान ने वेस्टइंडीज को 39 रन से हराया, सीरीज अपने नाम की

दुबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने दुबई में खेले गए दूसरे टी-20 में वेस्टइंडीज को 39 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। स्पिनर मुजीब उर रहमान ने अपने टी-20 करियर की पहली हैट्रिक ली। जबकि सेदीकुल्लाह अटल और दरविश रसूली ने अर्धशतक लगाए।

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 189 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम 18.5 ओवर में 150 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगान टीम ने पहला मैच 38 रन से जीता था। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला आज शाम दुबई में ही खेला जाएगा।

अटल -रसूली के बीच 115 रन की साझेदारी

पहले बैटिंग करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही और 4.5 ओवर में टीम का स्कोर 37/2 था। इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल और दरविश रसूली ने तीसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। अटल ने 42 गेंदों में 53 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। रसूली ने 39 गेंदों में 68 रन की पारी खेली, उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के लगाए।

अंत में ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने 13 गेंदों में नाबाद 26 रन की तेज पारी खेली। उनकी पारी में एक चौका और दो छक्के रहे। वेस्टइंडीज की ओर से मैथ्यू फोर्डे ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। शमार जोसेफ और रेमन सिमंड्स को एक-एक विकेट मिला।

मुजीब को प्लेयर ऑफ द मैच चुना

190 रन के टारगेट का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम ने 8 ओवर में 38 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। मुजीब उर रहमान ने लगातार गेंदों पर एविन लुईस और जॉनसन चार्ल्स को आउट किया। कप्तान ब्रैंडन किंग और शिमरोन हेटमायर ने चौथे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। किंग ने 41 गेंदों में 50 रन बनाए। जबकि हेटमायर ने सिर्फ 17 गेंदों में 46 रन जड़ दिए, जिसमें एक चौका और छह सिक्स शामिल रहे।

ब्रैंडन किंग का विकेट मुजीब की हैट्रिक विकेट रहा। इसके साथ ही मुजीब, राशिद खान और करीम जनत के बाद टी-20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले तीसरे अफगानिस्तानी बॉलर बन गए। अफगानिस्तान के लिए मुजीब उर रहमान ने 4, अजमतुल्लाह उमरजई ने और फजलहक फारूकी ने 2-2 विकेट लिए। शानदार प्रदर्शन के लिए मुजीब उर रहमान को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मैडिसन कीज, जाकुब मेंसिक और जोकोविच तीसरे राउंड में

कीज ने हमवतन क्रूगर को हराया, मेंसिक की लगातार छठी जीत

मेलबर्न, 22 जनवरी (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज और वर्ल्ड नंबर-16 जाकुब मेंसिक और नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। गुरुवार को जॉन केन एरीना में खेले गए विमेंस सिंगल्स मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने अपनी हमवतन ऐशलिन क्रूगर को 6-1, 7-5 से हराया।\

कीज ने पहला सेट आसानी से जीता, लेकिन दूसरे सेट में वह 2-5 से पीछे चल रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

जोकोविच ने फ्रांसेस्को मैस्ट्रेल्ली को हराया

मेलबर्न में खेले जा रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन में रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर का मुकाबला आसानी से जीत लिया। चौथी वरीयता प्राप्त जोकोविच ने इटली के फ्रांसेस्को मैस्ट्रेल्ली को सीधे सेटों में 6-3, 6-2, 6-2 से हराया।

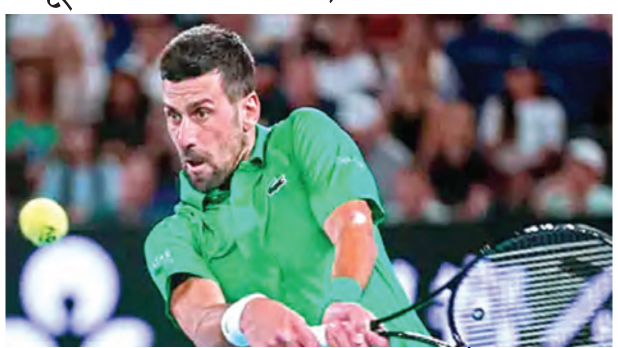

जोकोविच को पहला सेट जीतने के लिए 7 सेट पॉइंट लगाने पड़े और 47 मिनट में उन्होंने यह सेट अपने नाम किया। इसके बाद मुकाबले पर उनका पूरा नियंत्रण रहा। बेसलाइन रैलियों में उन्होंने लगातार बढ़त बनाई और सर्विस में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ जोकोविच अब ग्रैंड स्लैम स्तर पर 400 मैच जीत से सिर्फ एक कदम दूर हैं। अगर वह अपना अगला मैच जीतते हैं,तो वह ग्रैंड स्लैम इतिहास में 400 मैच जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे।

अब उनका अगला मुकाबला नीदरलैंड्स के वान डे जैंड्सचुल्प या चीन के शांग जुनचेंग से हो सकता है। खास बात यह है कि वान डे जैंड्सचुल्प ने पिछले साल इंडियन वेल्स में जोकोविच को हराकर सबको चौंका दिया था।

जबकि जोकोविच का संभावित क्वार्टरफाइनल मुकाबला इटली के लोरेंजो मुसैटी से हो सकता है, जबकि सेमीफाइनल में उनका सामना दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर से होने की संभावना है।

मेन्स सिंगल्स में जाकुब मेंसिक ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए लगातार छठी जीत दर्ज की। उन्होंने फ्रांस के राफेल जोडार को 6-2, 6-4, 6-4 से हराया। हाल ही में ऑकलैंड में खिताब जीतने वाले मेंसिक ने इस मुकाबले में भी आक्रामक खेल दिखाया और पूरे मैच के दौरान नियंत्रण बनाए रखा।

बांग्लादेश अपनी हठ पर कायम : आईसीसी की बात नहीं मानी; भारत में विश्व कप नहीं खेलने पर अड़े

ढाका, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश अपनी हठ पर कायम है और आईसीसी के अल्टीमेटम के बावजूद उसने एक बार फिर दोहराया है कि वह भारत में टी20 विश्व कप के मैच नहीं खेलेगा। ढाका में गुरुवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों की अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल के साथ बैठक हुई। इस बैठक के बाद बीसीबी के अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम बुलबुल ने बताया कि उनका रुख स्पष्ट है।

खेल सलाहकार के साथ हुई बैठक

आसिफ नजरुल के साथ बैठक में बीसीबी अध्यक्ष अमिनुल, सीईओ निजामुद्दीन के साथ-साथ बांग्लादेश टीम के कुछ खिलाड़ी शामिल थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, खिलाड़ी विश्व कप में हिस्सा लेना चाहते हैं, लेकिन बीसीबी ने बैठक के बाद एक बार फिर पुराना राग अलापा है और कहा है कि उनकी टीम इस टूर्नामेंट के लिए भारत की यात्रा नहीं करेगी।

अमिनुल ने आईसीसी के पाले में डाली गेंद

बैठक के बाद बीसीबी अध्यक्ष अमिनुल ने कहा, हम लगातार आईसीसी से संपर्क जारी रखेंगे। बांग्लादेश विश्व कप में खेलना चाहता है, लेकिन वे अपने मैच भारत में नहीं खेलेगा। हम लगातार लड़ाई जारी रखेंगे। आईसीसी बोर्ड की बैठक में कई आश्चर्यजनक फैसले हुए। मुस्तफिजुर का मामला एकमात्र मामला नहीं है। इसे लेकर एकमात्र फैसला भारत ले रहा है।

अमिनुल ने कहा, आईसीसी ने भारत से बाहर मैच आयोजित करने के हमारे अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। हमें विश्व क्रिकेट की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसकी लोकप्रियता घट रही है। उन्होंने दो करोड़ लोगों को कैद कर रखा है। क्रिकेट ओलंपिक में शामिल होने जा रहा है, लेकिन अगर हमारे जैसा देश वहां नहीं जा रहा है, तो यह आईसीसी की विफलता है। उन्होंने हमें 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन वैश्विक संस्था ऐसा नहीं करती हैं। आईसीसी श्रीलंका को सह-मेजबान कह रहा है। वे सह-मेजबान नहीं हैं। यह एक हाइब्रिड मॉडल है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकरार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा, हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमें श्रीलंका में खेलने का मौका देगी। भारत न जाने का फैसला हमारी सरकार ने लिया है।

केकेआर ने दिशांत याग्निक को फील्डिंग कोच बनाया

अभिषेक नायर और ड्वोन ब्रॉवो को ज्वाइन करेंगे

आईपीएल के 25 मैच खेल चुके हैं

कोलकाता, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने पूर्व विकेटकीपर बैटर दिशांत याग्निक को नया फील्डिंग कोच बनाया है। फ्रेंचाइजी ने बताया कि याग्निक इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अपने अनुभव और स्किल से टीम को मजबूती देंगे। केकेआर ने एक बयान जारी कर कहा- 'आईपीएल 2026 में टीम एक नए और बदले हुए सपोर्ट स्टाफ के साथ उतरेगी। इस यूनिट को कोच अभिषेक नायर लीग करेंगे। फ्रेंचाइजी के मुताबिक याग्निक का केकेआर से जुड़ना उनके कोचिंग करियर का एक नया और रोमांचक अध्याय है।

स्टाफ में मेंटर ड्वोन ब्रावो, असिस्टेंट कोच शेन वॉटसन, बॉलिंग कोच टिम साउदी और पावर कोच आंद्रे रसेल शामिल हैं। आईपीएल 2026 का आयोजन 26 मार्च से 31 मई के बीच होगा।

आईपीएल के 25 मैच खेल चुके हैं याग्निक

दिशांत याग्निक विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया है। वे 2011 से 2014 के बीच आईपीएल में 25 मैच खेल चुके हैं। संन्यास के बाद याग्निक आईपीएल से जुड़े रहे हैं और कई सीजन में फील्डिंग कोच की भूमिका निभा चुके हैं।

पिछले सीजन में अभिषेक को हेड कोच बनाया था

केकेआर ने पिछले सीजन में अभिषेक नायर को अपना हेड कोच बनाया था। वे चंद्रकांत पंडित की जगह हेड कोच बनाए गए थे। उनके साथ डेवोन ब्रॉवो भी केकेआर के कोचिंग स्टाफ में हैं।

पीडब्ल्यूएल में हर्षिता की टीम ने यूपी को दी मात

अंतिम पंघाल की टीम टॉप, ओलिंपिक मेडलिस्ट गुजमान लोपेज 5-0 से क्लीन स्वीप

झज्जर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पीडब्ल्यूएल में 9वां मैच यूपी डोमिनेटर्स और महाराष्ट्र केसरी की टीम के खिलाड़ियों के बीच हुआ। 9 वें मैच में कई कड़े मुकाबले देखने को मिले। वहीं हरियाणा के हिसार की बेटी हर्षिता मोर की टीम ने हिसार जिले की रहने वाली अंतिम पंघाल की टीम को 5-4 से मात दी। हालांकि इस मैच में भी अंतिम पंघाल अनबिटेबल रही और पेरिस ओलिंपिक में रजत पदक जीतने वाली गुजमान लोपेज को 5-0 से क्लीन स्वीप किया।

वहीं इस मैच में यूपी डोमिनेटर्स की ओर से खेल रही हरियाणा के झज्जर जिले की बेटी जूनियर वर्ल्ड चैंपियन तपस्या गहलावत की शानदार परफॉरमेंस के लिए उसे फाइटर ऑफ द मैच चुना गया है। हर्षिता मोर ने निर्णायक क्षण में शानदार प्रदर्शन करते हुए महाराष्ट्र केसरी को प्रो. रेसलिंग लीग में यूपी डोमिनेटर्स पर रोमांचक 5–4 की जीत दिलाई। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए मैचडे सात के इस मुकाबले में महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में हर्षिता का शानदार फॉल निर्णायक साबित हुआ।

दो हार के बाद भी अंतिम पंघाल की टीम टॉप

इस जीत के साथ महाराष्ट्र केसरी चार अंकों और 14 बाउट जीत के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वहीं, करीबी हार के बावजूद यूपी डोमिनेटर्स चार अंकों और बेहतर 16 बाउट जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। हर्षिता मोर को प्लेयर ऑफ द मैच, जबकि यूपी डोमिनेटर्स की अंडर-20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियन तपस्या गहलावत को फाइटर ऑफ द मैच चुना गया।

झज्जर की तपस्या ने 12-9 से बाउट जीती

महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में तपस्या गहलावत ने मनीषा भानवाला के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए पावर मिनट में निर्णायक टेक डाउन-एंड-टर्न के दम पर हाई-स्कोरिंग मुकाबला 12–9 से अपने नाम किया। वहीं दोनों टीमों के बीच आखरी मैच तक मुकाबले रोमांचक रहे और 4-4 की बराबरी के बाद फैसला आखरी बाउट में हुआ।

आतिश ने झज्जर के राहुल देसवाल को हराया

पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग में महाराष्ट्र ने अपनी बढ़त और मजबूत की, जहां आतिश ठोड़कर ने राहुल देसवाल को 15–13 से हराया। दोनों पहलवानों के बीच लगातार अंकों का आदान-प्रदान हुआ, लेकिन मध्य चरण में ठोड़कर का नियंत्रण और अहम एक्सपोजर निर्णायक साबित हुआ।

अंतिम बाउट में पंघाल ने लोपेज को हराया

अंतिम बाउट में यूपी डोमिनेटर्स को महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में सांत्वना जीत मिली, जहां अंतिम पंघाल ने पेरिस ओलिंपिक पदक विजेता गुजमान लोपेज यूसनेलिस को 5–0 से हराया। हालांकि, यह जीत नतीजे को बदलने के लिए पर्याप्त नहीं रही और महाराष्ट्र केसरी ने मुकाबला 5–4 से अपने नाम किया।

हरियाणा के बॉक्सरों का नेशनल कैंप में दबदबा

64 में से 31 हरियाणवी; स्वीडन कोच की फिर वापसी

पंचकूला, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा अब मुक्केबाजी का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। नेशनल कोचिंग कैंप 64 में से 31 हरियाणवी बॉक्सरों का चयन हुआ है। इसमें प्रदेश की 14 बेटियों ने जगह बनाई है, वहीं 17 पुरुष मुक्केबाजों का चयन हुआ है। जिससे कैंप में लगभग 45 प्रतिशत बॉक्सर हरियाणा के हैं।

खेल प्राधिकरण ऑफ इंडिया ने नेशनल कैंप के लिए मुक्केबाजों की सूची जारी की है। यह कैंप पंजाब के एनआइएस पटियाला में 14 मार्च तक चलेगा। कैंप में लॉस एंजेल्स ओलिंपिक, ओलिंपिक क्वालिफाई मुकाबले और अन्य अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट को ध्यान में रखकर मुक्केबाजों की तैयारी करवाई जाएगी। सभी प्रतिभागियों के खाने-पीने और ठहरने की व्यवस्था कैंप स्थल पर ही रहेगी।

इसके साथ ही स्वीडन मूल के कोच सैंटियागो नीवा की इंडियन महिला टीम के मुख्य कोच के तौर पर फिर वापसी हो गई है। इन्होंने टोक्यो ओलिंपिक की 14 कैटेगरी में से इंडिया को 9 कैटेगरी में ओलिंपिक कोटा दिलवाया था।

एलीट प्रशिक्षणः यह कैंप शीर्ष मुक्केबाजों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण और सुविधाओं से लैस करता है, जो उन्हें बड़े टूर्नामेंट्स जैसे एशियाई चैंपियनशिप और ओलिंपिक के लिए तैयार करता है।

विदेशी कोच की फिर वापसी

स्वीडन मूल के कोच सैंटियागो नीवा की इंडियन महिला टीम के मुख्य कोच के तौर पर फिर वापसी हो गई है। सैंटियागो नीवा पहले भी हाई परफॉर्मेंस मैनेजर के तौर पर इंडिया में 2016 से 2020 तक रह चुके हैं। उनके नेतृत्व में टोक्यो ओलिंपिक में इंडियन दल गया था।

टोक्यो ओलिंपिक की 14 कैटेगरी में से इंडिया को 9 कैटेगरी में ओलिंपिक कोटा भी हासिल हुआ था। जबकि एक मेडल भी लवलीना के तौर पर इंडिया को मिला था। महिला वेल्टरवेट वर्ग (69 किग्रा) में उन्होंने इंडिया को कांस्य पदक दिलवाया था।

इससे पहले 2016 और उसके बाद 2024 में इंडिया की झोली खाली रह गई थी। टोक्यो ओलिंपिक में बॉक्सिंग इतिहास का सबसे बड़ा इंडियन दल गया था। उसी उम्मीद में लॉस एजेंल्स से पहले उनकी वापसी करवाई गई है।

बाबर आजम बीबीएल से बाहर, कहा- मुझे टीम छोड़नी होगी

खेल डेस्क, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बाबर आजम बिग बैश लीग से बाहर हो गए हैं. इसका मतलब है कि वो ऑस्ट्रेलिया की टी20 लीग में अब आगे नहीं खेल पाएंगे. बाबर आजम के बिग बैश से बाहर होने की जानकारी उनकी टीम सिडनी सिक्सर्स ने दी है. हालांकि, टीम से बाहर होने के बाद खुद बाबर आजम का भी बयान सामने आ चुका है. उन्होंने अपने फैंस से कहा कि उन्हें टीम छोड़नी होगी. उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई.

बीबीएल फाइनल्स से पहले बाहर हुए बाबर आजम

बिग बैश से बाबर आजम के बाहर होने के की खबर उनकी टीम सिडनी सिक्सर्स के होबार्ट हरिकेन्स के साथ होने वाले चैलेंजर्स फाइनल्स मुकाबले से ठीक पहले आई है. इस मुकाबले की विजेता बिग बैश लीग के फाइनल में पर्थ स्क्रॉचर्स का सामना करेगी. अब सवाल है कि इतने अहम मुकाबले से पहले बाबर आजम क्यों बाहर हो गए? इस बड़े सवाल का जवाब भी बाबर आजम ने खुद दिया है.

बाबर आजम ने वीडियो संदेश के जरिए बताया कि उन्हें नेशनल ड्यूटी के चलते टीम का साथ छोड़ना पड़ रहा है. पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया के साथ घरेलू टी20 सीरीज खेलनी है, जिसके लिए बाबर आजम का बुलावा आया है. उसी वजह से उन्होंने बीबीएल से बाहर होने का फैसला लिया है.

बिग बैश लीग में बाबर आजम का प्रदर्शन

बाबर आजम अपने प्रदर्शन और बेहद खराब स्ट्राइक को लेकर बिग बैश के मौजूदा सीजन में लगातार चर्चा में रहे. उन्होंने लीग में खेले 11 मैचों में 103.06 की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 202 रन बनाए हैं. इस दौरान बाबर आजम के बल्ले से केवल 3 छक्के और 2 अर्धशतक निकले.

बिग बैश लीग के इतिहास में अब तक 350 बार ऐसा हुआ है जब बल्लेबाजों ने 200 प्लस रन का आंकड़ा पार किया है. बाबर आजम उनमें सबसे कम स्ट्राइक रेट के साथ 200 रन की दहलीज लांघने वाले बल्लेबाज हैं.

बाबर आजम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जिस घरेलू टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान लौटना पड़ा है, उसका आगाज 29 जनवरी से होने वाला है.

तेलंगाना राइज़िंग 2047 विजन में साझेदारी के लिए डब्लूईएफ आगे आया

> एक वार्षिक डब्लूईएफ फॉलो-अप बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्लूईएफ) 2026 के दौरान तेलंगाना पैवेलियन में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्लूईएफ) के मैनेजिंग डायरेक्टर जेरेमी जर्गेन्स और सीफोरआईआर नेटवर्क की स्ट्रैटेजिक इम्पैक्ट एंड इंटीग्रेशन प्रमुख मंजू जॉर्ज से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने जुलाई या अगस्त महीने में एक वार्षिक डब्लूईएफ फॉलो-अप बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।

इसका उद्देश्य जनवरी में आयोजित डब्लूईएफ में हुई चर्चाओं और लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक मंच उपलब्ध कराना है, क्योंकि आधुनिक व्यापार चक्रों के संदर्भ में एक वर्ष का अंतर काफी लंबा होता है। तेलंगाना ने इस फॉलो-अप फोरम को रणनीतिक साझेदार के रूप में डब्लूईएफ के साथ मिलकर आयोजित करने की पेशकश की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देखना ही विश्वास करना है। हम दुनिया को यह दिखाना चाहते हैं कि हमारा राज्य कितने शानदार अवसर और संसाधन प्रदान कर सकता है। इसलिए हम हैदराबाद में प्रतिवर्ष डब्लूईएफ फॉलो-अप बैठक आयोजित करने के लिए तैयार हैं। डब्लूईएफ टीम ने इस प्रस्ताव पर बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, भले ही ऐसे ही प्रस्ताव कई अन्य देशों से भी आए हों। डब्लूईएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर जेरेमी जर्गेन्स ने कहा, कि हम इसे निकट भविष्य में आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि समर दावोस चीन में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है और सऊदी अरब से भी इस तरह के आयोजन में गहरी रुचि है। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना राइजिंग 2047 विज़न तथा 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपनाई जा रही रणनीति और रोडमैप प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों ने सीफोरआईआर तेलंगाना (चौथी औद्योगिक क्रांति केंद्र) की यात्रा पर भी चर्चा की, जिसे बायोएशिया 2024 के दौरान हैदराबाद में लॉन्च किया गया था।

यह भारत में डब्लूईएफ का पहला थीमैटिक सेंटर है, जो हेल्थकेयर और लाइफ साइंसेज़ पर केंद्रित है और हेल्थ-टेक नवाचार, नीति निर्माण तथा कार्यबल कौशल विकास को बढ़ावा देता है। जर्गेन्स ने कहा कि बायोएशिया में सीफोरआईआर तेलंगाना का शुभारंभ भारत में डब्लूईएफ के लिए एक सकारात्मक रोल मॉडल है। मुख्यमंत्री के 2047 विजन पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि इस विजन के विभिन्न पहलू आपसी सहयोग के कई अवसर खोलते हैं। डब्लूईएफसर्वोत्तम प्रथाओं पर सीफोरआईआर के शोध कार्य की जानकारी दी और इस संबंध में सीफोरआईआर तेलंगाना के साथ जानकारी साझा करने की पेशकश की। आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने राज्य की नई आर्थिक विकास तथा भारत फ्यूचर सिटी के बारे में बताया, जो एक नेट-जीरो ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी परियोजना है और भारत में सतत शहरी विकास का मॉडल बनने जा रही है। प्रतिनिधिमंडल, जिसमें मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी भी शामिल थे, ने एयरोस्पेस, रक्षा, बायो-डिजाइन, सॉफ्टवेयर और फार्मा क्षेत्रों में हैदराबाद की अग्रणी क्षमताओं की जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री के दौरे से पहले बीआरएस कार्यकर्ता हिरासत में

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में गुरुवार को उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क के दौरे के मद्देनजर जिले के विभिन्न हिस्सों में बीआरएस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। उपमुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए बीआरएस कार्यकर्ताओं को जैनूर, सिरपुर (यू) और जिले के अन्य इलाकों के स्थानीय पुलिस थानों में ले जाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री के खिलाफ नारे लगाए और आरोप लगाया कि सरकार पुलिस का इस्तेमाल कर विपक्ष की आवाज दबा रही है।

इसी बीच, जैनूर मंडल केंद्र में साप्ताहिक बाजार और कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान करीब दो घंटे तक बंद रहे। इससे उपमुख्यमंत्री के दौरे के बाद आवश्यक सामान खरीदने पहुंचे आदिवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आदिवासियों ने कार्यक्रम के दौरान बाजार और दुकानों को बंद कराने पर अधिकारियों की आलोचना की। जानकारी के अनुसार, उपमुख्यमंत्री को जैनूर मंडल के जनगांव और बुसीमेटा गांवों तथा केरामेरी मंडल के मोदी गांव में कार्यक्रमों में भाग लेना था। इसके बाद वे आसिफाबाद स्थित एकीकृत जिला अधिकारी परिसर में जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद उपमुख्यमंत्री इंदरवेल्ली मंडल के केसलापुर गांव में आयोजित नागोबा जतारा में प्रजा दरबार यानी शिकायत निवारण कार्यक्रम में भाग लेंगे।

नगरपालिका चुनाव से पहले कई नेता बीआरएस में शामिल

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले समेत पूर्व मेडक जिले की विभिन्न नगरपालिकाओं में विपक्षी दलों के कई नेताओं ने नगरपालिका चुनावों से पहले बीआरएस में शामिल होकर पार्टी की स्थिति मजबूत की है। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने सभी नेताओं को बीआरएस का स्कार्फ पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। संगारेड्डी नगरपालिका से लाड बालू यादव, शेखर, पांडू और उनके समर्थक बीआरएस में शामिल हुए। नरसपुर नगरपालिका से राजू, शेखर, दशरथ और उनके अनुयायी भी पार्टी में शामिल हुए।

ग्रुप-1 फैसले पर हाईकोर्ट ने 5 फरवरी तक टाल दिया निर्णय

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने ग्रुप-1 भर्तियों से संबंधित अपने फैसले को स्थगित कर दिया है। हाईकोर्ट ने घोषणा की है कि इस मामले में निर्णय 5 फरवरी को सुनाया जाएगा। डिवीजन बेंच ने वकीलों को बताया कि फैसले की प्रति अभी तैयार नहीं हुई है।

इससे पहले एकल पीठ (सिंगल बेंच) ने ग्रुप-1 नियुक्तियों पर रोक लगाई थी। इसके बाद तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) और चयनित कई उम्मीदवारों ने डिवीजन बेंच का रुख किया, जिसके बाद रोक हटा ली गई। हालांकि, पीठ ने स्पष्ट किया कि ये नियुक्तियां अंतिम आदेश के अधीन रहेंगी।

गौरतलब है कि इससे पहले एकल न्यायाधीश ने यह कहते हुए ग्रुप-1 परीक्षा की अंतिम अंक सूची और सामान्य रैंक सूची को रद्द करने का आदेश दिया था कि परीक्षा के आयोजन में अनियमितताएं और पारदर्शिता की कमी पाई गई थी। अदालत ने उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन का निर्देश दिया था, और यदि यह संभव न हो, तो नई परीक्षा आयोजित करने को कहा था। इस फैसले को चुनौती देते हुए टीजीपीएससी और इसके माध्यम से नियुक्ति पाने वाले कई उम्मीदवारों ने डिवीजन बेंच में अपील दायर की थी।

हाईकोर्ट इन अपीलों पर सुनवाई पूरी कर चुका है। हालांकि फैसला गुरुवार को सुनाया जाना था, लेकिन अब इसे 5 फरवरी तक के लिए टाल दिया गया है।

आलेरू में सड़क हादसा दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यादद्री भुवनगिरी जिले के आलेरू में गुरुवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान ताजुद्दीन और नितिन रेड्डी के रूप में हुई है। दोनों दोपहिया वाहन से हैदराबाद से अपने पैतृक गांव जनगांव जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लाभदायक फसलों पर ध्यान केंद्रित करें किसान : तुम्मला

> कृषि मंत्री ने नर्सरी मेला का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने गुरुवार को एनटीआर मार्ग, एचएमडीए ग्राउंड में आयोजित 19वें ग्रैंड नर्सरी मेला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य की अनुकूल जलवायु पर जोर देते हुए कहा कि तेलंगाना की विविध कृषि-जलवायु परिस्थितियां दुनिया भर से लगभग किसी भी फसल को उगाने के लिए उपयुक्त हैं।

मंत्री ने किसानों से लाभदायक फसलों पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की और सभी जिला मुख्यालयों में नर्सरी मेलों को व्यापक रूप से बढ़ावा देने की वकालत की, ताकि हरियाली बढ़े और गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री आसानी से उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा, यहां हर फल का पेड़, फूल का पौधा और लाभदायक फसल उग सकती है। उन्होंने हैदराबाद के साथ-साथ अन्य शहरी क्षेत्रों में नर्सरियों के लिए विशेष प्रोत्साहन देने की मांग की, जिससे किसानों और शहरवासियों दोनों को लाभ मिले। उन्होंने मैकाडेमिया और अर्गन जैसी विदेशी किस्मों के साथ-साथ फूलों के पौधों का विशेष उल्लेख करते हुए किसानों से इन्हें अपनाने और बेहतर आय प्राप्त करने का आह्वान किया। मंत्री ने नर्सरियों को शहरी बागवानी उत्साही लोगों और ग्रामीण किसानों के लिए एक स्टॉप सॉल्यूशन बनाने पर बल दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि बागवानी विभाग बड़े पैमाने पर ग्रैंड नर्सरी मेलों को प्रतिवर्ष आयोजित करना जारी रखेगा, साथ ही फल, फूल और सब्जी पौधों की नर्सरियों को भी बढ़ावा देगा। बागवानी निदेशक यास्मिन बाशा ने बताया कि पांच दिवसीय यह आयोजन 22 जनवरी से 26 जनवरी तक चलेगा, जिसमें पूरे भारत से पौधों का व्यापक संग्रह प्रदर्शित किया जा रहा है। इसमें सभी प्रकार के फूलों के पौधे, फलदार वृक्ष, विदेशी प्रजातियां, सजावटी पौधे, बोन्साई सामग्री, सजावटी वस्तुएं, गमले और पॉटिंग मीडिया उपलब्ध हैं। यह मेला बागवानी आवश्यकताओं के लिए एक व्यापक समाधान है, जिसमें वर्टिकल और टेरेस गार्डनिंग सेटअप भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा, पश्चिम बंगाल जैसे उत्तरी राज्यों के साथ-साथ दक्षिणी और अन्य क्षेत्रों से प्रतिभागी अपनी नर्सरियां प्रदर्शित कर रहे हैं। मेला प्रभारी खालिद अहमद ने घोषणा की कि प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक खुली रहेगी। उन्होंने हैदराबादवासियों और तेलंगाना के नागरिकों को आमंत्रित किया कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं।

हैदराबाद डीसीसी 24 से 'मनरेगा बचाओ संग्राम यात्रा' शुरू करेगा

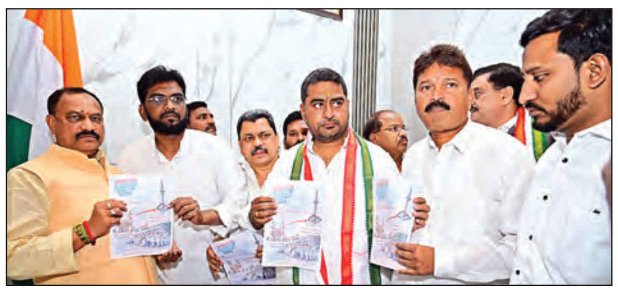

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर करने और उसका नाम बदलने के प्रयासों के विरोध में, हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) 24 से 26 जनवरी 2026 तक तीन दिवसीय 'मनरेगा बचाओ संग्राम यात्रा' आयोजन करेगी।

इस यात्रा का नेतृत्व हैदराबाद डीसीसी अध्यक्ष सैयद खालिद सैफुल्लाह करेंगे। यात्रा का उद्देश्य कांग्रेस पार्टी के अनुसार संविधान द्वारा प्रदत्त काम के अधिकार को व्यवस्थित रूप से खत्म किए जाने के प्रयासों के खिलाफ आवाज उठाना है। खालिद सैफुल्लाह के अनुसार, यह यात्रा 24 जनवरी को सुबह 10 बजे चारमीनार से शुरू होगी और 26 जनवरी को मलाकपेट टीवी टॉवर पर समाप्त होगी। यात्रा के दौरान प्रतिदिन चारमीनार, बहादुरपुरा, याकूतपुरा, चंद्रायनगुट्टा और मलाकपेट विधानसभा क्षेत्रों की 3 से 4 नगरपालिका डिवीजनों को कवर किया जाएगा। इससे पहले खालिद सैफुल्लाह ने बहादुरपुरा से राजेश कुमार, चंद्रायनगुट्टा से बोया नागेश, चारमीनार से मुजीबुल्लाह शरीफ सहित अन्य विधानसभा प्रभारियों के साथ गुरुवार को गांधी भवन में टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ से मुलाकात की। उन्होंने यात्रा के लिए औपचारिक अनुमति मांगी और उन्हें इसमें शामिल होने का निमंत्रण दिया। महेश गौड़ के इस यात्रा में शामिल होने की संभावना है। इस पहल के बारे में बात करते हुए खालिद सैफुल्लाह ने कहा कि यह यात्रा पार्टी का संदेश सीधे जनता तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य यह उजागर करना है कि कैसे मोदी सरकार मनरेगा को कमजोर कर रही है, जो लंबे समय से देश के ग्रामीण गरीबों के लिए जीवनरेखा रही है। हालिया विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए खालिद सैफुल्लाह ने दोहराया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित बदलाव ग्रामीण परिवारों से उनके सुनिश्चित रोजगार के अधिकार को छीन लेंगे। उन्होंने कहा कि इससे मजदूरों की मजदूरी सुरक्षा समाप्त होगी, ग्राम पंचायतों की शक्तियां कम होंगी और वित्तीय बोझ राज्य सरकारों पर डाल दिया जाएगा।

निकाय चुनावों की तैयारी में जुटी टीपीसीसी चुनाव समिति

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी नगरपालिका और नगर निगम चुनावों की रणनीति तय करने के लिए टीपीसीसी चुनाव आयोग समन्वय समिति की बैठक गांधी भवन में पुलिपति राजेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित टीपीसीसी अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने समिति को चुनाव प्रबंधन में अग्रणी भूमिका निभाने और जिला अध्यक्षों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक जिले में चुनाव संबंधी गतिविधियों की निगरानी के लिए दो से तीन पार्टी प्रतिनिधियों की नियुक्ति करने को कहा।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों में तेजी

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और अब तक लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। यह कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है, ताकि यात्रियों की सुविधाओं में सुधार, बुनियादी ढांचे का उन्नयन और परिचालन दक्षता बढ़ाई जा सके, वह भी हालिया त्योहारों की भीड़ के दौरान बिना ट्रेन सेवाओं को बाधित किए। पुनर्विकास कार्यों के दौरान यातायात प्रबंधन के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 1 की ओर पार्किंग को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इस ओर केवल यात्रियों को लाने-ले जाने (पिक-अप और ड्रॉप) की अनुमति दी गई है। वहीं, प्लेटफॉर्म नंबर 10 की ओर अनधिकृत पार्किंग रोकने और वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए एक्सेस कंट्रोल सिस्टम लागू किया गया है। यात्रियों को 15 मिनट तक निःशुल्क पिक-अप और ड्रॉप की सुविधा दी जा रही है, इसके बाद अधिक समय तक रुकने पर अनधिकृत पार्किंग वाले वाहनों से अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। इसी बीच, प्लेटफॉर्म नंबर 10 की ओर भूमिगत बेसमेंट पार्किंग सुविधा चारपहिया और दोपहिया वाहनों के लिए उपलब्ध कराई गई है, जिसका उपयोग बोर्डिंग, पिक-अप, ड्रॉप और पार्किंग के लिए किया जा सकता है। यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए स्पष्ट साइनबोर्ड, पब्लिक एड्रेस घोषणाएं और डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं। पूरा पुनर्विकास प्रोजेक्ट दिसंबर 2026 तक पूरा होने की संभावना है। इसके बाद स्टेशन पर विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिनमें बहु-स्तरीय पार्किंग और बेहतर यातायात व्यवस्था शामिल है। रेल यात्रियों को स्टेशन परिसर में सुगम और परेशानी मुक्त आवागमन के लिए अधिकृत बेसमेंट पार्किंग का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

चीनी मांझा से पक्षियों की मौत, प्रतिबंध बेअसर

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चीनी मांझा पर प्रतिबंध के बावजूद तेलंगाना में इसका इस्तेमाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस साल घातक धागे में फंसने वाले पक्षियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में काफी बढ़ गई है। पक्षी बचाव में सक्रिय एनिमल वॉरियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी (एडब्ल्यूसीएस) के अनुसार, 1 से 22 जनवरी के बीच चीनी मांझा में फंसे 130 पक्षियों को बचाया गया। वहीं, पिछले साल जनवरी के पूरे महीने में केवल 119 पक्षियों को बचाया गया था। जनवरी को पतंग उड़ाने का चरम मौसम माना जाता है और इस दौरान हर साल ऐसी घटनाएं सामने आती हैं। इस महीने बचाए गए पक्षियों में से 22 गंभीर रूप से घायल होने के बाद मर गए, जिनमें एक दुर्लभ बाज भी शामिल था। फिलहाल 113 पक्षियों का पाटनचेरु के पास स्थित एडब्ल्यूसीएस पुनर्वास केंद्र में इलाज चल रहा है।

संगठन के अनुसार, 130 में से 70 पक्षी मांझा में फंसने के बाद पेड़ों और बिजली की तारों से लटके हुए मिले। एक मामले में सूचना देर से मिलने पर एक बाज पर कीड़े तक पड़ चुके थे। एडब्ल्यूसीएस का कहना है कि राज्य भर में सैकड़ों घटनाएं अनदेखी रह जाती हैं, क्योंकि पक्षी अक्सर सुनसान इलाकों में कई दिनों तक फंसे रहते हैं। इस महीने मांझा में फंसे दुर्लभ पक्षियों में पेरेग्रीन फाल्कन, बार्न उल्लू, पेंटेड स्टॉर्क, ग्रीन बी ईटर, लेसर व्हिसलिंग डक, ब्लैक शोल्डर्ड काइट, फ़्लाइंग फॉक्स और गोल्डन ओरिओल शामिल हैं।

एडब्ल्यूसीएस के संस्थापक प्रदीप नायर ने चेतावनी दी कि अगर मांझा बनाने वालों और बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले वर्षों में भी पक्षियों की मौतें जारी रहेंगी।

बताया गया है कि तेलंगाना में चीनी मांझा की चपेट में आने से अब तक कम से कम दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

प्रोफेसर के निलंबन पर एमएलसी ने राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग की

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के एमएलसी श्रवण कुमार दासोजू ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बी. मनोहर के निलंबन को लेकर तेलंगाना के राज्यपाल से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का क्रूर दमन करार दिया। राज्यपाल को सौंपे गए प्रतिवेदन में श्रवण ने 12 जनवरी 2026 को किए गए निलंबन को सत्ता के दुरूपयोग का उदाहरण बताया, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक असहमति को दबाना और विश्वविद्यालय में भय का माहौल बनाना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कार्यपालिका या पुलिस व्यवस्था का विस्तार नहीं होते, बल्कि वे राज्य की सामाजिक अंतरात्मा होते हैं। सवाल उठाने पर किसी वरिष्ठ प्रोफेसर को निलंबित करना असहमति को अपराध मानने जैसा है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय की प्रतिरोध और लोकतांत्रिक संघर्ष की विरासत को याद दिलाते हुए, श्रवण ने चेतावनी दी कि संस्थान को निगरानी और जबरन अनुपालन की ओर धकेला जा रहा है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(क) और 21 के उल्लंघन का आरोप लगाया और कहा कि बिना नियमित विभागीय जांच के प्रो. मनोहर को निलंबित करना प्रशासन की गंभीर चूक है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की आवाज दबाने से विश्वविद्यालयों का लोकतांत्रिक स्वरूप समाप्त हो जाएगा और विद्वानों को सरकारी आदेशों के रोबोटिक अनुयायी बना दिया जाएगा। बीआरएस एमएलसी ने राज्यपाल से निलंबन रद्द करने, सभी रिकॉर्ड तलब करने और राज्य विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक स्वायत्तता की रक्षा के लिए कड़े निर्देश जारी करने का आग्रह किया।

कल्लाकल में प्रेमी की पिटाई

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के मनोहरबाद पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत कल्लाकल में बुधवार को एक महिला के परिजनों ने कथित तौर पर उसके प्रेमी की पिटाई कर दी। आरोप है कि यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। परिजनों के अनुसार, मनोहरबाद मंडल के कोनैपल्ली निवासी साईनाथ, जो वर्तमान में मेडचल में रह रहे थे, का सिद्दिपेट जिले के मुलुग मंडल के कोथुर की एक महिला से प्रेम संबंध था। दोनों ने परिजनों की इच्छा के विरूद्ध विवाह कर लिया था।

राज्य समन्वयक ने 'मनरेगा बचाओ मोर्चा' बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली स्थित जवाहर भवन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के तत्वावधान में 'मनरेगा बचाओ मोर्चा' शीर्षक से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक का उद्देश्य महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के पुनर्जीवन पर चर्चा करना था। इस बैठक की अध्यक्षता लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी एवं कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की। राज्य समन्वयक व परगी विधायक डॉ. टी. राममोहन रेड्डी ने बैठक में भाग लिया और ग्रामीण श्रमिकों की समस्याओं, रोजगार के अवसर बढ़ाने, केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना में किए जा रहे बदलावों, गरीबों के साथ हो रहे अन्याय तथा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में आने वाले दिनों में इस अधिनियम के पुनर्जीवन के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले आंदोलन, उसके स्वरूप और कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया गया। केंद्र सरकार की नीति के खिलाफ जन आंदोलन को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। नेताओं ने स्पष्ट किया कि मनरेगा योजना ग्रामीण गरीबों और मजदूरों की आजीविका सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है, और कांग्रेस पार्टी इस अधिनियम को पुनर्जीवित कराने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने हेतु एक व्यापक आंदोलन शुरू करेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.